4 | रायपुर संभाग
मानपाली के झोला छाप डॉक्टर के क्लीनिक को नर्सिंग होम...

6 | अभिमत
अलविदा रतन टाटा
बहुआयामी व्यक्तित्व

09 | विविध
बच्चे बुजुर्ग का मुस्तैद होकर ईलाज कराने वाले डॉक्टर...

10 | फिल्मी
34 साल की हुई रकुलप्रीत सिंह, मना रही बर्थडे

रायपुर, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित

पायनियर

हमेशा सच के साथ

RNI NO. CHHHIN/2016/70655

www.dailypioneer.com रायपुर, सोमवार 14 अक्टूबर 2024 पृष्ठ-12 वर्ष-09, अंक-54 मूल्य 3.00 ₹

चिक न्यूज़

सोनिया-राहुल ने रामलीला मैदान में मनाया दशहरा पर्व

नयी दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी और लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी यहां रामलीला मैदान में नव धार्मिक लीला कमेटी द्वारा आयोजित दशहरा

उत्सव में शामिल हुए। गांधी ने खुद यह जानकारी देते हुए बताया, जय सियाराम दिल्ली के रामलीला मैदान में दशहरा उत्सव के दौरान रावण वध में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। अन्याय पर न्याय की विजय होगी और अच्छाई हमेशा बुराई पर परचम लहराएगी-यह महा पर्व इसी परमसत्य का सबसे बेहतर और सटीक स्वरूप है। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक पेज पर ट्वीट कर कहा कि विजयादशमी के इस पावन पर्व पर गांधी और गांधी ने प्रभु श्रीराम, माता सीता और हनुमान को विजय तिलक लगाया।

महाराष्ट्र सरकार ने की बाबा सिद्दीकी के राजकीय अंतिम संस्कार की घोषणा

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी के सम्मान में

राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करने की घोषणा की, जिनकी मुंबई में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 2004 से 2008 तक महाराष्ट्र सरकार में मंत्री रहे तथा महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएचएडीए) के अध्यक्ष के रूप में सिद्दीकी की सेवा के मददेनजर पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार करने की घोषणा की और इसको लेकर अधिकारियों को निर्देश दिया।

पूजा पंडाल में अपराधियों ने की फायरिंग, चार घायल

आरा। बिहार में भोजपुर जिले के नवादा थाना क्षेत्र में अपराधियों ने रविवार की सुबह एक पूजा पंडाल में फायरिंग की, जिससे चार लोग घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मौलाबाग स्थित पूजा पंडाल में अहले सुबह बाइक सवार अपराधियों ने फायरिंग की। इस घटना में गोली लगने से पूजा समिति के सदस्य सहित चार लोग घायल हो गये। सूत्रों ने बताया कि घायलों को आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके से दो खोखा बरामद किया गया है। घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भण्डारपुरी धाम में गुरुगददी आसन के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भण्डारपुरी धाम में सतनामी समाज के गुरुगददी आसन का दर्शन कर पूजा अर्चना की। उन्होंने प्रदेश की खुशहाली और सामाजिक समरसता की कामना की। मुख्यमंत्री साय ने सतनामी समाज के धर्म गुरुओं को सामाजिक एकता और भाई-चारे का प्रेरणा श्रोत बताया। इस दौरान राजा धर्म गुरु बालदास साहेबजी राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक एवं अनुसूचित विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गुरु खुशवंत साहेब, जांजगीर सांसद कमलेश जांगड़े, विधायक अनुज शर्मा, विधायक डोमनलाल कोर्सेवाडा सहित सतनामी समाज के अनेक धर्म गुरु,

राज महंत, जिला महंत, संत समाज और बड़ी संख्या में अनुयायी, जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने यहां गुरु निवास में गुरुप्रसादी ग्रहण किया। उन्होंने तलघर का भी अवलोकन किया और उससे जुड़े इतिहास की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने गुरु परिवार के साथ भेंट की।

पीएम मोदी ने मेहसाणा हादसे पर जताया शोक पीड़ितों के लिये अनुग्रह राशि की घोषणा

पायनियर संवाददाता ➤ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मेहसाणा जिले में कड़ी तालुका के जासलपुर गांव में शनिवार को एक हादसे में नौ श्रमिकों की मौत पर दुख जताया है तथा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, गुजरात के मेहसाणा में दीवार गिरने से हुआ हादसा बेहद दुखद है। इस हादसे में जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उनके प्रति मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर उन्हें इस दुख को सहन करने की शक्ति दें। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिये अथक प्रयास कर रहा है। गौरतलब है कि गुजरात के मेहसाणा जिले के कड़ी तालुका के जासलपुर गांव में निजी कंपनी के निर्माण कार्य में लगे नौ लोगों की एक हादसे में मौत हो गयी है।

हरियाणा में नया मुख्यमंत्री चुनने के लिए पर्यवेक्षक बने अमित शाह

पायनियर संवाददाता ➤ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

भाजपा ने हरियाणा में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पार्टी महासचिव अरुण सिंह ने एक विज्ञप्ति में बताया कि पार्टी के संसदीय बोर्ड ने हरियाणा में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए शाह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। इसी तरह से पार्टी संसदीय बोर्ड ने जम्मू-कश्मीर विधायक दल के नेता के चयन के लिए केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। राजनीतिक हलकों में शाह को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किए जाने को आश्चर्य से देखा जा रहा है।

अग्निवीरों की शहादत दूसरे सैनिकों से कम होने की वजह बताए सरकार: राहुल

वार्ता ➤ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के नासिक में ट्रेनिंग के दौरान दो अग्निवीरों की शहादत पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा है कि क्या सरकार अन्य सैनिकों की तरह इन अग्निवीरों को भी सम्मान और मुआवजा देगी। गांधी ने कहा, नासिक में ट्रेनिंग के दौरान दो अग्निवीर - गोहिल विश्वराजसिंह और सैफत शित-का निधन एक दर्दनाक घटना है। उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। यह घटना एक बार फिर अग्निवीर योजना पर गंभीर सवाल उठाती है, जिनका जवाब देने में भारतीय जनता पार्टी सरकार असफल रही है। उन्होंने पूछा क्या गोहिल और सैफत के परिवारों को समय पर मुआवजा मिलेगा, जो किसी अन्य जवान की शहादत के बराबर हो। अग्निवीरों के परिवारों को पेंशन और अन्य सरकारी सुविधाओं का लाभ क्यों नहीं मिलेगा। जब दोनों ही सैनिकों की जिम्मेदारियां और बलिदान समान हैं, तो उनके शहादत के बाद यह भेदभाव क्यों। गांधी ने कहा, अग्निपथ योजना सेना के साथ अन्याय है ।

राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था चिंता का विषय : शरद पवार

पायनियर संवाददाता ➤ मुंबई
www.dailypioneer.com

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि राज्य की ध्वस्त कानून व्यवस्था चिंता का विषय है। पवार ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा कि देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पूर्व राज्य मंत्री बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या करना दुखद है। उन्होंने लिखा कि अगर गृह मंत्री और शासक राज्य की गाड़ी को इतनी हल्के ढंग से आगे बढ़ाएंगे, तो यह आम लोगों के लिए खतरे की घंटी हो सकती है। इसकी न केवल जांच करने की जरूरत है। बल्कि जिम्मेदारी स्वीकार करने और सत्ता में बैठे लोगों के पदों से हटने की भी जरूरत है।

इस बार दशहरा के अगले दिन भी दिल्ली की हवा साफरही : गोपाल राय

पायनियर संवाददाता ➤ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सरकार की ओर से उठाये गये विभिन्न कदमों और जनता के सहयोग से दिल्ली में इस बार दशहरा के अगले दिन भी हवा साफरही है। राय ने कहा कि पूरे उत्तर भारत और खास तौर से दिल्ली में सर्दियों का मौसम प्रदूषण लेकर आता है लेकिन हम लोग दशहरा के अगले दिन दिल्ली की साफ हवा के बीच सांस ले रहे हैं। आमतौर पर दशहरा के अगले दिन दिल्ली में हवा की गुणवत्ता खराब स्थिति में पहुंच जाती है। दिल्ली में पिछले 10 दिनों से बारिश नहीं हुई है। इसके बावजूद वायु गुणवत्ता सूचकांक खराब स्थिति से बाहर है। यह दिल्ली के अंदर लगातार दूसरा साल है। पिछले साल भी जनवरी से 12 अक्टूबर तक 200 दिन ऐसे थे, जिनकी गिनती अच्छे दिनों में थी। उन्होंने कहा कि 2016 के बाद केवल लॉकडाउन के दौरान 2020 में दिल्ली ने 200 अच्छे दिनों के आंकड़े को पार किया था।

देश भर में विजयदशमी की धूम, बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक रावण के पुतलों का दहन

वार्ता ➤ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

देशभर में शारदीय नवरात्र पूरा होने के अवसर पर विजयदशमी की धूम रही और अलग-अलग स्थानों पर बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक रावण के पुतलों का दहन किया गया। राष्ट्रीय राजधानी के लाल किला में हुआ रावण दहन जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाग लिया जिसमें दोनों ने राम-लक्ष्मण को तिलक भी लगाया दिल्ली में आयोजित रावण दहन के कार्यक्रम में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा कई स्थानों पर शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किये गये। राजधानी दिल्ली में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले के माधव दास पार्क में 'रावण दहन' कार्यक्रम में भाग लिया। इससे पहले मोदी ने लोगों को विजयादशमी-दशहरा की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, मैं कामना करता हूं कि आप सभी मां दुर्गा और प्रभु श्री राम के आशीर्वाद से जीवन के हर क्षेत्र में जीत हासिल करें। विजयादशमी दुर्गा पूजा के समापन का प्रतीक माना जाता है। राक्षस राजा रावण पर भगवान राम की जीत का जश्न मनाती है। दशहरा समारोह के हिस्से के रूप में लाल किले के माधव दास पार्क में रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतले जलाए गए। रावण दहन से पहले राष्ट्रपति मुर्मु और मोदी ने दशहरा समारोह में शामिल होने के लिए लाल किले के माधव दास पार्क में भगवान राम, लक्ष्मण की भूमिका निभाने वाले कलाकारों के माथे पर 'तिलक' भी लगाया।

हार की हताशा में हाहाकारी तमाशा में जुटी कांग्रेस : मुख्तार नकवी

एजेंसी ➤ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि हार की हताशा में हाहाकारी तमाशा में जुटी कांग्रेस, नफरती रंजिश में नकारात्मक बंदिश की बंधक बन गई है। नकवी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि कांग्रेस, राष्ट्रवादियों को आतंकवादी और राष्ट्र विरोधियों को राष्ट्रवादी के सर्टिफिकेट का मल्टीनेशनल वितरण सेंटर' बन गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कुनबे की सनकी नफरत, कांग्रेस की सियासी मुसीबत बनती जा रही है। नक़वी ने कहा कि अपने आंगन के कंटक को अखाड़े का संकट साबित करने मे लगी कांग्रेस का अपने आंगन की कलह का अखाड़े पर कोप और अंधाधुंध आक्रमण की आत्मसंतुष्टि की कोशिश अक्लमंदी नहीं अंहकार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने घर के घमासान का ठीकरा ईवीएम के व्यवधान पर फोड़कर भी आत्मचिंतन के बजाय आत्मसंतुष्टि में खुश है। इसे कहते हैं, नांच न आए आंगन टेढ़ा। नकवी ने संघ प्रमुख के उद्बोधन पर कांग्रेस की आलोचना पर कहा कि संघ प्रमुख के संविधान, संस्कार, संस्कृति, समरसता, सामाजिक सुरक्षा' के सर्वस्पर्शी सशक्त राष्ट्रवादी संदेश पर ऐसे राजनैतिक पूर्वाग्रह से भरपूर उपदेश देने वालों की मूर्खतापूर्ण धूर्तता है।

भगवान अग्रसेन की जयंती समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

समाज के अंतिम व्यक्ति का उत्थान करने से होगा देश का उत्थान : रमेन डेका

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

समाज के अंतिम व्यक्ति का उत्थान करने से देश का उत्थान होगा। हमारे देश 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था तभी बन सकता है जब समाज के अंतिम व्यक्ति भी विकास की मुख्य धारा में शामिल हो। यह विचार राज्यपाल रमेन डेका ने भगवान अग्रसेन जयंती समारोह में व्यक्त किये। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन द्वारा रायपुर में आयोजित भगवान अग्रसेन की 5148 वीं जयंती समारोह में राज्यपाल डेका बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि आज के समय में, जब समाज में आर्थिक असमानता और सामाजिक विभाजन की चुनौतियाँ सामने हैं, भगवान अग्रसेन के आदर्श हमारे लिए एक मार्गदर्शक हो सकता है। उनका जीवन समाज के प्रत्येक व्यक्ति को समर्पण, समानता और सेवा का संदेश देता है। उनकी नीतियों में 'एक ईंट और एक रुपया' का सिद्धांत स्पष्ट रूप से समाज के कमजोर वर्गों के प्रति उनकी संवेदनशीलता को दर्शाता है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि समाज का उत्थान तब ही संभव है, जब समाज का हर व्यक्ति समृद्ध हो। राज्यपाल डेका ने कहा कि भगवान अग्रसेन के सिद्धांतों का पालन करते हुए अग्रवाल समाज ने समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने की भावना को बनाए रखा है। यह समाज हमें यह सिखाता है कि किस प्रकार एकजुट होकर समाज का हर व्यक्ति समृद्ध और सशक्त हो सके। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य में भी अग्रवाल समाज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उद्योगों का विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनका योगदान और समाज सेवा की भावना प्रशंसा के योग्य है। छत्तीसगढ़ की सामाजिक और आर्थिक संरचना में अग्रवाल समाज ने अपनी अमिट छाप छोड़ी है। राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़, अपनी विविधताओं के बावजूद, एकता का प्रतीक है। यहाँ हर वर्ग और समुदाय के लोग मिल-जुलकर रहते हैं और इसमें अग्रवाल समाज का महत्वपूर्ण योगदान है। हमें इस सामाजिक समरसता को बनाए रखने की दिशा में काम करना चाहिए। राज्यपाल ने अग्रवाल समाज के द्वारा छत्तीसगढ़ में समाज सेवा के क्षेत्र में किए गये कार्यों को लिपिबद्ध करने का सुझाव दिया जिससे आने वाली पीढ़ी जान सके कि उनके समाज का क्या योगदान है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास में अग्रवाल समाज की उल्लेखनीय भागीदारी है। व्यापार के साथ-साथ वे सेवा के कार्य भी करते हैं। उन्होंने अग्रवाल समाज के लोगों से आग्रह किया कि कम से कम एक गरीब कन्या का विवाह, एक गरीब बच्चे की शिक्षा, एक गरीब व्यक्ति का इलाज कराने और एक गरीब बस्ती को गोद लेने का संकल्प लें तभी समाज की सार्थकता सिद्ध होगी। कार्यक्रम में अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष सियाराम अग्रवाल ने स्वागत उद्बोधन दिया।

प्रदेश को रोजगारपरक बनाने के साथ विकास के हर आयाम को तय कर रही है सरकार : यादव

एजेंसी ◂ उज्जैन
www.dailypioneer.com

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश को रोजगारपरक प्रदेश बनाने के साथ ही विकास के हर आयाम को तय कर रही है। प्रदेश की भौतिक सम्पदाओं का सदुपयोग कर आर्थिक रूप से सम्पन्न मध्यप्रदेश बनायेंगे। डॉ यादव के कार्तिक मेला ग्राउण्ड में दशहरा मिलन उत्सव एवं 658 करोड़ की 16 सड़क परियोजनाओं के भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, उज्जैन के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, सांसद अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सांसद बाल योगी, उमेशनाथ जी महाराज, पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. सत्यनारायण जटिया, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, सतीश मालवीय, तेजबहादुर सिंह चौहान, जितेन्द्र पंड्या, महापौर मुकेश टटवाल सहित जन-प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में जन-समुदाय उपस्थित रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन में 350 करोड़ रुपये की लागत से प्रतिभा स्वराज इकाई का आज शुभारम्भ किया गया है, जिससे 5 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। उज्जैन के बेस्ट इंटरप्राइजेस और प्रतिभा स्वराज की इकाइयों से लगभग 10 हजार लोगों को रोजगार उपलब्ध होंगे। इसी प्रकार उज्जैन में अन्य औद्योगिक इकाई के माध्यम से 50 हजार बेरोजगार लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त होगा। डॉ यादव ने कहा कि सनातन धर्म की सभी सन्यासी परम्पराओं के सभी वैष्णव और शैव संत 12 साल में सिंहस्थ में आते हैं और भविष्य में सनातन धर्म की दिशा, आचरण, स्वरूप तय करते है। मानवता की स्थापना के लिये सर्वोच्च सिंहस्थ मेला आयोजित किया जायेगा। सिंहस्थ के माध्यम से भारत दुनिया का नेतृत्व करेगा। इसकी समुचित तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास के मामले में मध्यप्रदेश को देश का नम्बर वन राज्य बनायेंगे। इसके लिये अधोसंरचना विकास के कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। प्रदेश को माइनिंग सेक्टर में भी दुनिया में नम्बर वन बनायेंगे। डॉ यादव ने कहा कि प्रदेश हर सेक्टर में तेजी से तरक्की कर रहा है। प्रदेश में निवेशकों को लाने एवं निवेश बढ़ाने के लिये 16 अक्टूबर को हैदराबाद जाकर निवेशकों को आमंत्रित करेंगे। उज्जैन संभाग से प्रारम्भ हुई रीजनल इण्डस्ट्री कॉन्क्लेव की श्रंखला में अब 23 अक्टूबर को रीवा में कॉन्क्लेव होने वाली है। इसके बाद शहडोल, नर्मदापुरम संभाग में भी रीजनल इण्डस्ट्रीज कॉन्क्लेव आयोजित की जाएगी। आगामी वर्ष के फरवरी माह में प्रदेश में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन होगा, जिसमें विश्वभर से निवेशक आमंत्रित किये जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत शक्ति-सम्पन्न एवं सामर्थ्यशाली देश बनने के साथ ही विकास के समुच्चय में सर्वोच्च स्थान भी हासिल कर रहा है। हमारी सनातन परम्परा में देवी-देवताओं और ऋषि-मुनियों ने शास्त्र एवं शस्त्र के साथ दुनिया का मार्ग प्रशस्त किया है। हमारा देश शान्तिपूर्ण देश है, पर जरूरत पड़ने पर शास्त्र के साथ ही शस्त्र उठाना भी बखूबी जानता है।

आप धान की खरीद करे अन्यथा आंदोलन का सामना करने को तैयार रहे

एजेंसी ◂ चंडीगढ
www.dailypioneer.com

शिरोमणी अकाली दल ने आम आदमी पार्टी सरकार को चेतावनी दी है कि वह धान का एक-एक दाना खरीदे और राज्य की मंडियों में पहुंचने वाले धान को 72 घंटों के भीतर उठाए अन्यथा उसे किसानों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए लगातार आंदोलन का सामना करने के वास्ते तैयार रहना चाहिए। शिअद के कार्यकारी अध्यक्ष सरदार बलविंदर सिंह भूंदड़ की अध्यक्षता में हुई कोर कमेटी की मीटिंग में यह फैसला लिया गया।

कमेटी कहा कि सरकार मंडियों में आने वाले धान की खरीद करने यां केंद्र सरकार के साथ तालमेल बिठाकर इसे उठाने में पूरी तरह नाकाम रही है, जिसके कारण किसान बेहद परेशान हैं। उन्होने कहा कि राज्य के इतिहास में ऐसी स्थिति पहले कभी नही देखी गई है। उन्होने मुख्यमंत्री भगवंत मान से कुंभकर्णीय नीदं से जागकर किसानों को कोई परेशानी न हो यह सुनिश्चित करना चाहिए अन्यथा उन्हे पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। अकाली दल के वरिष्ठ नेता डॉ.दलजीत सिंह चीमा ने कहा कि कोर कमेटी ने इस बात पर चिंता व्यक्त की है कि आप सरकार ने पंचायत चुनावों में लोकतंत्र की हत्या कैसे की है। उन्होने कहा कि ऐसे सैंकड़ों मामले हैं, जहां विपक्षी उम्मीदवारों को नामांकन पत्र दाखिल करने से रोका गया और उन्हे वापिस लौटाया गया, उनके नामांकन पत्र छीन लिए गए यहां तक कि उन्हे रिटर्निंग अधिकारियों के कार्यालयों से दूर रखने के लिए हिंसा तक का भी इस्तेमाल किया गया। उन्होने कहा कि राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) भी सरकार के दबाव के आगे झूक गया और उसके समक्ष दायर शिकायतों पर फैसला नही कर रहा है, इसीलिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए इसे उच्च न्यायालय पर छोड़ दिया गया है। उन्होने उच्च न्यायालय के समक्ष दायर 321 याचिकाओं के संबंध में नामांकन पत्र बहाल करने के लिए हाईकोर्ट का धन्यवाद किया। उन्होने कहा कि इसके बाद राज्य चुनाव आयोग को गिददड़बाहा के 24 गांवों में चुनाव रदद करने के लिए भी मजबूर होना पड़ा, जहां विपक्षी उम्मीदवारों के नामांकन पत्र अवैध रूप से रदद किए गए थे। कोर कमेटी ने पंजाब के एडवोकेट जनरल कार्यालय पंजाबियों द्वारा दायर की गई मनमानी याचिकाओं का विरोध करके पंजाबियों के हितों के खिलाफ करने के लिए भी आपत्ति जताई। उन्होने कहा,'' इससे स्पष्ट होता है कि ए.जी कार्यालय का इस्तेमाल लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करने के बजाय उन्हे कुचलने के लिए किया जा रहा है। कमेटी ने पूछा कि मुख्यमंत्री को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या उन्होने ए.जी कार्यालय को यह निर्देश दिए है। डा. चीमा ने खुलासा किया कि पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष स. बलविंदर सिंह भूंदड़ की अगुवाई में 11 सदस्यीय कोर कमेटी अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार से संपर्क करेगी और तख्त के समक्ष अकाली दल अध्यक्ष और अन्य नेताओं के खिलाफ दर्ज की गई शिकायत के संबंध में महत्वपूर्ण घटनाक्रम से अवगत कराएगी।

मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर खाली लोकल ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतरे

एजेंसी ◂ मुंबई
www.dailypioneer.com

महाराष्ट्र के मुंबई में एक खाली लोकल ट्रेन के दो डिब्बे रविवार दोपहर मुंबई सेंट्रल स्टेशन में प्रवेश करते समय पटरी से उतर गये।

यह घटना दोपहर बाद करीब 1230 बजे हुई।

घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, क्योंकि हादसे के समय रैक में कोई यात्री नहीं था।

ट्रेन के डिब्बे पटरी से उतरने के बाद, शहर की जीवन रेखा मानी जाने वाली लोकल ट्रेन सेवाएं चर्चगेट से मुंबई सेंट्रल तक स्लो ट्रैक पर बाधित हो गयीं।

बाद में, रेलवे अधिकारियों ने परिचालन चालू रखने के लिए आने वाली ट्रेनों को फास्ट लाइन पर डायवर्ट कर दिया।

पश्चिम रेलवे के एक अधिकारी ने कहा, इस त्वरित प्रतिक्रिया से देरी को कम करने और सेवा निरंतरता बनाए रखने में मदद मिली है।

सिंधी समाज सामूहिक कन्यादान समारोह आठ दिसंबर को

अजमेर। राजस्थान में सिंधी समाज अजमेर में आठ दिसंबर को सामूहिक कन्यादान समारोह आयोजित करेगा जिसके लिये राज्य के 11 जोड़ों का चयन कर लिया गया है। समाज के सन्वयक कंवल प्रकाश किशनानी ने रविवार को बताया कि अजमेर के झूलेलाल सामूहिक कन्यादान समारोह आयोजन समिति, सिंधी समाज महासमिति, सांई बाबा मंदिर अजमेर के संयुक्त तत्वावधान में आठ दिसम्बर को अजमेर के अजयनगर स्थित सांई बाबा मन्दिर बाग में होने वाले समारोह में अप्रवासी भारतीय सुरेश रामनानी, रामचन्द्र गुलाबानी, महेश तेजवाणी एवं भामाशाहों के सहयोग से होने वाले कार्यक्रम की बैठक में रूपरेखा तैयार की गई। उन्होंने बताया कि समारोह को सफल बनाने के लिए एक आंतरिक समिति का भी गठन किया गया। आयोजन समिति की ओर से आठ दिसंबर को शादी समारोह में राज्यभर के कुल 11 जोड़ों का चयन करके अंतिम रूप दिया जा चुका है। वह कन्यादान में दिया जाने वाली भेटों पर अंतिम विचार कर लिया गया । बाहर से आने वाले समाज बंधुओं की व्यापक व्यवस्था की गई है। आगामी 23 अक्टूबर को भावी नवदम्पतियों को निर्देशों एवं औपचारिकतायें पूर्ण करने के लिए अजमेर बुलाया गया है।

छेड़खानी के बाद युवती को जलाया आरोपी पिता पुत्र गिरफ्तार

एजेंसी ◂ खंडवा
www.dailypioneer.com

मध्यप्रदेश के खंडवा जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में एक युवती से छेड़खानी के बाद उसे जलाने के मामले में पुलिस ने आरोपी पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है।

वहीं, गंभीर रूप से झुलसी युवती को प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर के एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बतायी गयी है।

पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय ने बताया कि सात अक्टूबर को थाना कोतवाली में एक 19 वर्षीय पीड़िता लड़की आई थी।

उसने बताया कि उसके गांव के ही रहने वाले 48 वर्षीय मांगीलाल नामक व्यक्ति के खेत में ज़ोर-जबर्दस्ती करने की कोशिश की।

इस पर थाना कोतवाली में उसी दिन छेड़खानी का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

हाथी ने एक व्यक्ति को कुचलकर मार डाला

छपरा। बिहार में सारण जिले के एकमा थाना क्षेत्र में हाथी ने एक व्यक्ति को कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने रविवार को यहां बताया कि भुइली गांव में शनिवार को प्रतिमा विसर्जन में जुलूस के दौरान एक हाथी ने सड़क किनारे खड़ी कार एवं मोटरसाइकिल को पलटना शुरू कर दिया। इस कारण जुलूस में अव्यवस्था फैल गई और लोग भागकर छुपने लगे। इसी दौरान उक्त हाथी ने भुइली गांव निवासी तारकेश्वर राय (45)को कुचल दिया, जिससे वह घायल हो गया। सूत्रों ने बताया कि घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल छपरा ले जाया गया,जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिया है।

पेड़ से लटके युवक का शव बरामद

छपरा। बिहार में सारण जिले के सहाजीतपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने पेड़ से लटका एक युवक का शव बरामद किया है। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि कोल्हुआ गांव स्थित धमई नदी के समीप पेड़ पर फंदे से लटका एक युवक का शव देखकर स्थानीय ग्रामीणों ने इसकी सूचना दी। सूत्रों ने बताया कि मृतक की पहचान मोती छपरा गांव निवासी धर्मेंद्र कुमार (22) के रूप में की गयी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिया गया है। पुलिस इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच कर रही है।

मानक महोत्सव का आयोजन आज जयपुर में

जयपुर। राजस्थान में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) राजस्थान, 'विश्व मानक दिवस' के उपलक्ष्य में जयपुर में सोमवार को 'मानक महोत्सव' का आयोजन करेगा। भारतीय मानक ब्यूरो, राजस्थान की प्रमुख निदेशक कनिका कालिया ने रविवार को बताया 'विश्व मानक दिवस' प्रतिवर्ष 14 अक्टूबर को उन विशेषज्ञों को सम्मानित करने के लिए वैश्विक रूप से मनाया जाता है, जो स्वैच्छिक अंतरराष्ट्रीय मानकों को विकसित करते हैं और उनके द्वारा यह सुनिश्चित करते हैं कि उपभोक्ताओं को मिलने वाली उत्पाद और सेवाएं सुरक्षित, विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता की रहें। उन्होंने बताया की इस वर्ष का विषय, 'बेहतर दुनिया के लिए साझा दृष्टिः एसडीजी 9 (उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा) का समावेश' मजबूत बुनियादी ढांचे का निर्माण, समावेशी और सतत औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देना और नवाचार को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित है। कालिया ने बताया कि मानक महोत्सव के उद्घाटन समारोह में बिट्स पिलानी के निदेशक शुधीरकुमार बरई, फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

बस ने स्कूटर को मारी टक्कर, दो की मौत

फगवाड़ा। पंजाब के नकोदर-जालंधर रोड पर गांव मुंडा के पास रविवार को बस-स्कूटर की टक्कर में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान शमशाबाद गांव के संतोख सिंह और सुखदेव सिंह के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक जालंधर में दवा लेने जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। जैसे ही वे मुंडा गांव के पास मुख्य सड़क पर पहुंचे, नकोदर से आ रही पंजाब रोडवेज की बस ने स्कूटर को टक्कर मार दी जिसमें दोनों की टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों स्कूटर सवारों की मौके पर ही मौत हो गई। एएसआई कुलविंदर सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और बस को जब्त कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेजा। उन्होंने बताया कि बस चालक के खिलाफसदर थाने में मामला दर्ज किया गया है।

मंडी के सरकारी स्कूलों में इंगलिश मिडियम में हो रही स्मार्ट पढ़ाई

मंडी। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ाई का तौर-तरीका अब बदल रहा है। यह संभव हुआ है प्रदेश सरकार द्वारा गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के लिए उठाए गए सार्थक कदमों से। मंडी जिला के पधर उपमंडल के खंड द्रंग-2 के प्राथमिक विद्यालयों में अब स्कूलों में छात्र अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई कर रहे हैं। राजकीय प्राइमरी स्कूलों में आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए, छात्रों को स्मार्ट क्लास रूम में एलईडी स्क्रीन और प्रोजेक्टर के माध्यम से पढ़ाई की सुविधा दी जा रही है। जिला मुख्यालय के साथ सटे द्रंग क्षेत्र में प्री-प्राइमरी से लेकर पांचवीं कक्षा तक के बच्चे अब आधुनिक तौर-तरीकों से शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। राजकीय केंद्रीय आदर्श प्राथमिक पाठशाला नारला में इस सत्र में 112 विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक हैं। इस पाठशाला में अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा प्रदान की जा रही है।

मीडिया का उपयोग जनमत बनाने में नहीं बल्कि जनमत को नियंत्रित करने में हो रहा है : डॉ. झा

एजेंसी ◂ दरभंगा
www.dailypioneer.com

राजनीतिक चिंतक सह विश्लेषक एवं आकाशवाणी (पूर्णिया) के पूर्व निदेशक डॉ. प्रभात नारायण झा ने डिजिटल युग की पत्रकारिता को सरोकार के साथ प्रचार का सशक्त माध्यम बताया और कहा कि मीडिया का उपयोग अब जनमत बनाने में नहीं बल्कि जनमत को नियंत्रित करने में हो रहा है। डॉ. झा ने ख्यातिलब्ध पत्रकार एवं समाजसेवी स्वर्गीय राम गोविंद प्रसाद गुप्ता की 89वीं जयंती के अवसर पर सागर सभागार में आयोजित डिजिटल युग में पत्रकारिता की भूमिका और चुनौतियां विषयक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि उदंत मार्तंड शुरू हुई हिंदी पत्रकारिता डिजिटल युग में चहुंमुखी हो गई है। इसका ध्येय-उद्देश्य सब बदल गया है। अब इसका वास्ता सिर्फ सरोकार से नहीं रह गया है बल्कि यह प्रचार का भी सशक्त माध्यम है। राजनीतिक विश्लेषक ने बताया कि पत्रकारिता में बदलाव की शुरुआत 1991 के उदारवादी दौर से हुई। विदेशी पूंजी प्रवाह से पत्रकारिता में विज्ञापन का दखल बढ़ा और मानवीय सरोकार प्रभावित होने लगा।

जो डिजिटल युग में इस कदर हावी हो गया है कि पत्रकारिता से मानवीय संवेदना गायब हो गई है। डिजिटल प्लेटफार्म पर खबरों का प्रसारण व्यवसायिक हितों के अनुरूप हो रहा है। पूर्व निदेशक ने कहा कि डिजिटल मीडिया एक माध्यम है। इसका सही या गलत उपयोग करने का विवेक लोगों में उत्पन्न करने की आवश्यकता है। डिजिटल मीडिया की गिरफ्त में फंसकर एक ही परिवार के लोग अलग-थलग हो गए है। हर कोई मोबाइल थामे अपने-आपको विशिष्ट समझ रहा है।

अत्यधिक डिजिटल माध्यम के उपयोग से लोगों की चेतना प्रभावित हो रही हैं और विचारधाराओं में परिवर्तन हो रहा है। इससे बचाव की जरूरत है। इसके लिए सामाजिक संस्थानों, मीडिया एवं बुद्धिजीवियों को पहल करनी होगी। प्रख्यात पत्रकार एवं टाइम्स आफ स्वराज के संपादक संतोष सिंह ने कहा कि डिजिटल युग में पत्रकारिता भरोसे के संकट से जूझ रही हैं। खबर देख कर लोगों को यकीन नहीं होता है। लोग उसकी पुष्टि पत्रकारिता के दूसरे माध्यम से करते है। इस विषम स्थिति के बावजूद डिजिटल युग की पत्रकारिता स्थापित हो चुकी हैं। भले ही विश्वसनीयता की कमी हो पर व्यापकता की वजह से इसने प्रिंट एवं दृश्य दोनों मीडिया माध्यम को प्रभावित किया है।

सिंह ने फेक न्यूज के लिए राजनीतिक दलों को जिम्मेवार करार दिया और कहा कि विभिन्न राजनीति दलों के प्रतिनिधियों ने आईटीसेल बना रखा है। जो अपने दलहित में फेक न्यूज का प्रसारण करते हैं। फेक न्यूज के कारण ही डिजिटल मीडिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहा है। इससे अराजकता की स्थिति भी उत्पन्न हुई है। जिसकी वजह से पत्रकारिता पर सवाल उठने लगा है। डिजिटल युग की पत्रकारिता को विश्वसनीय बनाने की आवश्यकता है। पूर्व पत्रकार सह जदयू विधायक डा. विनय कुमार चौधरी ने कहा कि डिजिटल मीडिया ने हर व्यक्ति को पत्रकार बना दिया है। खबरों का प्रसार तेज गति हो रहा है पर आमलोगों को आज भी भरोसा प्रिंट मीडिया पर ही हैं। जिसका कारण डिजिटल मीडिया पर भ्रामक खबरों का प्रसारण है। इसके बावजूद डिजिटल मीडिया का दायरा विस्तृत है। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में भी पत्रकारिता की अहमियत बनी हुई है।

जरूरत इसे सजाने-संवारने की है। जिसके लिए सक्षम लोगों को आगे आना होगा। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार एवं शिक्षाविद डॉ. कृष्ण कुमार ने कहा कि डिजिटल मीडिया दोधारी तलवार सदृश्य है। इसका जिस तरीके से इस्तेमाल होगा परिणाम वैसा ही सामने आएगा। संगोष्ठी का संचालन प्रो.सतीश सिंह ने किया। जबकि अतिथियों का स्वागत पत्रकार प्रदीप कुमार गुप्ता ने किया। विषय प्रवेश डॉ. रामचंद्र चंद्रेश और धन्यवाद ज्ञापन प्रमोद गुप्ता ने किया।

बाबा सिद्दीकी ने बिहार में खोला था 40 शिक्षा केंद्र

एजेंसी ◂ पटना
www.dailypioneer.com

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अजित गुट के नेता बाबा सिद्दीकी का बिहार से गहरा नाता रहा है और उन्होंने शिक्षा से वंचित लोगों के लिए 40 निशुल्क केंद्र खोला था।

बाबा सिद्दीकी की शनिवार की शाम अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी है। बाबा सिद्दिकी का बिहार से गहरा नाता रहा है। उनका गोपालगंज में पुश्तैनी घर है। गोपालगंज जिले के मांझा प्रखंड के शेखटोली गांव में उनका परिवार रहता था।

उन्होंने अपने जीवन के शुरुआती पांच साल गोपालगंज के शेख टोली गांव में बिताया था।

बाबा सिद्दीकी किशोरावस्था और युवावस्था के दौरान पिता अब्दुल रहीम सिद्दीकी के साथ घड़ी रिपेयर करने का काम करते थे।

लगभग पांच दशक पहले ही पिता ने जब मुंबई शिफ्ट होने का फैसला किया तो बाबा सिद्दीकी भी परिवार के साथ मुंबई आ गए। बिहार के रहनेवाले बाबा सिद्दीकी ने मुंबई को अपना कर्म क्षेत्र बनाया और महाराष्ट्र की राजनीति में उनका एक बड़ा राजनीतक कद रहा है। एक बिहारी होकर मुंबई की राजनीति में उन्होंने बहुत बड़ा नाम किया था। बाबा सिद्दीकी 1999, 2004 और 2009 में लगातार तीन बार विधायक रहे और 2004-08 तक खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, श्रम और एफडीए राज्य मंत्री के रूपमें भी कार्य किया। बाबा सिद्धिकी ने बहुत पहले कहा था कि वह अपने गांव के लिए कुछ करना चाहते हैं। इसके बाद उन्होंने अपने पिता के नाम पर अब्दुल रहीम सिद्दीकी मेमोरियल ट्रस्ट की शुरुआत की थी। बाबा सिद्दीकी ने कहा था कि शिक्षा के क्षेत्र में काम करने के लिए आया हूं। मेधावी छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसमें जाति और धर्म आड़े नहीं आएगी। फिर भी वे अपने घर को नहीं भुला पाए थे। उन्हीं की तरह वह भी अपने गांव से उतना ही प्रेम करते थे। वह कहते थे कि बिहार शिक्षा की धरती है। मेहनत के बदौलत बिहार के लोग देश और दुनिया में अपना परचम लहरा रहे हैं। बाबा सिद्दीकी के भतीजे मोहम्मद गुफ्रान ने बताया कि बाबा सिद्दीकी ने बिहार के सभी जिलों में करीब 12 से 13 हजार बच्चे निशुल्क शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

प्रदेश भाजपा की बैठक में शामिल हुए भागीरथ चौधरी

जयपुर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी रविवार को जयपुर स्थित भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आंतरिक समिति की बैठक में सम्मिलित हुए। पार्टी के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बैठक में भाजपा सदस्यता अभियान, आगामी विधानसभा उप चुनावों की रणनीति सहित केंद्र एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन से सम्बंधित चर्चा हुई। बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल, प्रदेश सह प्रभारी विजया रहाटकर, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा सहित आंतरिक समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

झूठी गारंटियों का हरियाणा की जनता ने दिया ठोक कर जवाब : जयराम

वार्ता ◂ सुंदरनगर
www.dailypioneer.com

हिमाचल प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा है कि राज्य की सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व की कांग्रेस सरकार की झूठी गारंटियों का हरियाणा की जनता ने अपने अंदाज में ठोक कर जवाब दिया है। यह बात ठाकुर ने मंडी जिला के दौरे के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कर्मचारियों को 28 अक्टूबर को सैलरी मिलने वाली है। यह तभी संभव हो पाया है जब सेंट्रल टैक्स का 1479 करोड़ रुपए प्रदेश की झोली में आया है लेकिन उस पर भी मुख्यमंत्री वाहवाही लूट रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कर्मचारियों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को समय पर सैलरी और पेंशन नहीं मिल पा रही है। मुख्यमंत्री को यही समझ नहीं आ रहा कि वह कहना क्या चाहते हैं।

कभी उनके द्वारा बोला जा रहा है कि प्रदेश संकट में है और कभी कहा जा रहा है कि प्रदेश संकट में नहीं है।

मुख्यमंत्री जैसे पद पर रहकर ऐसे गैर जिम्मेदाराना होना शोभनीय नहीं है। उन्होंने कहा कि काम करते-करते गलतियां भी होती हैं जिसे मुख्यमंत्री को उन्हें स्वीकार करना चाहिए। ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार मीडिया को कंट्रोल करने की कोशिश कर रही है। प्रदेश में मीडिया हमेशा मुखर और स्वतंत्र होकर लिखता है। कांग्रेस सरकार द्वारा मीडिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमजोर किया जा रहा है। लोकतंत्र में सभी को बोलने का अधिकार है और एफआईआर पर विचार कर इसे सरकार को वापस लेना चाहिए।

विजयदशमी पर 56 फीट रावण का दहन दस हजार से अधिक दर्शकों की भीड़

एनएमडीसी के सहयोग से 56 वर्षों से मनाया जा रहा दशहरा उत्सव

पायनियर संवाददाता ⮜ किरंदुल
www.dailypioneer.com

लोह नगरी किरंदुल के फुटबॉल ग्राउंड में प्रति वर्ष की ही भांति इस वर्ष भी छत्तीसगढ़ सांस्कृतिक क्रीड़ा मंडल किरंदुल बैलाडिला के तत्वाधान में दशहरा पर्व के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं राम लीला मंचन के पश्चात 56 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। इस दौरान छत्तीसगढ़ सांस्कृतिक क्रीड़ा मंडल के वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान भी किया गया। छत्तीसगढ़ सांस्कृतिक क्रीड़ा मंडल किरंदुल के सचिव पी एल साहू ने स्वागत भाषण में कहा कि हमारी संस्था के तत्वाधान में विगत 55 वर्षों से किरंदुल में विजयदशमी के पावन पर्व पर दशहरे के दिन रावण के पुतले का दहन किया जाता रहा है। इस वर्ष 56 वे वर्ष के उपलक्ष्य में 56 फीट के रावण के पुतले का दहन समिति के निर्णय अनुसार किया जा रहा है। इस दौरान एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के मुख्य महाप्रबंधक संजीव साही ,महाप्रबंधक उत्पादन राजा कुमार ,महाप्रबंधक खनन संजय कोचर ,महाप्रबंधक विधुत सुब्रमण्यम ,कार्मिक प्रमुख बी के माधव ,श्रमिक संघ इंटक के सचिव ए के सिंह ,एस के एम एस के अध्यक्ष देवरायलु ,थाना प्रभारी प्रहलाद साहू,आर्सेलर मित्तल महाप्रबंधक आईवीवीएस प्रसाद, सीएसआर प्रमुख डॉ तेजप्रकाश , विशेष रूप से मौजूद रहे। इस दौरान किरंदुल परियोजना के आस पास के आदिवासी ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों की संख्या में ग्रामीणों ने उपस्थित रह कर रावण दहन कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन बी एल तारम एवं आभार व्यक्त दिनेश साहू ने किया।

भारतीय स्टेट बैंक किरंदुल की सराहनीय पहल

हर बच्चे के नाम से हो एक बचत खाता, सुकन्या समृद्धि खाता और पीपीएफ खाता

पायनियर संवाददाता ⮜ किरंदुल
www.dailypioneer.com

एसबीआई किरंदुल में पदस्थ मुख्य प्रबंधक उत्कर्ष देवांगन और उनकी टीम हर विद्यालय के पेरेंट्स टीचर मीटिंग में पहुंचकर अभिभावकों को बच्चों के नाम से एक बचत खाता, सुकन्या समृद्धि खाता और पीपीएफ खाता खोलने हेतु अपील कर रहे हैं।इस कड़ी में सबसे पहले डीएवी पब्लिक स्कूल, केंद्रीय विद्यालय, प्रकाश विद्यालय बीआईओपी स्कूल और प्रेरणा विद्या मंदिर के पीटीएम में पहुंचकर सभी से खाता खोलने हेतु अनुरोध कर चुके हैं। एसबीआई किरंदुल ने वित्तीय सुरक्षा और साक्षरता के अभियान को आगे बढ़ाते हुए छोटी बचत से बड़े फायदे से सबको अवगत करा रहे हैं। वर्तमान में बचत खातों में 2.7त्न और पीपीएफ खातों में 7.1त्न और सुकन्या समृद्धि खाते में 8.2% के चक्रवृद्धि ब्याज दर उपलब्ध है। पीपीएफ खाते में 15 साल का लोकिन है और पीपीएफ खाता कोई भी खुलवा सकता है। सुकन्या समृद्धि खाता खोलने के लिए बालिका की उम्र जीरो से लेकर 10 वर्ष के बीच में होनी चाहिए।मुख्य प्रबंधक ने अपने उद्बोधन में पुनः सभी को डिजिटल पेमेंट के लिए केवल योनो एप के माध्यम से पे करने हो तो अनुरोध किया है योनो एप पर उपलब्ध विभिन्न उत्पादों और सेवाओं को इस्तेमाल करने हेतु एवं यूपीआई पेमेंट्स भी केवल योनो यूपीआई स्कैन से करने हेतु अनुरोध किया है। योनो एप पर उपलब्ध मात्र 1000 रूपये के सालाना प्रीमियम पर 20 लाख का दुर्घटना मृत्यु बीमा उपलब्ध है। बता दें कि एसबीआई की योनो एप अपने आप पूरी एक शाखा की सेवाएं प्रदान करता हैं।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा किया गया शस्त्र पूजन कार्यक्रम

पायनियर संवाददाता ⮜ किरंदुल
www.dailypioneer.com

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शनिवार सुबह 10 बजे लौहनगरी किरन्दुल स्थित श्री राघव मंदिर प्रांगण में विजयादशमी उत्सव के सुअवसर पर शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भगवान श्री राम जी ने 9 दिन दुर्गा की अनुष्ठान करके दसवां दिन शास्त्र पूजा कर रावण का वध किया था। स्वयं सेवकों ने विधिवत शस्त्रों का पूजन किया।

बीटीएस द्वारा बचेली में गरबा नाईट सीजन 3 का शानदार आयोजन

पायनियर संवाददाता ⮜ बचेली
www.dailypioneer.com

शारदीय नवरात्र के अवसर पर बचेली रिक्रिएशन क्लब में बीटीएस यानि बेस्ट टैलेंट शो द्वारा गरबा नाईट का इस वर्ष तीसरा सीजन का आयोजन शानदार तरीके से कराया गया। 9 से 11 अक्टूबर तक हुए इस गरबा नाईट में अंतिम दिन फाइनल में 14 टीमो ने हिस्सा लिया। जिसमे किरंदुल के सुकडु कैप विजेता रही वही द्वितीय व तृतीय स्थान पर क्रमशः आरके ग्रुप किरंदुल व महालक्ष्मी ग्रुप बचेली रही। बीटीएस के मीडिया प्रभारी सलमान नवाब ने बताया कि हमारा उदेश्य है स्थानीय प्रतिभा को मंच प्रदान करना। तीन दिन के इस कार्यक्रम में पहले दिन विभिन्न समाज के द्वारा गरबा के माध्यम से अपने समाज के संस्कृतिक को दर्शाया गया। दूसरे दिन सभी बचेली वासियो के ओपन गरबा का आयोजन किया गया। तीसरे दिन नवमी पर प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस फाइनल में एनएमडीसी बचेली मुख्य महाप्रबंधक पी. रामययन, कार्मिक महाप्रबंधक महेश नायर, विशेष अतिथि पालिकाध्यक्ष पूजा साव, टीजे शंकरराव, आशीष यादव कृष्णा वर्मा थे। गौरतलब है कि बीटीएस द्वारा पिछले तीन वर्षो से यह गरबा नाईट का आयोजन किया जा रहा है। इस सफल आयोजन में बीटीएस समिति के करन सिंह, सलमान नवाब, स्माइल सोनी, सुमित चैहान, सुजीत सिंह, राकेश नेतमा, मनीराम भास्कर, तेमन सिंह, चंदन नायक, करण सोनी, दिलीप कश्यप, राहुल, हरीश, नरेश, वीरेंद्र, सिद्धार्थ व अन्य का योगदान रहा।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर शांति फाउंडेशन में किया औचक

पायनियर संवाददाता ⮜ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

उत्तरा कुमार कश्यप प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोंडागांव के निर्देशानुसार गायत्री साय सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोंडागांव, सुरेन्द्र कुमार भट्ट प्रतिधारक अधिवक्ता प्रबंधन कार्यालय कोंडागांव, चन्द्र प्रकाश कश्यप प्रतिधारक अधिवक्ता प्रबंधन कार्यालय नारायणपुर के द्वारा शांति फाउंडेशन कोंडागांव का औचक निरीक्षण किया गया। जिसमें शांति फाउंडेशन कोंडागांव के कुछ कर्मचारी अनुपस्थित पाये गये। सचिव द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मानसिक रोगियों को उनके हाल चाल व वार्तालाप करते हुए उनकी समस्या के बारे में पूछताछ किया गया। और निर्देश दिया गया कि माह में मानसिक लोगों के लिए शारीरिक स्वास्थ्य शिविर लगाकर जांच किया जाए। निरीक्षण के दौरान शौचालय व स्नानगृह में गंदगी पाया गया जिससे बदबू मानसिक रोगियों के कक्ष में फैल रहा था, जिससे बीमारी होने की संभावना है। साथ ही सप्ताह मे दो बार सभी रोगीयो के कपड़े धुलवाने के लिए भी आवश्यक निर्देश दिया गया। साथ ही मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मानसिक रोगियों को उनके अधिकारों एवम उनको मिलने वाली लाभ के संबंध में अवगत कराया गया।

श्री राघव मंदिर परिसर में आयोजित डांडिया नाइट में भक्तिमय कार्यक्रम श्री कृष्ण लीला के साथ समापन हुआ आयोजन

पायनियर संवाददाता ⮜ किरंदुल
www.dailypioneer.com

श्री राघव मंदिर परिसर में आयोजित डांडिया नाइट के चौथे एवम अंतिम दिवस राम नवमी के पर्व पर सामूहिक डांडिया के साथ समूहों के डांडिया नृत्य प्रतोयोगिता का आयोजन किया जिसमे कुल 8 समूह ने हिस्सा लिया जिसमे डी फिटनेस, गोल्डन गर्ल, अभियान ग्रुप, राधा रानी ग्रुप, सुकरू कैंप, अरुण्या एवम आर के ग्रुप ने हिस्सा लिया जिसमे प्रथम अंकिता इक्का का अरूण्या ग्रुप रहा द्वितीय स्थान पर राजकुमार माडिया का आर के ग्रुप एवम तृतीय स्थान पर सुकरु कैम्प रहा साथ ही उत्तम जोड़ी का पुरस्कार अनुपमा एवम रुद्र को मिला उत्तम परिधान कंचन शर्मा तथा एकल नृत्य सत्या एवम श्रेया साहू ने जीता प्रथम पुरस्कार 15001 एवम द्वितीय पुरस्कार 7001 रुपए की नगद रही एवम ट्रॉफी प्रदान की गई। पूरे कार्यक्रम में सबसे आकर्षण का केंद्र रहा योगेश विश्वकर्मा की टीम द्वारा आयोजित कृष्ण भगवान की सम्पूर्ण जीवन गाथा. श्री कृष्ण लीला अध्यात्म की सबसे प्रसिद्ध कथाओं में से एक है। उसके बाल्यावस्था से लेकर युवा वस्था तक लीलाओं का वर्णन किया जिसमें गोचारण लीला, गोवर्धन लीला, रास लीला आदि मुख्य है। में मामा कंस का वध के साथ विराट रूप भी प्रदर्शित किया जिसमे भक्तों को जयकारों से नगर गूंज उठा।

बस्तर दशहरा में कोंडागांव पंहुची भव्य परंपरागत टोली

पायनियर संवाददाता ⮜ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

पौराणिक रिवाजों और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के प्रतीक बस्तर दशहरा महोत्सव की तैयारी जोरों पर है। 12 अक्टूबर को कोंडागांव के चौपाटी मैदान से सजे-धजे मांझी, चालकी, गायता, पुजारी, सिरहा, गुनिया, मेमर, मेमरिन, नाइक, पाइक, नेगी, जोगी, सैदार, और पैदार जैसे परंपरागत समूहों ने बस्तर दशहरा के लिए विदाई ली। यह विदाई समारोह स्थानीय विधायक और बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लता उसेंडी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जिसमें उनके साथ जिला पंचायत उपाध्यक्ष भगवती पटेल, बाल सिंह बघेल, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपेश अरोरा, संतोष पात्रे, अन्य जनप्रतिनिधि, आदिम जाति कल्याण विभाग सहायक आयुक्त डॉ रेशमा खान इत्यादि गण शामिल रहे। दशहरा महोत्सव की भव्यता को देखते हुए इस वर्ष भी कोंडागांव जिला प्रशासन ने विशेष तैयारियां की हैं। विधायक लता उसेंडी ने समारोह के दौरान सभी शामिल टोली के सदस्यों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें उत्सव के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा, यह पर्व हमारे लिए केवल एक उत्सव नहीं है, बल्कि हमारी संस्कृति और परंपराओं का प्रतिनिधित्व करता है। हम सभी को इसे संजोए रखना चाहिए। मांझी चालकी जिलाध्यक्ष गंगाराम नाग ने कहा कि 1400 में बस्तर महाराज द्वारा जगन्नाथ पुरी से लाए गए रथों के बाद से यह परंपरा चल रही है। उनका कहना था, हमारे पूर्वजों ने इस परंपरा को बड़े श्रद्धा भाव से मनाया, और हम भी इसे उसी श्रद्धा के साथ मनाते हैं। हमारे दादा-परदादा के साथ हम पैदल चलकर बस्तर दशहरा के लिए जाते थे, लेकिन अब प्रशासन की मदद से हमें बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं। कोंडागांव से रवाना हुई यह टोली बस्तर के जगदलपुर में आयोजित मुख्य पर्व में शामिल होगी, जहां 75 दिनों तक चलने वाला बस्तर दशहरा महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। यह आयोजन न केवल क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को जीवित करता है, बल्कि स्थानीय समुदाय को एकजुट भी करता है। बस्तर दशहरा का यह महापर्व, जो परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत संगम है, पूरे देश ही नहीं अपितु विश्व में अपनी अनूठी पहचान बनाए हुए है। स्थानीय लोग और पर्यटक इस अवसर का बेसब्री से इंतज़ार करते हैं। इस वर्ष का दशहरा में संस्कृति, कला, और परंपरा का अद्भुत मेल देखने को

विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों के साथ हुआ समापन

किरन्दुल के फूटबाल ग्राउंड में डीजे डांडिया नाइट्स का हुआ भव्य समापन

पायनियर संवाददाता ⮜ किरंदुल
www.dailypioneer.com

लौह नगरी किरन्दुल में नवरात्रि पर्व के अवसर पर डीजे डांडिया नाइट्स की ऐसी धूम रही कि नगर का हर वर्ग इस आयोजन में गरबा नृत्य करते दिखा। बच्चो से लेकर बुजुर्ग तक और युवा वर्ग से लेकर हर ग्रहणी इस आयोजन का हिस्सा रही। डीजे डांडिया नाइट्स आयोजन समिति ने नगर में नवरात्र पर्व को ऐसा मनाया की हर वर्ग मातारानी के गीतों पर गरबा में झूम उठा। अपने लगतार दूसरे वर्ष के आयोजन में ही यह कार्यक्रम सफलता के नई सीधी चढ़ रहा और पिछले वर्ष के आयोजन के बाद और भी बड़े मैदान में करने भी गरबा प्रेमियों के लिए यह जगह छोटी पड़ती नज़र आई। विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों के साथ अपने समापन दिन में बेस्ट ग्रुप प्रतियोगिता का विजेता के रूप में आर.के ग्रुप रहा जिन्हें समिति की ओर से 21000/- रु का नकद पुरस्कार और शील्ड प्राप्त हुआ। पुरस्कार वितरण में विजेता टीम को मुख्य नगरपालिका अधिकारी सशीभूषण महापात्र और थाना प्रभारी प्रहलाद साहू के हांथो सम्मानित किया गया। तो वही उपविजेता रही अभी एंड ग्रुप को टाइप 3 महिला समिति के सदस्यों द्वारा सम्मानित किया गया और स्मृति चिन्ह भेंट में दिया गया। बेस्ट कपल और बेस्ट परफॉर्मेंस और बेस्ट ड्रेसअप के लिए भी समिति की तरफ से 2001/- रु का नगद पुरस्कार और समृति चिन्ह भेंट में दिया गया। डीजे डांडिया नाइट्स के इस आयोजन ने नगरवासियों का काफी उत्साह और चाह देखने को मिला। चार दिनों तक चले इस आयोजन में पूरे नगरवासी सम्मिलित हुए और गरबा नृत्य का आनंद लिया और इस आयोजन सफलता के एक नए आयाम पे पहुँचाया और नगर के सबसे लोकप्रिय कार्यक्रम की श्रेणी में अग्रसर हुआ।

ग्राम टिमनार में प्रधानमंत्री आवास मेला आयोजित

पायनियर संवाददाता ⮜ नारायणपुर
www.dailypioneer.com

ग्राम पंचायत टिमनार में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत आवास मेंला का आयोजन किया गया उक्त आयोजन में विकासखंड नारायणपुर के हितग्राही इस शामिल हुए। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्यरूप से उपस्थित जिला पंचायत के सीईओ वासु जैन ने दीप प्रज्जवल्लित कर प्रधानमंत्री आवास मेला का शुभारंभ किया। आवास मेला में आयोजित कार्यक्रमों के अन्तर्गत हितग्राहियों 1 राजय/ बैसाखू एवं 2) सनवारी/ मसिया का तोरण/ रंगोली/दीप प्रवलन कर उनकी परंपरा के अनुरूप आवासों का गृह प्रवेश किया गया। इसके साथ ही जिला पंचायत सीईओ वासु जैन ने स्वीकृत वर्ष 2024-25 में स्वीकृत नवीन आवास हितग्राही सोनू पिता भैह्हा का भूमि पूजन करवाया। इसके पश्चात नए स्वीकृत आवास के हितग्राहियों को स्वीकृति आदेश एवं तकनीकी मार्गदर्शिका का वितरण किया गया। इस दौरान उपस्थित ग्रामवासियों को उनकी क्षेत्रीय भाषा में योजना की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान आवास मॉडल का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्य पालन अधिकारी जिला पंचायत नारायणपुर वासु जैन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नारायणपुर लोकनाथ पटेल , जिला समन्वयक प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण गिरेंद्र साहू ,विकासखंड समन्वयक मोहित कुमार नूरेटी, विकास विस्तारक अधिकारी हिम्मत सिंह उईके, सरपंच /सचिव ग्राम पंचायत टिमनार, देवगांव, नेलवाड़ ,बागबेड़ा, चांदगांव, एवम् जिला/जनपद के अधिकारी/कर्मचारी

मानपाली के झोला छाप डॉक्टर के क्लीनिक को नर्सिंग होम एक्ट के तहत किया सील

पायनियर संवाददाता ➤ सरायपाली
www.dailypioneer.com

सरायपाली अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नम्रता चौबे के निर्देशन में गठित समिति के सदस्य नायब तहसीलदार रविंद्र काले, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर डॉक्टर वी ए के कोसरिया, खंड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी टी आर धृतलहरे, फार्मासिस्ट अनिल पाढ़ी के द्वारा ग्राम मानपाली (बागद्वारी) के झोलाछाप डॉक्टर ललित यादव के क्लीनिक में दबिश दिया गया जहां उक्त डॉक्टर के द्वारा प्रैक्टिस के संबंध में मेडिकल काउंसिल आफ इंडिया का रजिस्ट्रेशन व वैध डॉक्यूमेंट प्रस्तुत नहीं करने पर इस क्लिनिक को नर्सिंग होम एक्ट के तहत सील कर दिया गया है तथा इसी कड़ी में मुरमूरी में संचालित सद्भावना क्लीनिक का निरीक्षण भी टीम के द्वारा किया गया जहां पर क्लीनिक का संचालक अनुपस्थित मिलने पर वहां के स्टाफ को क्लीनिक का पंजीयन नंबर व संचालन के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने हेतु नोटिस जारी किया गया है स्वास्थ्य टीम के द्वारा इस तरह की कार्यवाही से झोलाछाप डॉक्टरों में हड़कंप मचा हुआ है सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार एसडीएम मैडम के द्वारा अवैध रूप से संचालित पैथोलॉजी लैब एवं ब्लड कलेक्शन सेंटर , झोलाछाप डॉक्टर तथा बिना फार्मासिस्ट के संचालित मेडिकल स्टोर्स के विरुद्ध स्वयं उपस्थित होकर जांच की कार्यवाही किया जाएगा ।

गुरु दर्शन मेला में शामिल हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

पायनियर संवाददाता ➤ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज बाबा गुरू घासीदास की कर्मभूमि एवं सतनामी पंथ के संत अमरदास की तपोभूमि तेलासी धाम में आयोजित गुरु दर्शन मेला में शामिल हुए। उन्होंने गुरु गद्दी की पूजा-अर्चना कर नमन किया और छत्तीसगढ़ वासियों की खुशहाली और तरक्की के लिए कामना की। इस अवसर पर तेलासी पुरी धाम सर्वोच्च गुरु गद्दीनशीन आसम दास साहेब भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री दयाल दास बघेल, टंक राम वर्मा,सांसद जांजगीर चांपा श्रीमती कमलेश जांगड़े, पूर्व विधायक सनम जागड़े, कलेक्टर दीपक सोनी एसपी विजय अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में राजमहन्त,संत और श्रद्धालु गण उपस्थित थे।

तेलासीपुरी का ऐतिहासिक महत्व

जिला मुख्यालय बलौदाबाजार से लगभग 40 किलोमीटर दूर भैसा से आरंग मार्ग में ग्राम तेलासी स्थित है। जहां पर बाबा गुरू घासीदास की कर्मभूमि एवं सतनामी पंथ के संत अमर दास की तपोभूमि जिसे स्थानीय लोग तेलासी बाड़ा भी कहते हैं। सतनाम पंथ के लोगों के लिए यह एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। 1840 के लगभग तेलासी बाड़ा का निमार्ण गुरु घासीदास के द्वितीय पुत्र बालक दास द्वारा निर्माण किया गया और उनका तेलासी बाड़ा में जीवन यापन चलता रहा। गुरु बालक दास के मृत्यु के बाद 1911 में तेलासी के साथ 273 एकड़ जमीन गणेशमल के पास गिरवी के द्वारा काबिज किया गया था, जिसे समाज के सर्वोच्च गुरु असकरणदास एवं राजमहंत नैन दास कुर्रे के नेतृत्व 103 समाज के लोग जेल गए थे।

सूने मकान में चोरी करने वाले एक आरोपी को रिपोर्ट के 24 घंटे के भीतर किया गया गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ➤ भाटापारा
www.dailypioneer.com

प्रार्थिया द्वारा थाना भाटापारा शहर में रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि 06.10.2024 को घर में ताला लगाकर पूरे परिवार सहित रायपुर गए हुए थे, कि 11.10.2024 को पड़ोसी द्वारा फोन कर बताया गया कि, आपके घर का दरवाजा खुला हुआ है। बताने पर हम सभी लोग वापस घर आए तो देखे कि घर के सामने गेट का ताला टूटा हुआ था एवं घर अंदर पोर्च में रखा एक पुरानी इस्तेमाली होंडा डीओ स्कूटी CG22 J0706 वहां पर नहीं था, जिसे कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। कि रिपोर्ट पर थाना भाटापारा शहर में अपराध क्र. 469/2024 धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस पंजीबध्द विवेचना में लिया गया। कि प्रकरण में थाना भाटापारा शहर पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए CCTV फुटेज की सहायता से रिपोर्ट के 24 घंटे के भीतर स्कूटी वाहन चोरी करने वाले आरोपी अजय राठौर उर्फ एक्का को हिरासत में लिया गया, जिससे गहन पूछताछ करने पर उसके द्वारा स्कूटी वाहन चोरी करना स्वीकार किया गया।

विधायक इन्द्र साव ने नगरवासियों को दी विजयादशमी पर्व की शुभकामनाएं

पायनियर संवाददाता ➤ भाटापारा
www.dailypioneer.com

क्षेत्रीय विधायक इन्द्र साव ने रावणभाठा स्थित दशहरा मैदान के मुख्यमंच से नगर वासियों और क्षेत्रवासियो को विजयादशमी पर्व की बधाई दी। वही उन्होंने रामलीला के कलाकारों के लिए मंचीय व्यवस्था छोटी दिखने पर मंच को बड़ा करने और अगले वर्ष इसी मैदान पर सार्वजनिक रूप से गरबा कराए जाने की घोषणा की, जिसकी करतल ध्वनि से दशहरा मैदान पर उपस्थित लोगो ने स्वागत किया।

विधायक इंद्र साव ने रावण भाटा स्थित दशहरा मैदान पर रामलीला के कलाकारों द्वारा राम रावण युद्ध की लीला देखने और भगवान श्री राम के अग्निबाण से रावण के वीरगति को प्राप्त होने पर उपस्थित लोगो के द्वारा मनाई जा रही खुशियों में शामिल हुए तथा विशाल जन समुदाय को संबोधित करते हुए अहंकार पर विन्रमता की विजय, अधर्म पर धर्म की विजय,असत्य पर सत्य की विजय, बुराई पर अच्छाई की विजय, पाप पर पुण्य की विजय,अत्याचार पर सदाचार की विजय,क्रोध पर दया, क्षमा की विजय और अज्ञान के अंधकार पर ज्ञान के प्रकाश का विजय के प्रतीक विजयादशमी पर्व की नगर वासियों को बधाई और शुभकामना दी।

विधायक इंद्र साव ने श्री आदर्श रामलीला के 105 वर्ष तक इस आयोजन को जीवंत रखने के रामलीला के पात्रों सहित समिति के संरक्षक मंडलों को भी बधाई दी और कहा कि आज इस विजयादशमी के पर्व से हमे सिख मिलती है की कभी भी किसी भी प्रकार का घमंड नहीं करना चाहिए और ना ही अभिमानी होना चाहिए।भगवान श्री राम ने एक अभिमानी का घमंड तोड़ा। विधायक साव ने क्षेत्र की जनता सहित यहां पर उपस्थित समस्त लोगो को असत्य पर सत्य की विजय,बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक विजयादशमी की बधाई देते हुए उनकी मंगल कामना की। इस दौरान विधायक इंद्र साव ने दशहरा मैदान के मुख्य मंच को बड़ा करने की घोषणा की तथा इस मैदान पर अगले वर्ष गरबा आयोजित करने की घोषणा की। वही उन्होंने रामलीला के संरक्षक मंडलों से आज एक दिन की लीला का मंचन इसी मंच से करने की बात कही। विधायक की घोषणा से लोगो ने

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय पहली बार पहुंचे तेलासी पुरी धाम

पायनियर संवाददाता ➤ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

जिले के पलारी विकासखंड में स्थित तेलासी पुरी धाम में आयोजित गुरु दर्शन मेला में आज पहली बार पहुँचे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का स्थानीय हैलीपैड में पहुँचने पर आत्मीय स्वागत किया गया। हैलीपैड में जांजगीर चांपा सांसद कमलेश जांगड़े,पूर्व विधायक बिलाईगढ़ सनम जांगड़े, सरपंच रामेश्वर धीवर,समाजिक बंधु,स्थानीय जनप्रतिनिधि गण कलेक्टर दीपक सोनी,पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री दयाल दास बघेल,टंक राम वर्मा भी उपस्थित रहे।

मां दुर्गा व ज्योत जंवारा की भव्य शोभायात्रा निकालकर कोड़गी तलाब में अंतिम विदाई दी

पायनियर संवाददाता ➤ तिल्दा-नेवरा
www.dailypioneer.com

शरदिय नवरात्रि का पर्व नगर सहित पुरे अंचलो में भक्ती भावना के साथ माँ अम्बे की नवरात्रि का पर्व नौ दिनों तक पुरे विधि विधान पूर्वक हर्षो उल्लास व धूमधाम पूर्वक मनाया गया नौ दिनो तक नगर व गांव के श्रद्धालु गणों में माँ अम्बे के भक्ति मय में लीन हो गये थे। सुबह से देर शाम तक माता की विधि व्रत पुजा अर्चना करने के उपरांत रात्रि में सेवा समितियों के सदस्यों द्वारा मांदर व झांझ मंदिरा की थाप में सेवा जस गित गायन करते हुए माँ की अराधना में भक्त गण लीन हो गये थे।

वहीं ग्राम सासाहोली में नवरात्रि का पर्व बहुत ही भक्ति भाव के साथ श्रद्धालुओं द्वारा माँ की अराधना में भक्त गण लीन हो गये । दिन शनिवार 12 अक्टुबर को जोत जंवारा और माँ दुर्गा की विदाई के पूर्व सेवा समितियों के सदस्यों द्वारा मांदर झांझ व मंदिरा के थाप में सेवा जस गीत गाते हुए। माँ अम्बे की भव्य शोभा यात्रा गांव के मुख्य मुख्य मार्गो से होते हुए गांव के ही कोड़गी तलाब में माँ दुर्गा की पूजा पाठ कर विधि व्रत पूजा अर्चना करने के उपरांत आरती की गई । जिसमें सैकण्डो की संख्या में श्रद्धालु गण की उपस्थिति रही।

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल को मिला राष्ट्रीय स्वामी विवेकानंद पुरस्कार

पायनियर संवाददाता ➤ भाटापारा
www.dailypioneer.com

खमरिया, भाटापारा स्थित दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल को शिक्षा को समग्र विकास की दिशा में उन्मुख करने के लिए 28 सितम्बर 2024 को अहमदाबाद, गुजरात के एक राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वामी विवेकानंद पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिसे प्रधानाचार्य योगेश पोपट ने गुजरात जाकर सहर्ष स्वीकार किया। ज्ञात हो कि दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल को यह सम्मान विद्यालय को समग्र विकास की दिशा में अग्रसर करने, 'नई शिक्षा प्रणाली-' 2020 के मूलभूत सिद्धान्तों का पालन करने तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास जैसे- बौद्धिक, शैक्षणिक, सामाजिक, भावनात्मक, रचनात्मक, शारीरिक, नैतिक और आध्यात्मिक शिक्षा को बढ़ावा देने के उपलक्ष्य में दिया गया। जिसका उद्देश्य बच्चों की जन्मजात क्षमता का पोषण करना और उन्हें खुद का सर्वश्रेष्ठ संस्करण बनने में मदद करना है, ताकि वे अच्छी तरह से विकसित, सामाजिक रूप से जिम्मेदार, नैतिक रूप से गुणी, आर्थिक रूप से उत्पादक और आध्यात्मिक रूप से मज़बूत व्यक्ति बन सकें और धैर्य, करुणा, लचीलापन एवं लक्ष्य अभिविन्यास जैसे गुणों का निर्माण कर जीवन की अपरिहार्य चुनौतियों का सामना करने में समर्थ हों। यह कार्यक्रम प्रधानाचार्यों, निदेशकों और अध्यक्षों का एक राष्ट्रीय स्तर का शिक्षा सम्मेलन था, जिसका आयोजन होटल क्राउन प्लाजा अहमदाबाद गुजरात में किया गया था। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य स्कूली छात्रों के लिए 21वीं सदी के कौशल, प्रौद्योगिकी के प्रभावी कार्यान्वयन और अच्छे चरित्र वाले छात्रों में नेतृत्व कौशल विकसित करने जैसे पहलुओं पर पैनल चर्चा, गोलमेज चर्चा और खुले मंच पर चर्चा करना था, जिसमें 150 से अधिक शिक्षकों ने भाग लिया। प्रधानाचार्य योगेश पोपट को मिले इस सम्मान के लिए प्रबंधक अश्विनी शर्मा, संदीप गोयल एवं सभी शिक्षकों ने हर्ष जताया और ढेर सारी शुभकामनाएँ भी दीं।

कैबिनेट मंत्री टंक वर्मा रावण दहन कार्यक्रम में हुए शामिल

बलौदाबाजार में बड़ी धूमधाम से दशहरा का पर्व मनाया गया

पायनियर संवाददाता ➤ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

कैबिनेट मंत्री टंक वर्मा रावण दहन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने जिलावासियों को दशहरा पर्व की शुभकामनाएं दी। मंत्री ने इस मौके पर भगवान श्रीराम के जयकारे लगाकर रावण का वध किया कार्यक्रम स्थल पर आतिशबाजी और उत्सव का माहौल रहा। उपस्थित लोगों ने रावण दहन के बाद हर्षोल्लास के साथ एक-दूसरे को विजयादशमी की बधाई दी।

कैबिनेट मंत्री मैदान में दशहरा पर्व के अवसर पर हजारों की संख्या में जनसमुदाय को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह पर्व असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व है। हम लोग हर साल रावण का वध करते है, परंतु इस पर्व की सार्थकता तभी है, जब हम काम, क्रोध, मद, लोभ रूपी रावण, जो हमारे मन में है, उसका वध करें। दशानंन के जलने के पूर्व आधा घंटे तक आसमान पर आतिशबाजी के रंग-बिरंगे नजारे देखने को मिले नजारा देखकर ऐसा लगा मानो सत्य व धर्म की विजय पर देवताओं फूल बरसा रहे हो इस बार 52 फीट रावण पुतले का दहन किया गया दशहरा उत्सव समिति व पुलिस प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्था के चलते आयोजन शांतिपूर्वक संपन्न हुआ।

दशहरा मैदान के चारों तरफ थी पुलिस की घेरा बंदी - दशहरा आयोजन समिति ने विशेष तैयारी की थी पुलिस प्रशासन के सहयोग से सुरक्षा व्यवस्था बहुत अच्छी थी पुलिस जवान चारों तरफ तैनात थे आयोजन स्थल पर बैठने की पूर्ण व्यवस्था थी इस अवसर पर मंत्री टंक वर्मा नगर पालिका अध्यक्ष चितावर जायसवाल भाजपा जिला अध्यक्ष डॉक्टर सनम जांगड़े विजय केसरवानी नरेश केसरवानी श्रीमती नीलम सोनी अशोक जैन राहुल सोनी रितेश श्रीवास्तव संजय श्रीवास दशहरा उत्सव समिति के अध्यक्ष रमेश सोनी पनिश केसरवानी आकाश सोनी मनोज सोनी बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

धमतरी में आधी रात हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत, दो घायल

■ विजयादशमी की रात हुआ हादसा

पायनियर संवाददाता ➤ धमतरी
www.dailypioneer.com

धमतरी से लगे निकटतस्थ ग्राम देमार में आधी रात एक सड़क हादसा हो गया जिसमें एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई वहीं दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार रात्रि लगभग 12 बजे के करीब देमार पेट्रोल टंकी के पास एक अज्ञात वाहन ने मोटरसाईकिल सवार दो युवकों को ठोकर मार दी जिसमें एक युवक कृष्णा यादव की सर पर गंभीर चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गई वहीं उसके साथी देवा सोरी की हालत गंभीर बताई जा रही है इसी दौरान एक दूसरी मोटर साईकिल में कमलेश ध्रुव अपने घर की ओर जा रहा था कि अचानक बीच सड़क में मृतक कृष्णा यादव पर उसकी नजर पड़ी व बाइक संभालने के दौरान स्लिप हो गई जिससे उक्त व्यक्ति को भी चोटें आई। घायलों को तत्काल 108 व मृतक को रक्तदान ग्रुप एंबुलेंस सेवा संस्था की एंबुलेस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया जहां घायलों का ईलाज जारी है।

राजनांदगांव मंडी अध्यक्ष बताकर किसानों से धोखाधड़ी कर धान खरीदने वाले गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे नगदी 5 हजार रूपये एवं दो चारपहिया वाहन जब्त

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

राजनांदगांव मंडी अध्यक्ष बताकर जिले के किसानों से धोखाधड़ी कर धान खरीदने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल कया। इस संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 27.06.2024 को प्रार्थी मनीष साहू पिता गोपाल साहू उम्र 23 साल साकिन ग्राम नेवसा थाना नवागढ़ उपस्थित आकर जित्तू साहू और लीला राम साहू के विरूद्ध लिखित आवेदन में इनके द्वारा 21.01.2024 को 3100/- रूपये क्विंटल के दर से 165 बोरी धान, 30.01.2024 को 300 बोरी धान 3100/ रूपये की दर से, 04.02.2024 को 404 बोरी धान 3100/- रूपये की दर से, 27.02.2024 को 157 बोरी राहर 13,000/- रूपये क्विंटल की दर से कुल 21,04,300/- रूपये की खरीदी किया। खरीदे धान / राहर की रकम मांगने पर गाली गलौज कर टाल मटोल करना इसके अलावा जित्तू साहू और लीला राम साहू ने ग्राम नेवसा एवं ग्राम गोपाल भयना रिसामली के अन्य किसानो से भी छल कपट धोखाधड़ी कर बेईमानी से राहर / धान खरीदना उन्हें भी खरीदे धान / राहर के फसल का भुगतान नही करना लेख कर दिया। प्रार्थी के लिखित आवेदन पर से जित्तू साहू एवं लीलाराम साहू के विरूद्ध प्रथम दृष्टया धारा 420 34 ता.हि. का अपराध घटित करना पाये जाने से 27.06.2024 को अपराध कमांक 219/2024 धारा 420,34 भादवि पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त घटना के संबंध में अधिकारियो को अवगत कराया गया। जिस पर पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक ज्योति सिंह, एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नवागढ उप निरीक्षक दुलेश्वर चंद्रवंशी एवं थाना स्टॉफ को आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही करने निर्देशित किया गया। प्रकरण में विवेचना आरोपी पतासाजी के दौरान जरिये मुखबिर से सूचना मिला कि आरोपी लीलाराम साहू उरकुरा थाना खमतराई क्षेत्र में होना पता चलने पर सूचना तस्दीक हेतु उरकुरा क्षेत्र जा कर पता तलाश कर आरोपी लीलाराम साहू को पकडा गया। आरोपी से पुछताछ कर उसके कब्जे से किसान से धोखधडी कर खरीदे धान की बिक्री रकम से उसके कब्जे से मिले 5000/- रूपये तथा घटना में प्रयुक्त दो चार पहिया वाहन क्रमांक सीजी 04 पी.जे. 6920 एवं सीजी 25 एम 5071 को जप्त किया गया। आरोपी लीलाराम साहू के द्वारा अपने आप को मंडी अध्यक्ष राजनांदगांव बताकर किसानों से धोखाधडी कर खरीदी किया। प्रकरण में विवेचना पर आरोपी के विरूद्ध धारा 419 भादवि पृथक से जोडा गया हैं। प्रकरण में आरोपी लीलाराम साहू पिता ताराचंद साहू उम्र 27 साल साकिन ग्राम पचभैया थाना दाढी, हाल मुकाम उरकुरा थाना खमतराई जिला रायपुर के विरूद्ध धारा सदर का अपराध घटित करना सबूत पाये जाने से 10.10.2024 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय पेश किया गया। प्रभारी नवागढ उप निरीक्षक दुलेश्वर चंद्रवंशी, सहायक उप निरीक्षक मोहन लाल साहू, आरक्षक महेन्द्र वर्मा एवं अन्य स्टाफ का अहम भुमिका रही।

प्रधानमंत्री ग्राम सडक से पंडरिया व कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के लिए 14 सड़कों के लिए 15 करोड़ 25 लाख स्वीकृत

पायनियर संवाददाता ➤ कवर्धा
www.dailypioneer.com

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा की अनुशंसा पर राज्य सरकार ने पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के लिए 10 और कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के लिए 4 कुल 14 सड़के स्वीकृत हुई है। इन पर 15 करोड़ 25 लाख व्यय होंगे। इन सडको के लिए विभागीय स्वीकृतियां जारी की गई है। क्षेत्र के निवासियों के लिए यह सभी सड़के अत्यंत महत्वपूर्ण है। इनके माध्यम से कई गाँव मुख्य मार्ग से सीधे जुड़ जाएंगे। इन सडको से हजारों लोगो को आवागमन में सुविधा होगी। कबीरधाम जिले में स्वीकृत 14 सड़को के निर्माण होने से जिले में संपर्क क्रांति के लिहाज से महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में मूलभूत तथा बुनियादी सुविधाओं का लगातार विस्तार हो रहा है। कबीरधाम जिले में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रयासों से क्षेत्र में नित नए सडको के निर्माण के लिए स्वीकृतियां मिल रही है।आने वाले समय में वनांचल से लेकर मैदानी क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों को सडक मार्ग आवागमन में सुविधा होगी। इससे कृषको को भी परिवहन बड़ी राहत होगी। यह सड़के हुई स्वीकृत- बोक्क रखार से अमापानी 5 किमी 188.47 लाख , एन एच 12 से दुल्लापुर 2.85 किमी 48.66 लाख,गेगड़ा से चचेडी 3.65 किमी 281.32 लाख इन्दौरी से बहरमुड़ा 2.80 किमी 124.36 लाख,मेनरोड से हीरापुर 1.50 किमी 64.75 लाख , मरका से खैरवार 2.75 किमी 216.63 लाख , बाहबलियाँ से बम्हईपुर 1.90 किमी 50.01 लाख, झेरियाकला से सिरमाडबरी 0.80 किमी 41.69 लाख, माहीडबरा से बिरहुलडीह 9.80 किमी 202.81 लाख , खैरझिटी से सेमरिया 2.10 किमी 92 .68 लाख ,मेनरोड एस एच 09 से रक्से 1.10 किमी 54 .12 लाख ,पवनतरा से रानीदहरा 2.30 किमी 87.98 सहपुर लोहारा से विरेन्द्र नगर .50 किमी 44 .82 लाख ,वीरेंद्र नगर से कोहडिया 0.30 किमी 27 .61 लाख 7 जिले में कुल 14 नई सडक 37 .35 किलोमीटर के लिए 15.25 करोड़ रूपये की लागत से प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना से स्वीकृति मिली है . इन सडको के निर्माण से ग्रामीणों को यातायात में सुविधा होगी।

नीलगिरी पार्क परिवार द्वारा रावण दहन कार्यक्रम का किया गया आयोजन

किरन्दुल। लौहनगरी किरन्दुल नीलगिरी पार्क वार्ड क्रमांक 09 में रविवार रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बता दें नीलगिरी पार्क परिवार के बच्चों द्वारा 10 फीट ऊंचाई की रावण का मूर्ती तैयार किया गया था और बच्चों के द्वारा ही रावण दहन किया गया।इस मौके पर पार्क परिवार के सभी सदस्य परिवार सहित उपास्थित थे।

दल्लीराजहरा के मां गायत्री मंदिर प्रांगण में नारी शक्ति गरबा महोत्सव का आयोजन

पायनियर संवाददाता ➤ दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

लौह अयस्क नगरी दल्लीराजहरा के माँ गायत्री मंदिर प्रांगण में नारी शक्ति गरबा महोत्सव का आयोजन श्री राम नवमी उत्सव समिति दल्लीराजहरा के अध्यक्ष विशाल मोटवानी के देखरेख में समाज में नारी शक्तियों एवं उनकी प्रतिभा को उभारने के लिए 3 अक्टूबर से लेकर 11 अक्टूबर तक आयोजन किया गया। दल्लीराजहरा में पहली ऐसा गरबा महोत्सव हुआ जो कि पूर्व में कभी नहीं हुआ । जिसमें दल्लीराजहरा की महिलाओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा को समाज के बीच मे रखकर नारी शक्ति को उभारने का प्रयास किया। जिसमे रोचक गरबा ड्रेस, भारतीय वेशभूषा, फ्यूजन पोशाक, देश प्रेम, कृष्ण गोपी रास जैसे थीम का आयोजन किया गया। जिसमें बेस्ट कॉस्ट्यूम ऑफ ईयर का पुरस्कार पुष्पा शंडालिये ,बेस्ट प्रोफोमर ऑफ ईयर का पुरस्कार साक्षी मोटवानी, बेस्ट गरबा क्वीन ऑफ ईयर का पुरस्कार जानह्वी उदासी को दिया गया। नारी शक्ति गरबा महोत्सव में आये सभी नारी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार देकर उनका हौसला बढ़ाया गया। इस सफल कार्यक्रम में जज के रूप में साक्षी खटवानी, स्नेहा दावड़ा, किटी दावड़ा, दीप्ति मैम ने अपनी मुख्य भूमिका निभाई । इस नारी शक्ति गरबा महोत्सव में मुख्यातिथि के रूप में राजहरा व्यापारी संघ के अध्यक्ष गोविंद वाधवानी, गोवर्धन दास मोटवानी, सत्या साहू, रमेश जैन उपस्थित थे।

नदी नालों से रेत का अवैध परिवहन जारी, जिम्मेदार निभा रहे दोस्ती यारी

पायनियर संवाददाता ➤ कवर्धा
www.dailypioneer.com

कबीरधाम जिला में प्रधानमंत्री आवास , प्रधान मंत्री जनमन योजना अन्तर्गत आवास के अलावा निर्माण कार्यों का बाढ़ आ गया है । जिसमे स्थानीय नदी नालों की रेत का अवैध परिवहन कर घटिया मिट्टी युक्त रेत का उपयोग किया जा रहा है । प्रति दिन मैदानी इलाकों के नदियों से और वनांचल क्षेत्र में नालों से रेत का परिवहन किया जा रहा है लेकिन जिम्मेदार अफसर और कर्मचारियों ने कार्यवाही करने के बजाए दोस्ती यारी निभा रहे है। जो समझ से परे तो है ही वही जिला खनिज न्यास मद में जमा होने वाली राशि की भी कमी हो रही है । जिससे जिले के विकास कार्य में कमी हो सकती हैं ।

नदियों में रेत का अवैध परिवहन बेधड़क जारी - कबीरधाम जिले में बहने वाली नदियों में रेत पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है जिस पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों के ट्रेक्टर ट्राली से प्रतिदिन सुबह से रात तक अवैध रेत का परिवहन किया जा रहा है । जिसका उपयोग निजी के अलावा शासकीय कार्यो में बेधड़क किया जा रहा है जिस पर अकंशु लगाने के बजाए बढ़ावा दे रहे हैं । पंडरिया विकासखंड इस मामले में कुछ ज्यादा ही मशहूर है। आगर नदी (दुल्लापुर चिल्फी), किलकिला (अमनिया, नेउर, कुकदुर), हाफ नदी (बकेला, घोघरा, मढ़मडा, लड़ुवा, रोहरा, धोबधाट्टी, कुंडा दमापुर) सहित कई जगहों से रेत निकाली जा रही है । जिसकी जानकारी सभी संबंधितों को है । ऐसा नही कि यहाँ पर इस तरह का कारोबारी पहली बार हो रहा है । प्रति वर्ष होता है ।

वनांचल में भी धुआधार जारी - अवैध रेत परिवहन के मामले में वन क्षेत्र भी पीछे नहीं हैं। पिछले माह माफियाओं ने वन विकाश निगम के अफसर पर जानलेवा हमला कर दिए थे । माफियाओं का हौसला काफी बुलंद हो गया है । जंगल के बीचों बीच बहने वाली नदियों और नालों से बेधड़क रूप से रेत को माफियाओं के भरोसे छोड़ दिया गया हैं ऐसा देखने से महसूस होने लगा है। बोडला विकासखंड के रेंगाखार, झलमला, चिल्फी, तरेगांव जंगल, मगावड़ा, पंडरिया विकासखंड के कामठी, कोदवा गोडान, चियाडांड सहित छत्तीसगढ़ की सीमाओं से लगे नदी नालों पर प्रति दिन ट्रेक्टर ट्राली रेत से भरी देखा जा सकता है लेकिन इसके लिए न तो वन सुरक्षा समिति ध्यान देता है न वन कर्मी ।

खनिज विभाग की जानकारी लोगों को नही - जिला मुख्यालय में सभी विभाग की कार्यालय होता है। ब्लाक मुख्यालय में कुछ कार्यालय नही रहते। ग्रामीण क्षेत्र के लोगो को पंच, सरपंच, पटवारी, तहसीलदार और जनपद पंचायत, एस डी एम कार्यालय को जानते है। बहुत से गावो के लोगो को अवैध रेत परिवहन मुख्य रूप से कार्यवाही की जिम्मा रखे खनिज विभाग को जानते ही नही। जिसके चलते ग्रामीणों ने पटवारी, तहसीलदार और एस डी एम को ही जानकारी दे पाते है और इन अधिकारी कर्मचारी के पास राजस्व विभाग की बढ़ी जिम्मेदारी होने के कारण समय पर पहुंचकर कार्यवाही नही कर पाते। जिससे ग्रामीण मायूस हो जाते है।

कार्यवाही के नाम पर खानापूर्ति - अवैध रेत परिवहन पर कार्यवाही नही के बराबर होता है। यदि कभी कभार कार्यवाही होता भी है तो गरीब तपके के व्यक्तियों के ऊपर होता है । जो अपने निजी उपयोग के लिए रखा रहता है । जिम्मेदार यदि अपने कार्यो का जिम्मेदारी पूर्ण करे तो कबीरधाम जिला खनिज न्यास मद में राशि की कमी नही होगा। विभाग के पास माफियाओं का पूरी सूची है लेकिन उन पर कार्यवाही करने से हाथ कांपते है या फिर दोस्ती यारी निभा रहे हैं ।

टीम बनाकर कार्यवाही की आवश्यकता - जिला प्रशासन यदि कार्यवाही करने की नियत रखते हैं तो संयुक्त टीम गठित कर जिले में अवैध रूप से परिवहन, भंडारण और निर्माण कार्यों में उपयोग की जारी रेत , ईट, गिट्टी की जांच की जाए तो सारी अनियमितताएं उजागर होने की संभावनाओं से इंकार नही किया जा सकता साथ ही दोस्ती यारी प्रथा पर भी विराम लगने की संभावना है।

अहंकार रूपी रावण वध के साथ संपन्न हुआ विजयादशमी पर्व

पायनियर संवाददाता ➤ कुम्हारी
www.dailypioneer.com

वर्षानुवर्ष से चले आ रहे परंपरागत ढंग से नगर में विजया दशमी पर्व अत्यंत भक्ति भाव से उत्साह, उमंग और शान्ति सद्भाव पूर्वक मनाया गया । सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति कुम्हारी के तत्वावधान में मां महामाया मंदिर परिसर स्थित विशाल प्रांगण में आयोजित पचास फीट ऊंचे रावण दहन कार्यक्रम में सपरिवार आमंत्रित पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न किया गया। सर्वप्रथम उन्होंने मंच से भूपेश बघेल ने प्रदेश व समस्त नगरवासियों को विजया दशमी पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बुराई रूपी अन्धकार पर प्रकाश रूपी सत्य की विजय का यह पर्व हजारों वर्षों से उत्साह उमंग से मनाया जा रहा है । उन्होंने कहा कि रावण बहुत बड़ा ज्ञानी था योद्धा था और भगवान शंकर का भक्त भी था लेकिन एक दुर्गुण भी था वह था अहंकार जिसने उनकी पूरी लंका व राक्षस वंश को समाप्त कर दिया । लोग कितने भी बुद्धिमान या बलवान हो, दुराचरण करने पर समाज मे उन्हें सम्मान नही मिलता । मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने अहंकार रूपी रावण का वध कर लोगों को सत्य की राह पर चलने की प्रेरणा दी । इस अवसर पर पूर्व मुख्य मंत्री ने भगवान श्री राम -लक्ष्मण की आरती उतारी और पूजा की, तत्पश्चात सपरिवार रामलीला मण्डली कुम्हारी द्वारा भगवान श्री राम-रावण युद्ध, रावण वध के मंचन का आनन्द लिया । नगर के प्रतिष्ठित रामलीला बस्ती समिति द्वारा कार्यक्रम मंच पर रामलीला का मंचन किया गया जिसमें मर्यादा पुरूषोत्तम श्री राम द्वारा रावण वध का अत्यंत ही प्रभावशाली दृश्य मंचित किया गया । कलाकारों ने अपनी वेशभूषा और संवादों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया । कलाकारों ने अपनी वेशभूषा और संवादों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया । आंध्र प्रदेश के काकीनाड़ा से आए कलाकारों द्वारा विशेष आतिश बाजी की गई जिससे संपूर्ण मंदिर परिसर और आस पास का क्षेत्र जगमग हो उठा शेष नाग की फुँकार आतिश बाज़ी ने दर्शकों का मन मोह लिया । पूर्व मुख्य मंत्री ने रामलीला के सभी कलाकारों से भेंट कर उनके अभिनय और परिश्रम की प्रशंसा करते हुए सभी का उत्साहवर्धन किया साथ ही कार्यक्रम संयोजक विष्णु देवांगन को

किरंदुल मे माँ दुर्गा के प्रतिमा का किया गया विसर्जन

किरंदुल। किरन्दुल में रविवार माँ दुर्गा को विदाई दी गई।बता दें नगर के 11 पंडालों में स्थापित मां दुर्गा को पूजन हवन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर नगर भ्रमण करते हुए बाजे गाजे के साथ नाचते गाते माता दुर्गा की प्रतिमा बंगाली कैम्प तालाब में विसर्जित की गई।इस दौरान माता की अंतिम दर्शन हेतु बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण सड़कों पर खड़े रहें।विसर्जन के दौरान पुलिस बल एवम नगरपालिका अमला जगह जगह तैनात थे।

प्रशांत बोकडे ने नवनियुक्त अध्यक्ष से मिलकर जताया आभार

पायनियर संवाददाता ➤ दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

भारतीय राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष उदय भानु चिब से बालोद जिला युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रशांत बाला बोकड़े , नई दिल्ली स्थित कार्यालय में मुलाकात कर स्मृति चिन्ह भेंट किया और आशीर्वाद लिया। प्रशांत बोकडे ने नवनियुक्त अध्यक्ष से मिलकर उनसे मिले अपनत्व के लिए उनका हृदय से आभार व्यक्त किया । नवनियुक्त अध्यक्ष उदय भानू चिब से मिलकर संगठन की गतिविधियों से अवगत करवा कर आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी एवं 16 तारीख को भारतीय युवा कांग्रेस के आव्हान पर दिल्ली में होने वाले देशव्यापी नौकरी दो ,नशा नहीं आंदोलन में बालोद जिले से युवाओं को इसमें शामिल करवाने हेतु आश्वस्त किया एवं जल्द ही छत्तीसगढ़ आगमन हेतु आमंत्रित किया व देश में नयी क्रांति स्थापित करने के लिए शुभकामनायें दी ।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, भाटापारा

(छत्तीसगढ़ शासन का उपक्रम)(छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल की एक उत्तरवर्ती कम्पनी)

// बिजली बंद की सूचना //

छ.स्टे.पा.डि.कं.लिमिटेड भाटापारा संभाग के सम्मानीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि दीपावली पूर्व लाइनों एवं उपकेन्द्रों का मेंटेनेंस कार्य हेतु समय 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक नीचे दर्शाये क्षेत्रानुसार विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा के लिए खेद है।

क्र.	दिनांक	33/11 के.व्ही. उपकेंद्र / फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	14.10.2024	11 के.व्ही. रेल्वे फीडर	11 के.व्ही. रेल्वे फीडर से लाभांवित वाले समस्त उपभोक्ता।
2		11 के. व्ही. बैकुंठ फीडर	ग्राम औरेठी, बेमता, लखना, भूमियां के समस्त उपभोक्ता।
3		11 के व्ही डेकुना टाउन फीडर	ग्राम डेकुना एवं विश्रामपुर के समस्त उपभोक्ता।
4		11 के.व्ही. पडकीडीह फीडर	ग्राम खपराडीह, पडकीडीह, करही, चण्डी, रखेली के समस्त उपभोक्ता ।
5		11 के.व्ही. जरौद टाउन फीडर	ग्राम जरौद के समस्त उपभोक्ता।
6		11 के.व्ही. भैसा-पौंसरी फीडर	ग्राम पौंसरी, भैंसा एवं नेवधा के समस्त उपभोक्ता।
7	15.10.2024	11 के.व्ही. रेस्ट हाउस फीडर	11 के.व्ही. रेस्ट हाउस फीडर से लाभांवित वाले समस्त उपभोक्ता
8		11 के.व्ही., बेन्दरी फीडर	ग्राम बेन्दरी, कुकदा, खैरी, बोरसी चिचपोल के समस्त उपभोक्ता ।
9		11 के.व्ही. धुर्राबांधा फीडर	ग्राम सेन्द्री, बोरसी, पसवानी, हसदा, कलमीडीह, अकलतरा के समस्त उपभोक्ता।
10		11 के.व्ही. टोहडीघाट, टिकुलिया उपकेन्द्र	ग्राम कुलिपोटा, टिकुलिया, ढाबाडिह, पेन्ड्री के समस्त उपभोक्ता।
11		11 के.व्ही. ओल्ड लिमतरा फीडर	ग्राम बनसांकरा, बैकोनी, हरिनभट्ठा, चंदेरी के समस्त उपभोक्ता।
12		11 के.व्ही. न्यु दरचुरा फीडर	ग्राम करहूल, दरचुरा एवं अडबंधा के पंप व बस्ती के समस्त उपभोक्ता।
13		11 के.व्ही. सुहेला से पडकीडीह फीडर	ग्राम रानीजरौद, आमाकोनी, खपराडीह, पड़कीडीह, रखेली, करही, चण्डी के समस्त उपभोक्ता ।
14		11 के.व्ही. हिरमी फीडर	ग्राम हिरमी, सकलोर, कुथरौद (बस्ती) के समस्त उपभोक्ता ।
15		11 के.व्ही. रिंगनी-केसदा फीडर	ग्राम रिंगनी, एवं केसदा के समस्त उपभोक्ता।
16	16.10.2024	11 के.व्ही. हटरी बाजार फीडर	11 के.व्ही. हटरी बाजार फीडर से लाभांवित वाले समस्त उपभोक्ता
17		11 के.व्ही. गोढी (टी) फीडर	ग्राम गोढी, टोपा, नवागांव के समस्त उपभोक्ता।
18		11 के.व्ही. कोसमंदा फीडर	ग्राम कोसमंदा, धौराभाठा, बकुलाही के समस्त उपभोक्ता ।
19		11 के.व्ही. पंचशील नगर	पंचशील नगर के समस्त उपभोक्ता ।
20		11 के.व्ही. खैरघट फीडर	ग्राम खैरघट, चुरचुटिया, तेंदुभाठा एवं मांदर के समस्त उपभोक्ता।
21		11 के.व्ही. चंदीया पथरा फीडर	ग्राम दरचुरा, अड़बंधा, करहुल, चोरहा नवागांव, तोरा एवं चक्रवाय के समस्त उपभोक्ता।
22		11 के.व्ही. सुहेला टाउन फीडर	ग्राम सुहेला, धोबनीडीह के समस्त उपभोक्ता।
23		11 के.व्ही. हिरमी से मोहरा फीडर	ग्राम मोहरा, भालेसुर, भालुकोना के समस्त उपभोक्ता।
24		33 के व्ही हथबंद फीडर	कोई उपभोक्ता प्रभावित नहीं।
25	17.10.2024	11 के.व्ही. मण्डी फीडर	11 के.व्ही. मण्डी फीडर से लाभांवित वाले समस्त उपभोक्ता ।
26		11 के.व्ही. देवरी ग्रामीण	ग्राम देवरी, सेमरियाघाट के समस्त उपभोक्ता।
27		11 के.व्ही. मोपका फीडर	ग्राम गुडेलिया, मोपका, पाटन, धनेली के समस्त उपभोक्ता।
28		11 के.व्ही अमलीडीह फीडर	ग्राम अमलिडीह, खम्हरिया, गोढी, टोपा, खैरी, गुर्रा, नवांगांव, आलेसुर, राजाद्वार के समस्त उपभोक्ता।
29		11 के.व्ही. कचलोन फीडर	ग्राम कचलोन, एवं खण्डुवा के समस्त उपभोक्ता ।
30		11 के.व्ही. मनहोरा टाऊन फीडर	ग्राम मनहोरा, चौरेगा, मोटीयारीडीह एवं अकलतरा मांदर के उपभोक्ता।
31		11 के.व्ही. सुहेला अटल ज्योति फीडर	ग्राम सुहेला, रानीजरौद, आमाकोनी, टेकरी, फरहदा, पड़कीडीह, वेली, करही, चण्डी के समस्त उपभोक्ता ।
32		11 के.व्ही. जरौद रो फरहदा फीडर	ग्राम डिग्गी, खपरी, टेकारी, फरहदा, मटिया के समस्त उपभोक्ता।
33		33 के.व्ही. झिरिया-हथबंद फीडर,	33/11 के.वी. उपकेन्द्र हथबंद से निकलने वाले समस्त फीडर एवं एच. टी. उपभोक्ता मे. रायपुर हैंडलिंग रिंगनी।

* स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचायें''
* समयावधि में देयक का भुगतान करे, लाईन विच्छेदन से बचें।''

(व्ही.के.राठिया)
कार्यपालन अभियंता (सं/सं) संभाग
छ.स्टे.पा.डि.कं.लिमिटेड भाटापारा
कर्मचारी क्रमांक 9331181

बेमेतरा के जनपद सदस्यों ने आंदोलन को समर्थन दिया

एथेनाल प्लांट बंदी आंदोलन का 21वां दिन 150 से अधिक लोगों ने कराया मुंडन

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

इथेनॉल प्लांट बंदी आंदोलन के 21वें दिन 150 से अधिक ग्रामीणों ने मुंडन करा कर अपना विरोध व्यक्त किया रविवार को सुबह से ही ग्रामीणों ने इथेनॉल प्लांट को बंद करने की मांग को लेकर किया जा रहे आंदोलन के तहत धरना स्थल पर ही मुंडन कार्य करना शुरू कर दिया समाचार लिखे जाने तक करीब 150 से अधिक लोगों के द्वारा मुंडन कराया जा चुका है जिसमें प्रमुख रूप से अजिताभ मिश्रा, प्रमील तिवारी,घनाराम निषाद, नरेश साहू, राकेश साहू, बलराम निषाद, सिद्दिक खान,हीरा साहू,बसंत जोशी, परमेश्वर साहू,रामलाल साहू, सौरभ शर्मा सहित अन्य लोग शामिल हैं इसके पहले दिन बेमेतरा जनपद के सदस्यों आंदोलन स्थल पहुंच कर एथेनाल प्लांट बंद का आव्हान करते हुए किसानो का समर्थन किया। जनपद सदस्यों ने शासन और प्रशासन से जन भावनाओं के अनुरूप शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया। जनपद सदस्यों में प्रमुख रूप से लाला भारती आगरदास भोजराम कुर्रे,कुलवंतीन गजानंद साहू ,रामावतार निषाद सहित अन्य जनपद सदस्य उपस्थित रहे ।इन जनपद सदस्यों का अजिताभ मिश्रा के द्वारा श्रीफल और गुलाल से सम्मान किया। आंदोलन करियों ने एथेनाल प्लांट से होने वाली समस्या और जनता को होने वाली परेशानियों और प्रदूषण के संबंध में जानकारी एकत्रित करके धरना स्थल पर पूरी जानकारी दी और बताया की वहां जनता को किस तरह परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहां की प्लांट से होने वाली परेशानियों का पूरा ब्यौरा सभी को उपलब्ध कराया गया।आज विजय दशमी के अवसर सभी वक्ताओं ने शासन प्रशासन की कार्य प्रणाली पर जम कर भड़ास निकाली।अपने संबोधन में अजिताभ मिश्रा ने कहा की आज 500करोड़ से नया विधानसभा भवन और 250 करोड़ की लागत से सीएम हाउस जो बनाया गया है वो हमारे वोट के ताकत से ही बना है।परंतु दुख की बात ये है हमारे वोट से सरकार बना कर अपने लिए नया रायपुर में हरियाली और शून्य प्रदूषण की व्यवस्था कर रहे है।और हमारे लिए बदबूदार प्लांट को जबरदस्ती थोपा थोपने का कार्य किया जा रहा है। ये अत्यंत दुर्भाग्य पूर्ण है,इसे हम किसी भी स्थिति में सहन नही करेंगे।हमारा ये आंदोलन की आग को जब तक बुझने नही देंगे जब तक प्लांट में ताला बंदी न हो जाए।,शासन प्रशासन जिस तरह से आंदोलन करियों को छका रहा है और एक से बढ़ कर एक पैंतरा अपना रहा उससे ऐसा प्रतित होता की प्रशासन की मंशा है की यहां अशांति फैले,प्रशासन के इन कदम की सख्त निंदा की गई।

संपादकीय

अलविदा रतन टाटा बहुआयामी व्यक्तित्व

रतन टाटा ने न केवल बिजनेस व्यवहारों को पुनः परिभाषित किया, बल्कि नैतिक नेतृत्व तथा कार्पोरेट दायित्व के नए मानक स्थापित किए। भारत के एक सर्वाधिक प्रभावशाली और सम्मानित बिजनेसमैन रतन टाटा का निधन भारतीय उद्योग एवं दानशीलता में एक युग का अंत है। 'टाटा समूह' को वैश्विक संस्था में बदलने वाले दूरदर्शी रतन टाटा ने बिजनेस नेतृत्व तथा कार्पोरेट जगत में व्यापक परिवर्तन किए। उनके देहावसान से भारतीय बिजनेस परिदृश्य में अपूरणीय रिक्त स्थान पैदा हो गया है। भारत के सामाजिक-आर्थिक ढांचे में उनके द्वारा किए योगदान आने वाली कई पीढ़ियों तक महत्वपूर्ण बने रहेंगे। रतन टाटा ने 1991 से 2012 तक टाटा समूह का नेतृत्व किया और इस कालखंड को व्यापक रूप से असाधारण खोजों तथा विकास के युग के रूप में याद किया जाता है। उन्होंने टाटा समूह में विविधता पैदा की तथा इसे स्टील व टेक्सटाइल के परंपरागत क्षेत्रों से आगे बढ़ाते हुए सूचना प्रौद्योगिकी, आटोमोटिव, दूरसंचार तथा अतिथि-सत्कार तक विस्तार दिया। 'टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज़'-टीसीएस आईटी सेवाओं में वैश्विक नेतृत्व कर रहा है। 'टाटा मोटर्स' ने विशाल ब्रिटिश आटोमोटिव कंपनियों जगुआर व लैंडरोवर का 2008 में अधिग्रहण कर अपना विस्तार किया। टाटा का दृष्टिकोण भारत को एक ऐसी विश्व शक्ति बनाना था जिसकी जड़ें

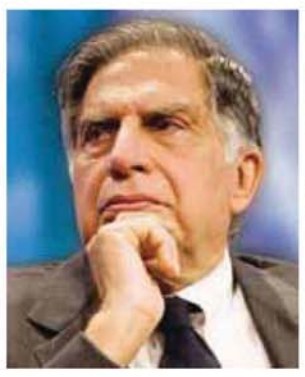

राष्ट्रवाद की भावना में गहराई से जुड़ी हों तथा उसे वैश्विक बिजनेस प्रवृत्तियों के प्रति जागरूक बनाया जाए। रतन टाटा का एक सर्वाधिक महत्वपूर्ण क्षण 2008 में टाटा मोटर्स द्वारा अनेक समस्याओं के बावजूद 'नैनो' लांच करने के समय आया। हालांकि, नैनो को वाणिज्यिक सफलता नहीं मिली, पर अपने साहसी दृष्टिकोण ने खोजी समाधानों से भारतीय समस्यायें हल करने की टाटा की प्रतिबद्धता स्पष्ट हुई। इससे भारतीय मध्यवर्ग की आकांक्षायें पूरी हुईं।

विनम्रता एवं विवेक के लिए विख्यात टाटा अक्सर कहते थे, 'हमें लोगों के जीवन को महत्वपूर्ण ढंग से प्रभावित करना चाहिए।' टाटा समूह का लगभग दो तिहाई मुनाफा 'टाटा ट्रस्ट' के माध्यम से सामाजिक कार्य के प्रति लक्षित है जो भारतीय दानशीलता में महत्वपूर्ण विरासत है। उनके निर्देशन में टाटा ट्रस्ट ने स्वास्थ्यरक्षा, शिक्षा तथा ग्रामीण विकास में अनेक पहलें की हैं। टाटा ने मृदुभाषी और सौम्य व्यक्ति के रूप में अपनी पहचान बनाई और विरले ही उन्होंने अपने व्यक्तिगत जीवन को जनता में उजागर किया। 2008 में मुंबई आतंकी हमले के समय उन्होंने अपनी नेतृत्व क्षमता प्रदर्शित की जिसमें उनके समूह के 'ताजमहल पैलेस होटल' पर खास निशाना लगाया गया था। टाटा प्रभावित कर्मचारियों के परिवारों से मिलने गए, उनको सहायता दी तथा यह सुनिश्चित किया कि होटल का पुनर्निर्माण हो। इस प्रकार उन्होंने जीवन्तता व बहाली की भावना प्रदर्शित की। अनेक उपलब्धियों के बावजूद टाटा ने विफलताओं का गौरवपूर्ण ढंग से सामना किया। उनके 'नैनो' जैसे निर्णयों की आलोचना हुई, पर उन्होंने बड़े गौरवपूर्ण ढंग से विपरीत परिस्थितियों का सामना किया जो उनकी विशेषता थी। दृढ़ता तथा दूरगामी दृष्टिकोण की उनकी विरासत बहुत से लोगों को प्रेरणा देती रहेगी। रतन टाटा का जीवन केवल बिजनेस नहीं था। वास्तुशास्त्र, उड्डयन व कारों के प्रति उनका प्रेम जग-जाहिर था। भारत के एक सबसे अमीर व्यक्ति होने के बावजूद उनका जीवन सरल था। अक्सर उनको यात्रा करते और अपनी कार स्वयं चलाते देखा जा सकता था। रतन टाटा के निधन से भारत ने एक दूरगामी तथा उदार हृदय वाला ऐसा नेता खो दिया है जिसे उनकी उपलब्धियों व दृढ़ता के लिए याद किया जाएगा। अलविदा रतन टाटा।

तकनीक से समस्या समाधान

हालांकि, तकनीकी प्रगति से अनेक क्षेत्रों में लोगों का जीवन सुधरा है, पर बाढ़ के कारण होने वाले विनाश जैसी समस्या के समाधान में यह विफल रही है।

विनयशील गौतम
(लेखक, प्रबंधन सलाहकार हैं)

हालांकि, तकनीकी प्रगति से अनेक क्षेत्रों में लोगों का जीवन सुधरा है, पर बाढ़ के कारण होने वाले विनाश जैसी समस्याओं के समाधान में यह विफल रही है। हाल ही में बरसात की विभीषिका समाप्त हुई है। लेकिन लंबे समय तक यह देश में लोगों को प्रभावित करती रही। सप्ताहों व महीनों तक खबरिया चैनलों में देश के एक सिरे से दूसरे सिरे तक बरसात के कारण पैदा विभीषिका सुर्खियों में बनी रही। सूरत की सड़कों और मैदानों से लेकर दरभंगा में बिरौल के मैदानों तक पानी हर जगह भरा था। हिमाचल की पहाड़ियों से लेकर कावेरी नदी के किनारों तक आई बाढ़ों ने लोगों का जीवन अस्तव्यस्त कर दिया तथा आर्थिक दृष्टिकोण से भारी नुकसान का कारण बनीं। इससे पानी ऐसे स्थानों में भी भरा जिसकी पहले उम्मीद भी नहीं की जाती थी। बाढ़ के कारण ढांचागत संरचनाओं तथा लोगों की व्यक्तिगत संपत्तियों को भारी नुकसान हुआ और त्रासदी की यह पीड़ा उनके चेहरों पर दिखाई पड़ी।

बरसात कोई नई बात नहीं है। हालांकि तकनीक में तेजी से प्रगति हुई है और यह लोगों की अनेक क्षेत्रों में व्यापक प्रगति का आधार बनी है, लेकिन यह बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने में पूरी तरह सफल नहीं हुई है। ऐसे में लोगों को आश्चर्य होता है कि आखिरकार 'तकनीकें समस्याओं के समाधान में कब सफल होंगी।' यह भी विचारणीय विषय है कि कोसी के कारण उत्तर बिहार में सालों से बार-बार बाढ़ के अनुभव लोगों के सामने आते रहे हैं, लेकिन आखिरकार ऐसी समस्याओं का समाधान कब और कैसे होगा। नदियों के किनारे बने तटबंध बार-बार टूटते हैं। इसी तरह हर बार बाढ़ के कारण कमजोर झोपड़ियां नष्ट हो जाती हैं। बार-बार नदियों के तटबंध टूटना तथा घरों, मकानों व झोपड़ियों का नष्ट हो जाना भी कोई नई बात नहीं है। आखिरकार बार-बार बरसात में लोगों पर आने वाली मुसीबतों से छुटकारा क्यों नहीं मिल पा रहा है। भले ही हर बार स्थितियां एक जैसी न रहती हों, पर मनुष्यों की त्रासदी कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है। ऐसे में यह सवाल भी निश्चित रूप से पूछा जा रहा है कि जो देश चंद्रमा पर अपना अंतरिक्षयान उतार सकता है और इस ग्रह की व्यापक खोज कर सकता है, वह आखिर प्रकृति के कारण पैदा होने वाली विभीषिकाओं का समाधान क्यों नहीं खोज पा रहा है।

इस प्रकार विज्ञान और तकनीक की प्रगति तथा मनुष्यों की प्राकृतिक आपदाओं के कारण पैदा समस्याओं के समाधान के बीच कोई 'खाली स्थान' जरूर है जो प्रभावित लोगों को नजर नहीं आ रहा है। कुछ अन्य देशों में भी लोग इस खाली स्थान के बारे में बात कर रहे हैं और इसे तलाशने के प्रयास कर रहे हैं। मानवजाति ने पहले अनेक देशों में नदियों का रास्ता बदला है तथा पेड़-पौधों को इस तरह लगाया है जिससे जीवन पर संकट कम हो तथा प्राकृतिक आपदाओं या मौसम बहुत खराब होने के कारण पैदा त्रासदियों से निपटा जा सके।

बिहार की स्थितियों पर गौर करें तो स्पष्ट होगा कि यहां भी लोगों को बार-बार आने वाली बाढ़ की विभीषिका से बचाने के लिए मानव बस्तियों को इस प्रकार बसाया गया है कि वे इस प्राकृतिक आपदा से सुरक्षित रहें। ऐसे प्रयास बूढ़ी गंडक नदी या कोसी नदी के आसपास भी किए गए हैं। लेकिन इसके बावजूद बाढ़ के कारण पैदा होने वाली विभीषिका कम होने के बजाय और बढ़ी है। इस बारे में यूजीसी चेयरमैन द्वारा प्रिंट मीडिया में किए जाने वाले दावों पर गौर किया जाना चाहिए जिसमें उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय शोध के संदर्भों का हवाला दिया है। इसके साथ ही विशिष्ट राजनेताओं द्वारा किए इन दावों पर भी गौर किया जाना चाहिए कि भारत आज विज्ञान और तकनीकी शोध की दुनिया में प्रमुख केन्द्र के रूप में उभर रहा है और भारत में किए जाने वाले शोध विश्वस्तरीय हैं। हालांकि, ये सभी दावे पूर्णत: वैध हैं और समुचित रूप से इनकी पुष्टि की जा चुकी है तथा इनके प्रमाणों का परीक्षण हुआ है। लेकिन इन सबके बावजूद यह सवाल बना हुआ है कि लगातार प्रगति कर रही तथा अद्यतन बन चुकी तकनीक के बावजूद अनेक लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार क्यों नहीं हुआ है?

यह किसी काल्पनिक कथानक का अंश नहीं है। तकनीक ने करोड़ों-करोड़ लोगों के जीवन में व्यापक सुधार किए हैं। तकनीक से खासकर आम लोगों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने में सहायता मिली है। लेकिन विपरीत दृष्टिकोण से देखें तो बाढ़ों की विभीषिका तथा इसके कारण लोगों के जीवन पर पड़ने वाले विनाशकारी प्रभावों में कोई खास अंतर नहीं आया है।

लेकिन कहीं न कहीं ऐसे विपरीत अनुभवों का सह-अस्तित्व बना हुआ है। यह ऐसी जटिल पहेली है जिसकी व्याख्या करना आसान नहीं है। हालांकि, विज्ञान और तकनीक ने पिछले वर्षों में असाधारण प्रगति की है और मानव जीवन के अनेक क्षेत्रों को प्रभावित किया है। लेकिन अब तक अप्रभावित रहे क्षेत्रों को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है क्योंकि विज्ञान और तकनीक को व्यापक समाज के प्रति उसकी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं किया जा सकता है। यह भी समान रूप से स्पष्ट है कि मौतों और विनाश के अनुभव उन लोगों के साथ हो रहे हैं जो समाज के सबसे निचले पायदान पर मौजूद हैं। शायद अपनी तमाम प्रगति के बावजूद विज्ञान और तकनीक इनकी समस्याओं का समाधान नहीं कर पा रहे हैं। इस प्रकार तकनीकी प्रगति तथा उसके दृश्यमान प्रभावों के बीच कुछ संबंध स्पष्ट रूप से स्थापित किए जाने चाहिए। इसे देखते हुए 'प्रगति' और 'विकास' की परिभाषाओं में विनाश और मौतों की उन घटनाओं को भी शामिल किया जाना चाहिए जो कुछ क्षेत्रों में बार-बार सामने आती हैं। जब तक कोसी के कारण होने वाला विनाश बना रहता है और हर साल बार-बार यही कहानी दुहराई जाती है तब तक 'विकास एजेंडे' पर भी ऐसे सवाल उठते रहेंगे जिनका समाधान निकालना जरूरी है। दशकों तक योजना आयोग या नीति आयोग द्वारा प्रस्तावित सुझावों व संस्तुतियों को लागू करने के बावजूद यदि प्राकृतिक आपदाओं के कारण पैदा होने वाली विभीषिका बनी रहती है या बढ़ती है तो ऐसे असहज करने वाले सवालों से बचा नहीं जा सकता है। समाज के सबसे निचले हिस्से में रहने वाले लोगों की समस्यायों से पैदा इन सवालों को उस समय तक उठाने तथा बार-बार दुहराने की आवश्यकता है जब तक इनके समाधान न मिल जांए। भारत जैसे प्रबुद्ध व प्रतिभाशील लोगों के देश में प्राकृतिक आपदाओं के कारण पैदा होने वाली मानवीय त्रासदी से निपटने के कारगर समाधान खोजे ही जाने चाहिए।

संभवत: इसका आंशिक जवाब स्थानीय लोगों को विभिन्न कौशलों, संसाधनों तथा ऐसे तरीकों से शक्तिशाली बनाना है जिससे वे स्थानीय समस्याओं को ज्यादा प्रभावी ढंग से समझ कर उनसे निपटने में सक्षम हों और उनके समाधान निकाल सकें। प्रशासन के उच्च स्तरों, जेसे जिला या राज्य स्तर पर कनेक्टिविटी, समन्वय, संसाधनों के आबंटन तथा लोगों के कौशल प्रयोग जैसे मुद्दों पर विचार किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उनको यह प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित करनी चाहिए कि वे स्थानीय परिस्थितियों तथा स्थानीय संदर्भों को देखते हुए उनके अनुरूप जन-कल्याण के प्रति जिम्मेदार और जवाबदेह होंगे। अब तक विदेशों में प्राप्त प्रशंसा और पहचान को बहुत मान्यता और महत्व मिला है। इसके कारण बड़ी और व्यापक सोच को तथा बड़ी-बड़ी बातें करने को प्राथमिकता मिली है।

हालांकि, इस बात में कोई गलती या कमी नहीं है कि विदेशों में भारत में विज्ञान और तकनीक की प्रगति को महत्व और प्रशंसा मिली है। लेनि इस तथ्य को भी स्वीकार किया जाना चाहिए कि स्थानीय समस्याओं के समाधानों को निर्णय लेने वाली व्यवस्था में शामिल किया जाए तथा इन पर प्रभावशाली लोग व बड़े राजनेता गौर करें। स्थानीय समस्याओं को पहचानने की संस्कृति विकसित कर तकनीक और संसाधनों के प्रयोग से इनका स्थानीय स्तर पर समाधान किया जाना चाहिए। ऐसे समाधानों को उसी प्रकार सहमति और प्रशंसा से पुरस्कृत किया जाना चाहिए जिस प्रकार विदेशी संस्थानों में प्रशंसा मिलती है। इस प्रकार स्थानीय समस्याओं के समाधान में 'पैराडाइम परिवर्तन' आना चाहिए।

भारत में पोषण संबंधी विरोधाभास

श्रीरूपा सेनगुप्ता
(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

हालांकि भारत व्यापक भुखमरी वाला देश नहीं है, लेकिन उसे कुपोषण और छिपी हुई भूख से जुड़ी महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, खासकर ग्रामीण इलाकों में। भारत ने खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल की है और खाद्य पहुँच में सुधार के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम और राष्ट्रीय पोषण मिशन जैसे कार्यक्रम लागू किए हैं। हालाँकि, सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी और आय असमानता जैसे मुद्दे कुछ क्षेत्रों में खाद्य असुरक्षा को बढ़ाते हैं।

ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2023 में भारत को 125 देशों में से 111वें स्थान पर रखा गया है, जो कुपोषण से जुड़ी महत्वपूर्ण चुनौतियों को दर्शाता है, खासकर बच्चों में। हालाँकि भारत कैलोरी की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त खाद्य उत्पादन करता है, लेकिन पोषण की पर्याप्तता सुनिश्चित करना एक चुनौती बनी हुई है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण से पता चलता है कि कैलोरी का सेवन आम तौर पर पर्याप्त है, लेकिन कुपोषण बना हुआ है - पाच वर्ष से कम उम्र के 35.5 प्रतिशत बच्चे बौने हैं और 19.3 प्रतिशत बच्चे कमज़ोर हैं। सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी, जैसे महिलाओं में आयरन की कमी के कारण एनीमिया और बच्चों में विटामिन की कमी, छिपी हुई भूख को और बढ़ाती है। लैंगिक असमानता और सीमित स्वास्थ्य सेवा पहुँच सहित आर्थिक असमानताएँ और सामाजिक असमानताएँ कुपोषण को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

आबादी के गरीब तबके के लोगों के पास अक्सर विविधतापूर्ण, पौष्टिक आहार तक पहुँच नहीं होती है और वे चावल और गेहूँ जैसे मुख्य खाद्य पदार्थों पर बहुत ज़्यादा निर्भर रहते हैं, जबकि फलों, सब्जियों और प्रोटीन का सेवन अपर्याप्त होता है। एक आशाजनक समाधान समुदाय-नेतृत्व वाले पोषण केंद्र खाद्य असुरक्षा को दूर करने के लिए जमीनी स्तर पर दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। ऊपर से नीचे तक के तरीकों के विपरीत, ये केंद्र टिकाऊ, संदर्भ-विशिष्ट समाधान बनाने के लिए स्थानीय ज्ञान और नेतृत्व का लाभ उठाते हैं। वे सिर्फ़ कैलोरी सेवन के बजाय संतुलित, पौष्टिक आहार पर ध्यान

केंद्रित करते हैं, जिससे कुपोषण के खिलाफ़ समुदाय की तन्यकता बनाने में मदद मिलती है। पोषण केंद्र संतुलित आहार के लिए आवश्यक फल, सब्जियां, फलियां और पशु उत्पादों सहित विविध खाद्य पदार्थों के उपभोग को प्रोत्साहित करते हैं। आहार विविधता को बढ़ावा देकर, ये केंद्र सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी और छिपी हुई भूख को दूर करते हैं। कमज़ोर समूहों का समर्थन करना- ये केंद्र बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों जैसी कमज़ोर आबादी तक प्रभावी ढंग से पहुँचते हैं। वे विशिष्ट पोषण संबंधी ज़रूरतों पर अनुरूप पोषण सहायता, मज़बूत खाद्य पदार्थ, पूरक और शिक्षा प्रदान करते हैं। स्थानीय कृषि का लाभ उठाना- पोषण केंद्र स्थानीय खाद्य उत्पादन और टिकाऊ कृषि पद्धतियों का समर्थन करते हैं, जिससे ताज़े, पौष्टिक खाद्य पदार्थों तक पहुँच बढ़ती है। यह दृष्टिकोण बाहरी खाद्य आपूर्ति पर निर्भरता को कम करता है, जो विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन के बीच मूल्य में उतार-चढ़ाव और आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों से प्रभावित हो सकता है।

समुदाय के नेतृत्व वाले पोषण केंद्रों का प्रभाव- विभिन्न अध्ययनों से प्राप्त डेटा पोषण परिणामों और लचीलेपन को बेहतर बनाने में समुदाय के नेतृत्व वाली पहलों की प्रभावशीलता को उजागर करते हैं। उदाहरण के लिए, खाद्य और कृषि संगठन की 2022 की रिपोर्ट में पोषण केंद्रों की शुरुआत के बाद उत्तर प्रदेश के क्षेत्रों में पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में स्टंटिंग दरों में 20 प्रतिशत की कमी देखी गई। वैश्विक पोषण रिपोर्ट 2023 ने दिखाया कि ऐसे केंद्रों ने सूक्ष्म पोषक तत्वों के सेवन में सुधार किया है, महाराष्ट्र में महिलाओं के बीच आयरन युक्त खाद्य पदार्थों की खपत में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे एनीमिया में उल्लेखनीय कमी आई है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने यह भी पाया कि पोषण केंद्रों द्वारा समर्थित संधारणीय कृषि का अभ्यास करने वाले समुदायों में पारंपरिक तरीकों की तुलना में सूखे के दौरान फसल की पैदावार में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

विकसित भारत दृष्टिकोण को प्राप्त करना खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और समुदाय के नेतृत्व वाली पहलों के माध्यम से लचीलापन बनाने पर निर्भर करता है। हालाँकि, इन लक्ष्यों के लिए समग्र-समाज दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है जिसमें सभी समुदाय के सदस्य शामिल हों, न कि केवल महिलाएँ। भागीदार के रूप में पुरुष- पुरुषों को पोषण केंद्रों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना, चाहे खेती, खाना पकाने या सामुदायिक आयोजन के माध्यम से, जिम्मेदारी को अधिक समान रूप से वितरित करने में मदद करता है और लैंगिक समानता को बढ़ावा देता है।

इन प्रयासों में युवाओं को शामिल करना समुदाय के नेतृत्व वाली पहलों की निरंतरता सुनिश्चित करता है और नए विचार और ऊर्जा लाता है। स्थानीय सरकारें वित्तपोषण, नीति समर्थन और बुनियादी ढाँचा प्रदान करके इन पहलों का समर्थन और विस्तार कर सकती हैं, जिससे पोषण केंद्र सामुदायिक विकास का अभिन्न अंग बन सकते हैं। लैंगिक समानता और साझा जिम्मेदारी- जबकि महिलाएँ अक्सर पोषण और खाद्य सुरक्षा के मामले में सबसे आगे होती हैं, लेकिन इसका बोझ सिर्फ़ उन पर नहीं पड़ना चाहिए। पुरुषों, युवाओं और स्थानीय शासन को शामिल करने से ज़्यादा न्यायसंगत और टिकाऊ समाधान बनाने में मदद मिलती है।

आप की बात

भारतीय भोजन

लिविंग प्लेनेट रिपोर्ट, 2024 के अनुसार भारतीय भोजन धरती और पर्यावरण के लिए सर्वाधिक अनुकूल है। वैसे तो भारत के हर प्रदेश की भोजन रुचियां विविधतापूर्ण हैं, पर सबसे बड़ी विशेषता यह है कि सभी प्रदेशों के अधिकांश लोगों को अन्य प्रदेशों का भोजन प्रिय है। हमें दक्षिण भारतीय इडली, सांभर, गुजरात का खमन-फफ्ड़ा तो राजस्थान की दाल-बाटी, चूरमा से लेकर सभी प्रदेशों की मिठाइयां बहुत ही पसंद है। दाल-चावल, पुलाव, खिचड़ी तो लगभग पूरे भारत में ही चाव से खाए जाते हैं। भारत की भोजन परंपरा में सर्वाधिक जोर शाकाहार पर दिया गया है। इसके अलावा भोजन को स्वास्थ्यवर्धक तथा सपाच्य बनाने पर जोर दिया जाता है। पेय पदार्थों के मामले में भी फलों का जूस, नारियल पानी, लस्सी, छाछ, शरबत आदि सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं। धार्मिक व सांस्कृतिक मान्यताओं के चलते अधिकांश भारतवासी सात्विक भोजन पसंद करते हैं। भारतीय भोजन तथा भारतीय पाककला का विकास हजारों सालों में हुआ है। प्रकृति व पर्यावरण संरक्षण के साथ ही बदलते मौसमों के अनुरूप भोजन हमारी परंपरा का अंग है जो अलग-अलग मौसमों में आने वाले तीज-त्योहारों पर बनने वाले पकवानों से स्पष्ट होता है। अत: अब दुनिया को भारत का अनुसरण करना चाहिए।

-**सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

ईवीएम पर दोषारोपण

कांग्रेस हो या आम आदमी पार्टी-आप, दोनों ही जब हारते हैं तो ईवीएम को दोष देने में कोई कसर नहीं छोड़ते और जीत जाते हैं तो ईवीएम का नाम तक उनके मुंह पर नहीं आता है। तब उन्हें लगता है कि हमारी मेहनत रंग लाई है। ये तो ठीक वैसा ही हुआ जैसे विद्यार्थी परीक्षा में फेल हो गया तो मास्टर साहब ने कर दिया और जब पास हो गया तो अपनी मेहनत से हुआ। ऐसा ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश भी कह रहे हैं कि हमारी जीत को ईवीएम व अन्य गड़बड़ी ने छीन लिया। लोकसभा चुनाव में 99 सीटें आई तब तो ईवीएम दोषी नहीं थी और ढोल-धमाके के साथ पूरे देश में पार्टी ने खूब खुशियां मनाई। अब हरियाणा अपने हाथ से निकल गया तो ईवीएम पर हार का ठीकरा फोड़ने में तनिक भी देर नहीं की। कांग्रेस ने चुनाव आयोग को जांच के लिए गड़बड़ियों का पूरा पुलिंदा सौंप दिया है, जबकि चुनाव आयोग ने उसके आरोपों को पहले ही खारिज कर दिया है। जब मतदान के पहले से ही पूरी तैयारियां हर पार्टी के उम्मीदवार कर लेते हैं और मतदान से लेकर मतगणना तक हर पक्ष वहां मौजूद होता है तब कैसे गड़बड़ी हो सकती है। इससे तो लगता है कि खिसियायी बिल्ली खम्बा नोच रही है।

- **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

नेशनल कान्फ्रेंस की परीक्षा

अनुच्छेद 370 हटने के बाद पहली बार अब फारूक अब्दुल्ला की नेशनल कांफ्रेंस जम्मू कश्मीर में अपनी सरकार बनाने जा रही है। अनुच्छेद 370 हटने के पहले की दयनीय स्थिति हमे याद रखनी चाहिए। इसके बाद जम्मू कश्मीर तथा खासकर घाटी की जनता काफी बदलाव महसूस कर रही है। वह देशभक्ति के तराने भी गा रही है एवं तिरंगा भी लहरा रही है। देश की हर योजना का लाभ आज जम्मू कश्मीर की जनता को मिल रहा है। अत: वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए अब नेशनल कांफ्रेंस को भी अपने पुराने दृष्टिकोण में परिवर्तन ला कर प्रदेश की प्रगति के लिए कार्य करना चाहिए। भाजपा ने पहले ही वादा किया है कि वह जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करेगी। इस मामले में जल्दबाजी करने या अनुच्छेद 370 की वापसी का राग अलापना न केवल नेशनल कांफ्रेंस, बल्कि प्रदेश की प्रगति के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। फारूक अब्दुल्ला अटल बिहारी वाजपेयी नीत राजग सरकार में मंत्री रह चुके हैं और भाजपा की कार्यशैली से अच्छी तरह परिचित हैं। उनको केन्द्र सरकार से सहयोग कर राज्य की और तेजी से प्रगति सुनिश्चित करने का काम करना चाहिए। एक प्रकार से यह नेशनल कान्फ्रेंस की परीक्षा होगी।

- **मनमोहन राजावत,** शाजापुर

इस्राइल में भारतीय श्रमिक

भारत से लगभग 1000 युवा श्रमिक इसराइल के लिए रवाना हो रहे हैं, जहां वे निर्माण और अन्य कार्य करेंगे। उनकी तनख्वाह सवा लाख रुपया होगी और रहने, खाने व सुरक्षा का इंतजाम इस्राइल सरकार करेगी। मोदी सरकार ने जर्मनी, इजराइल और जापान के साथ ऐसे समझौते किए हैं ताकि अधिकाधिक भारतीय युवाओं को इन देशों में काम मिल सके। हमारे देश में प्रचुर संख्या में युवा शक्ति उपलब्ध है जिन्हें स्किल डेवलपमेंट के जरिए प्रशिक्षित कर अंग्रेजी तथा अन्य देशों की भाषाओं की प्राथमिक शिक्षा दी जा रही है। इसके लिए एजेंसी मित्रा द्वारा श्रमिकों का डाटाबेस तैयार कर विदेश में नौकरी के इच्छुक युवाओं को पूर्ण मार्गदर्शन देकर उन्हें वहां भेजने की जिम्मेदारी ली गई है। यह कदम अत्यन्त सराहनीय है। इससे खाड़ी देशों के अलावा अन्य देशों में रोजगार मिलने से जहां उनके परिवारों का उद्धार होगा, वहीं देश को भी पर्याप्त विदेशी मुद्रा मिलेगी। इससे दुनिया में भारत और भारतीयों का सम्मान भी काफी सीमा तक बढ़ेगा।

- **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल pioneer.editorial@gmail.com पर भी भेज सकते है।

आयुष्मान योजना में फर्जीवाड़ा, उम्मीद हेल्थ केयर और समता अस्पताल का पंजीयन निरस्त

आदेश के बाद भी नहीं हटाई गई आयुष्मान योजना के प्रचार प्रसार की सामग्री, उम्मीद हेल्थ केयर के बाहर योजना से सम्बंधित लगा हुआ है नि:शुल्क इलाज़ का बैनर पोस्टर

पायनियर संवाददाता ➤ बालोद
www.dailypioneer.com

शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना में फर्जीवाड़ा और अवहेलना मामले में जिले के निजी अस्पताल उम्मीद हेल्थ केयर और समता हॉस्पिटल का पंजीयन निरस्त किया गया हैं। नियम विरुद्ध गतिविधियों को उक्त अस्पतालों में अंजाम दिया जा रहा था। वही अब नियम कायदों को ताक पर रख संचालित उक्त अस्पतालों में अब लाखो रुपये का जुर्माना भी लगाया जा सकता है। वही उम्मीद हेल्थ केयर में कार्यवाही और आदेश के बाद भी आयुष्मान कार्ड से संबंधित प्रचार प्रसार की सामग्री नही हटाई गई है, बकायदा अस्पताल के सामने आयुष्मान से नि:शुल्क इलाज़ का बैनर लगा हुआ है, उसे नही हटाया गया है। जबकि आदेश में प्रचार प्रसार सामग्री को हटाने के निर्देश दिये गए हैं। बावजूद योजना से सम्बंधित प्रचार प्रसार सामग्री को संचालक के द्वारा नही हटाया गया है, मरीजो को गुमराह किया जा रहा हैं। राज्य नोडल एजेंसी संचालक स्वास्थ्य सेवाएं सह मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा जारी आदेश में नए

वर्तमान में 7 पंजीकृत अस्पतालों में होगा आयुष्मान से इलाज़-

मरीजो का उपचार हेतु पंजीयन न करने, अस्पताल व अस्पताल परिसर और अन्य स्थानों में योजना का प्रचार प्रसार सामग्रियों को तत्काल हटाने के निर्देश दिए गए हैं। बता दे कि राज्य नोडल एजेंसी को अनावश्यक आईपीडी, और आईसीयू के पैकेज ब्लाक करने, योजनांतर्गत लाभ देने से मना करने, अतिरिक्त नगद राशि लेने की शिकायतें लगातार मिल रही रही थी, जिसके बाद उक्त अस्पताल संचालको को नोटिस भी जारी किया गया था, किंतु नोटिस का सन्तोषप्रद जवाब नही देने के चलते आयुष्मान योजना निरस्त किया गया है।

आयुष्मान योजना के डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम कॉर्डिनेटर कमल किशोर खेवार ने बताया कि जिला मुख्यालय बालोद से लगे ग्राम सिवनी में स्तिथ उम्मीद हेल्थ केयर और डौंडीलोहारा मुख्यालय में स्तिथ समता हॉस्पिटल में गड़बड़ी पाए जाने पर आयुष्मान पंजीयन निरस्त किया गया है। जिसके बाद अब जिले में 7 पंजीकृत अस्पताल ऐसे है, जहां आयुष्मान से इलाज़ होगा। बालोद का नर्सिंग हॉस्पिटल और स्वास्थ्य संचय, गुंडरदेही का शिवालया और शकुंतला हॉस्पिटल तथा दल्लीराजहरा का कमला हॉस्पिटल, शहीद अस्पताल एवं पुष्पा हॉस्पिटल में वर्तमान में इलाज़ होगा। और उम्मीद हेल्थ केयर व समता हॉस्पिटल में आयुष्मान पंजीयन निरस्त किये जाने से अब यहां इलाज़ नही होगा। और योजना सम्बंधी प्रचार प्रसार सामग्री तत्काल हटाने के निर्देश भी दिए गए है। उन्होंने बताया कि हर माह अस्पतालों में उनके और नोडल व इंश्योरेंस कंपनी के द्वारा विजिट की जाती है। विजिट के दौरान जांच किया जाता है कि मरीजो का इलाज आयुष्मान से बराबर हो रहा है या नही, कही मरीजो से पैसे तो नही ले रहे है।

पहले भी हो चुकी है उम्मीद हेल्थ केयर की शिकायत

कमल किशोर खेवार ने बताया कि उम्मीद हेल्थ केयर में कुछ दिनों पहले इंश्योरेंस कंपनी वाले विजिट किये थे, तो उन्हें कमी लगा था। जिसकी शिकायत उन्होंने राज्य नोडल से की थी। जिसके बाद राज्य नोडल ने स्पष्टीकरण नोटिस दिया जारी किया था। बता दे कि जून माह में शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान योजना में गड़बड़ी बरतने पर उम्मीद हेल्थ केयर और समता अस्पताल को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया था, साथ ही सीएमएचओ को अस्पतालों के औचक निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए गए थे। वही बताया जा रहा है कि उम्मीद हेल्थ केयर में कुछ माह पहले 8 मरीजो से आयुष्मान योजना के नाम पर अतिरिक्त पैसे लिए गए थे, जिसकी भी शिकायत की गई थी, फिर डायरेक्टर प्रदीप साहू ने उन मरीजो से लिखित में स्पष्टीकरण लिखकर राज्य नोडल को भिजवाया था।

योजना निरस्त होने के बाद भी प्रचार प्रसार

उम्मीद हेल्थ केयर के डायरेक्टर प्रदीप साहू के द्वारा राज्य नोडल द्वारा आयुष्मान योजना पंजीयन निरस्त किये जाने के बाद भी संबंधित योजना का प्रचार प्रसार जोरों शोरो से किया जा रहा है, जबकि आदेश में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है की अस्पताल, अस्पताल परिसर एवं अन्य स्थानों से योजना से संबंधित प्रचार प्रसार की सामग्रियों को तत्काल हटाया जाए। बावजूद उक्त डायरेक्टर के द्वारा अस्पताल के सामने से आयुष्मान योजना का प्रचार प्रसार बैनर पोस्टर नही हटाया गया हैं।

आयुष्मान योजना में बरती जा रही लापरवाही

दरअसल योजना के तहत इलाज़ के लिए भर्ती मरीजो से 104 आरोग्य सेवा के माध्यम से फीड बैक लिया जाता है, मरीजो से अतिरिक्त राशि लिए जाने इलाज़ में कोई शिकायत, अस्साल में साफ सफाई के साथ चिकित्सक तथा कर्मचारियों के व्यवहार आदि के बारे में जानकारी ली जाती है। बताया जाता है कि पंजीकृत कुछ अस्पतालों में मरीज को जनरल वार्ड में भर्ती करके आयुष्मान कार्ड से आईसीयू के पैकेज रेट के अनुसार राशि की कटौती की है। कुछ अस्पतालों ने हेल्थ पैकेज कोड के विपरीत क्लेम बुक किया है। ऐसे अस्पतालों पर जुर्माना भी लगाया गया है। यहां यह कहना गलत नही है कि पंजीकृत अस्पतालों में योजना में जमकर अनियमितता और लापरवाही बरती जाती है। कुछ अस्पताल तो इसी योजना से मिल रही राशि, उटपटांग क्लेम से मिल रही राशि से ही चल रहे है।

जो सदस्य नहीं उसे अध्यक्ष प्रमाणित किया फर्म्स एवं पंजीयन कार्यालय में मनमानी, भुवाल ने लगाया आरोप

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

जो सदस्य नहीं हैं उसे ही अध्यक्ष प्रमाणित कर दिया फर्म्स एवं पंजीयन कार्यालय द्वारा यह आरोप आईटीआई कार्यकर्ता जितेन्द्र सिंह भुवाल ने लगाया भुवाल ने बताया कि यह पंजीयक फर्म्स एवं संस्थाएं कार्यालय का मामला है जहां सामाजिक संगठनों का पंजीयन किया जाता है। वहां राजपूत क्षत्रिय महासभा रहटादाह छत्तीसगढ़ भी पंजीकृत है जिसका पंजीयन क्रमांक 1282 है जिसके आम सदस्यों की जानकारी मांगी गई थी जिसमें आरटीआई दस्तावेज से खुलासा हुआ है जो संस्था के प्राथमिक सदस्य नहीं है उन्हें सहायक पंजीयक अनुपमा कुजुर ने पदाधिकारी होना प्रमाणित किया है इस संबंध में आईटीआई के माध्यम से जानकारी लेने के बाद जारी बयान में भुवाल ने बताया गया है कि

राजपूत क्षत्रिय महासभा रहटादाह छत्तीसगढ़ पंजीयन क्रमांक के विरुद्ध शासन स्तर पर जांच कर दुर्ग कलेक्टर के सानिध्य में जांच प्रतिवेदन 04-0-04-2022 को प्रस्तुत किया था जिसमें संस्था के कार्यकरण,पतन एवं वित्तीय स्थिति की जांच अधिनियम की धारा 32 के तहत् किया था। जिसमें 17 बिंदुओं पर आक्षेप दर्ज कर किया गया है। संस्था में आर्थिक अनमितता के साथ साथ संस्था सदस्यों के विरुद्ध अनैतिक आचरण करना,लेखा जोखा लेज़र बुक संधारण कार्य न करना आम सदस्यों की जानकारी सदस्यता पंजी संधारण न रखना परिलक्षित है । संस्था के कार्यकारिणी त्रैवार्षिक चुनाव का भी वैधानिक गठन न करना फर्जी होना उल्लेख किया गया है संसुचना आदेश 27-05-2022 में सभी आक्षेप को दुरुस्त करने निर्देश दिए गए थे जिसकी पालन न करने पर संबंधितो के विरुद्ध उद्योग सचिव ने द्वितीय अपील के निराकरण दिनांक 09-09-2022 को वैधानिक कार्यवाही करने का आदेश पारित किया है एवं त्रैवार्षिक निर्वाचन को शुन्य घोषित किया है। किंतु फर्म्स एवं संस्थाएं के मनमानी से अब तक कोई कारवाही नही किया गया है। सामाजिक आरटीआई कार्यकर्ता जितेन्द्र सिंह भुवाल ने फर्म्स एवं संस्थाएं से उक्त संस्था राजपूत क्षत्रिय महासभा रहटादाह छत्तीसगढ़ के आम सदस्यों की जानकारी फर्म्स एवं संस्थाएं से प्राप्त किया है जो 31 पेज में है जिसमें संस्था के अध्यक्ष बजरंग बैस ,महासचिव बिण्णु सिंह बघेल ,वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेश सिंह, उपाध्यक्ष अश्विनी राजपूत, कोषाध्यक्ष नीरज क्षत्रिय, संगठन सचिव ज्ञानेश्वर सिंह प्रचार सचिव घनश्याम सिंह एवं उप सचिव प्रवेश सिंह, का नाम प्राथमिक सदस्यता सुची जो धारा 27 के प्रपत्र 07 दिनांक 09--09-2022 में सलंग्न है की सुची में 584 सदस्यों का नाम दर्ज है लेकिन इन पदाधिकारियों का नाम उसमें दर्ज नही है। फर्म्स एवं संस्थाएं की इसे मनमानी कहा जाए या लापरवाही जो बिना जांच परख भर्राशाही फर्जीवाडा कार्य में लिप्त है जो सदस्य संस्था का प्राथमिक सदस्यता नहीं रखते उन्हें पदाधिकारी होने का प्रमाण पत्र जारी करना कोई सामान्य त्रुटि नहीं है।

विधायक एवं कलेक्टर ने ब्रह्मकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय में चैतन्य देवियों की झांकी का किया अवलोकन

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय बेमेतरा में नवरात्रि के शुभ अवसर पर

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

बेमेतरा विधायक दीपेश साहू तथा बेमेतरा कलेक्टर रणबीर शर्मा ने चैतन्य देवियों की झांकी में दीप प्रज्वलित किया और 400 मूर्तियों से सुसज्जित प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त किया। आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए बेमेतरा सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी शशि बहन जी ने कहा कि भारत अध्यात्म प्रधान देश है। जिसकी श्रेष्ठ सभ्यता संस्कृति हमारे त्योहारों में झलकती है। नवरात्रि में लोग देवियों का पूजन करते हैं। इसके साथ ही कलश स्थापना, अखंड ज्योति जलाना, व्रत, उपवास तथा कन्या पूजन करने की परंपरा है। इन सबके पीछे भी आध्यात्मिक रहस्य है। कलश स्थापना अर्थात परमात्मा बुद्धि में ज्ञान का कलश रखते हैं। जिससे ज्ञान का प्रकाश जीवन में आ जाता है। अखंड ज्योति यानी ज्ञान का घृत जब आत्मा की ज्योति में पड़ती है तो अखंड आत्म-ज्योति जागृत हो जाती है। व्रत का अर्थ है जीवन में दृढ़ संकल्प, उपवास से मनोबल में वृद्धि तथा नियम से जीवन में अनुशासन आता है। कन्या पूजन का अर्थ है कन्याओं का सम्मान करना। इससे परमात्मा भी प्रसन्न होते हैं। कहा जाता है कि जिस घर में कन्याओं व नारियों का सम्मान होता है वहां देवता निवास करते हैं। उस परिवार में दिव्यता आ जाती है। घर धन्य धान्य से संपन्न हो जाता है। शशि बहन जी ने कहा कि नवरात्रि में मां दुर्गा, लक्ष्मी तथा सरस्वती की विशेष रूप से पूजा की जाती है। दुर्गा दुर्गुणों का नाश करने वाली देवी है जब दुर्गुण दूर होते हैं तब जीवन, चरित्र श्रेष्ठ बनता है। श्रेष्ठ सभ्यता संस्कृति आने लगती है। ऐसे दिव्य जीवन में लक्ष्मी का आगमन होता है। सद्गुणों का धन, संस्कार का धन जब जीवन में आ जाता है, तो मां सरस्वती का आगमन होता है। यानी ज्ञान का संचार होता है तो व्यक्ति जीवन की उच्चता का प्राप्त कर लेता है। शक्ति, धन तथा ज्ञान इन तीनों का कोई आराध्य देवता नहीं है बल्कि देवियां हैं। इसलिए इन तीन देवियों की सबसे अधिक पूजा होती है।

निर्भयता का प्रतीक है शेर की सवारी

शशि बहन जी ने कहा कि देवियों को बहुत सजी-धजी सुसज्जित दिखाया जाता है। इनक पीछे प्रकाश का आभामंडल होता है जो उनकी पवित्रता को दर्शाता है। अनेक आभूषणों से श्रृंगार दिव्य गुणों से सुसज्जित तथा शेर पर सवारी निर्भयता का प्रतीक है। मां दुर्गा को अष्टभुजाधारी दिखाया जाता है जिसका अर्थ है उनके पास अष्टशक्तियां हैं। एक हाथ में गदा है जो दृढ़ता के साथ बल का होना, तलवार तीखी धार वाली होती है उससे एक ही झटके में महिषासुर का वध दिखाते हैं यानी अपने भीतर के अवगुणों को एक ही झटके में दृढ़ता से खत्म करना। तीर कमान का अर्थ है जीवन में एक लक्ष्य पर टिक कर कार्य करना। कमल फूल देवी की पवित्रता को दर्शाता है। एक हाथ में दीप आत्मजागृति का प्रतीक है। शंख जागृति का प्रतीक है। च इस बात का प्रतीक है कि दूसरों का चिंतन दर्शन करने के स्थान पर स्वयं के चिंतन पर ध्यान देकर अपने जीवन को श्रेष्ठतम बनाया जाए। एक हाथ आशीर्वाद की मुद्रा में यह दर्शाता है कि सामने वाला हमारे बारे में कैसे भी विचार रखे हमें उसके प्रति शुभ भावना रखनी है, जिससे हमारा ही कल्याण होगा। तो आइए श्रेष्ठ संकल्पों को धारण करते हुए अपने जीवन को ज्ञान से चरित्र की ओर ले जाएं। विशेष : इस अवसर पर दिनांक 13 अक्टूबर से 7 दिवसीय निःशुल्क अलविदा तनाव जिसका समय प्रातः 7:30 से 8:30 अथवा प्रातः 8:30 से 9:30 बजे तक एवं शाम 6 से 7 अथवा रात्रि 8 से 9 बजे तक ब्रह्माकुमारीज सेवा केंद्र बेमेतरा में राजयोग शिविर का आयोजन किया जायेगा।

विजयादशमी पर रक्षित केन्द्र में मां दुर्गा एवं शस्त्र पूजा विधि विधान से की गई

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

विजयादशमी के पावन पर्व पर प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी रक्षित केन्द्र बेमेतरा में पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू के द्वारा शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा एवं शस्त्र की पूजा, हवन विधि विधान से की गई। उन्होने पुलिस परिवार एवं बेमेतरा की जनमानस की शांति एवं सुख समृद्धि की कामना कर शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। इस अवसर पर उन्होने उपस्थित अधिकारियों/ कर्मचारियों को असत्य पर सत्य की जीत का पर्व विजयदशमी की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्योति सिंह, डीएसपी राजेश कुमार झा, एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की, डीएसपी कमल नारायण शर्मा, डीएसपी कौशिल्या साहू, रक्षित निरीक्षक कृष्ण कांत सिंह, थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा प्रभारी उप निरीक्षक राकेश साहू, सायबर सेल प्रभारी उप निरीक्षक मयंक मिश्रा एवं रक्षित केन्द्र के अन्य अधिकारी /कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अंर्तराष्ट्रीय बालिका दिवस पर आंगनबाडी केन्द्रों में 2 से 11 अक्टूबर तक कार्यक्रम आयोजित

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

बेटी बचाव बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत अंर्तराष्ट्रीय बालिका दिवस पर जिले के सभी परियोजना और आंगनबाडी केन्द्रों में 2 अक्टूबर से 11 अक्टूबर 2024 तक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है. इस कड़ी में बीते दिनों दिनाक 09.10.2024 ग्राम बहिगा बेरला परियोजना के दुर्गा पंडाल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन वेद भारती पर्यवेक्षक देवरबीजा-1 एवं आंगनबाडी कार्यकर्ताओं के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा, पोषण कानूनी अधिकार, चिकित्सा देखभाल, भेद-भाव, हिंसा और बाल विवाह से सुरक्षा में आने वाली असमानताओं के प्रति जागरूकता फैलाना है। इस आयोजन में बालिकाओं के बीच स्थानीय नृत्य प्रतियोगिता आयोजित किया गया जिसमें बालिकाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। बालिकाओं का प्रस्तुति मुख्यतः बेटी बचाओ बेटी पढओं विश्य पर आधारित रहा, बालिकाओं को पुरुस्कृत किया गया। उपस्थित जन समुदाय को राखी सादव केन्द्र प्रशासक सखी वन स्टॉप सेंटर गहिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सखी वन स्टॉप सेंटर योजना के बारे में विस्तार से जानकारी साझा किया गया तथा संगिनी दीदी के गोठ योजना के तहत विशोरी बालिकाओं को शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य, मासिक धर्म, बाल विवाह, 181 महिला हेल्प लाईन नंबर 1098 बाइल्ड हेल्पलाईन नंबर की जानकारी दी गई सरिता शर्मा केस वर्कर द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं संकटग्रस्त महिला सखी से किस प्रकार सहायता ले सकती है के बारे में जानकारी दिया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया। उक्त कार्यकम में गांव की सरपंच महोदया कुमारी बाई निवाद एवं गांव की महिलायें, किशोरी बालिकायें. मितानिन, आंगनबाडी कार्यकर्ता सहायिका उपस्थित रही।

सदस्यता अभियान को सफल बनाने विधायक साहू ने ली बूथ अध्यक्षों, शक्ति केंद्र की प्रभारियों की बैठक

बेमेतरा। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व एवं प्रदेश संगठन के आवाहन पर जिला संगठन के मार्गदर्शन मे भारतीय जनता पार्टी के बूथ अध्यक्षों और शक्ति केंद्र केंद्र के प्रभारियो की बैठक स्थानीय रेस्ट हाउस मे रखा गया बैठक मे प्रमुख रूप से विधायक दीपेश साहू शामिल हुए। इस दौरान बैठक को संबोधित करते हुए बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने सभी भाजपा पदाधिकारियों एवं ककार्यकर्ताओं को सदस्यता अभियान के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि भाजपा के हर कार्यकर्ता मजबूत कार्यकर्ता है, जो हर परिस्थिति में पार्टी के लिए और देश के लिए समर्पित भाव से कार्य करता है। हम सब मिलकर इस सदस्यता अभियान को लेकर प्रत्येक वर्ग - समुदाय, मोहल्ला के अंतिम व्यक्ति तक भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को सदस्यता अभियान को लेकर जाना है द्य और रिकॉर्ड तोड़ सदस्स्ता अभियान मे लोगो को अधिक से अधिक संख्या मे जोड़कर प्रदेश भर मे बेमेतरा विधानसभा को सबसे आगे लाना है द्य जिसके लिए हम सब मिलजुल कर काम करना होगा द्य भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा और माननीय नरेंद्र मोदी जी हमारे छत्तीसगढ़ जी के जनप्रिय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के कुशल नेतृत्व में जो विकास के काम हुआ है उनको लेकर जन जन तक जायेंगे और भारतीय जनता पार्टी के विचारधारा में जोड़कर सदस्यता ग्रहण करने में हम सब अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। यही आग्रह आप सभी कार्यकर्ता से करता हूं द्य सभी कार्यकर्त्ता अधिक से अधिक संख्या मे घर घर पहुंचकर आम नागरिकों को अधिक अधिक संख्या मे भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता दिलाने की बात कही द्य साहू ने कहा की आप सभी संगठन की इस महापर्व को समर्पण भाव से निभाए बैठक मे होरीलाल सिंहा प्रदेश मंत्री, शहर मण्डल अध्यक्ष सहित योगेश वर्मा, धर्मेंद्र साहू, संतोष वर्मा,विनय साहू, राजू देवांगन, परमेश्वर साहू, रेवाराम निषाद,गोपी देवांगन, दीनानाथ साहू, लक्ष्मीनारायण यादव, बिरेंद्र साहू, देवराम साहू, सावित्री रजक, राजीव तम्बोली, उमेशवरी साहू, लक्ष्मी साहू, हेमलता नेमा, ओमकार साहू, मीनू पटेल, हेमलता शर्मा, शेखर देवांगन, छत्र कुमार देवांगन, द्रौपती साहू, राहुल साहू, समस्त मण्डल अध्यक्ष, बूथ अध्यक्षों और शक्ति केंद्र के प्रभारी उपस्थित रहे।

विजय दशमी पर्व में रावण कुंभकरण मेघनाद का राम ने किया दहन

जिले के सबसे बडे दशहरा उत्सव मनाया गया धूमधाम

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

असत्य पर सत्य के विजय का प्रतीक का पर्व दशहरा जिला मुख्यालय स्थित कृषि उपज मंडी में मनाया गया। हजारों की संख्या में उपस्थित अंचल वासियों की मौजूदगी में राम ने 35 फीट ऊंचा विशालकाय रावण का दहन जहां किया गया वही पहली बार 26--26 फिट का कुंभकर्ण व मेघनाथ पुतला भी दहन किया गया। इस दौरान हजारों लोगों ने भगवान राम के जयकारे लगाए । इस बार रावण दहन के दौरान प्रशासनिक अमले की देखरेख चुस्त दुरुस्त रही पर पेय जल की व्यवस्था नहीं होने से दशकों को पानी के लिए भटकना पड़ा राम लीला के पात्र ने अपने अपने किरदार के अनुसार रामायण का पाठ किए। जिले का सबसे बड़ा दशहरा उत्सव शनिवार 12 अक्टूबर को कृषि उपज मंडी के मैदान में आयोजित रहा। रावण दहन से पूर्व रामलीला मंडली ने भगवान राम एवं रावण के संवाद के पश्चात 7 बजे, 35 फीट के विशाल रावण के पुतला का दहन किया गया। रावण दहन के साथ ही आतिशबाजी जबरदस्त अंदाज में किया गया जिसके बाद विजयी राम,लखन, जानकी व वानर सेना का अभिनंदन किया गया ।राम जी का राज्याभिषेक कर आरती उतार कर लोगों ने आशीर्वाद लिया। पुतला दहन के बाद अच्छाई का बुराई पर जीत का उत्सव मनाया गया।

इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ,नगर पालिका अध्यक्ष शकुंतला मंगत साहू, पूर्व विधायक अवधेश चंदेल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा अन्य जन प्रतिनिधि व कलेक्टर, एसपी सहित हजारो की संख्या मे आमजन मौजुद रहे। उपस्थित दशकों को शुभकामना देते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा कि दशहरे का यह पर्व हमे सीख देता की सत्य की हमेशा जीत होती है।वनवास के दौरान श्री राम भगवान के मार्ग में अनेक कठिनाई पैदा की गई। परंतु वे अपने सत्य के वचन पर अडिग रहकर एक आदर्श प्रस्तुत किए। साहू ने आगे कहा की आज पूरे विश्व में सभी सनातनी राम राज्य की परिकल्पना कर रहे हैं। कार्यक्रम स्थल पर व्यवस्था बनाने मे पुलिस टीम सक्रिय रहा। दशहरा उत्सव मेला के स्वरूप मे हुआ जहा पर विभिन्न प्रकार के झूले, होटल, मिठाई एवं खिलौना सहित कई तरह के दुकान लगे हुवे थे।

सुबह से पुतला लगाने के लिये जुटे

मंडी परिसर मे रावण दहन की तैयारी किया गया लोहे के पाइप के सहारे रावण व कुंभकर्ण, मेघनाथ के पुतला को खडा किया गया, बोरे लकडी व भूसा डाल कर बनाये पुतला दहन के लिये पुरी व्यवथा किया गया था सुबह से जारी घंटों मशक्कत के बाद रावण का पुतला बारह बजे के करीब खडा हो पाया साथ ही पूतला दहन के दौरान पुतला तक लोगो केा दुर रखने के लिए बांस का बकायदा बेरिकेटस बनाकर आम जनों को दुर रखने के लिए दायरा बनाया गया था, जिसके कारण पुतला दहन के समय लोग निर्धारित दुरी पर रहे।

मंडी के दो गेट खोले गए थे

जिला मुख्यालय के आसपास के गांव वासी विजय दशमी पर्व पर नगर में में आते हैं जिससे कृषि उपज मंडी मैदान खचाखच भरा रहता है जिससे आने जाने में किसी तरह की परेशानी से बचने के लिए कृषि उपज मंडी के दोनों मुख्य दरवाजा रायपुर रोड स्थित गेट व मंडी के मुख्य गेट को खोला गया था जहा से लोगो का आना जाना होता रहा है। वाहनों के लिए पुराना बस स्टेंड व गस्ती चौक के पास रोक दिया गया था जहा से लोगो केा कार्यक्रम स्थल तक पैदल ही जाना पडा ।

बने दो मंच एक रामलीला मंचन हेतु एक अतिथियों के लिए

दशहरा आयोजन के दौरान रामलीला का मंचन किया गया, जहा पर मंच में राम की वानर सेना व रावण का राक्षसी सेना दोनो के बीच संवाद हुआ जिसके बाद दोनो मे प्रतिकारात्मक युद्ध हुआ। युद्ध के पश्चात रावण वध करने के बाद फिर राज्याभिषेक किया गया। दुसरे मंच पर विधायक कलेक्टर एसपी सहित अन्य लोग उपस्थित थे इसके पूर्व दोनो दल शहर स्थित राममंदिर प्रांगण मे तैयार होकर शाम 5 बजे मैदान के लिए रवाना हुए थे जो मुख्य मार्ग होते हुए मंडी मैदान पहुंचे फिर 6 बजे से लेकर 7 बजे तक संवाद व युद्ध हुआ।

मेला का रहा माहौल रहा हजारों लोगों की भीड जुटी

कृषि उपज मंडी मैदान में आयोजित दशहरा पर्व के दौरान मेला की तरह माहोल रहा। तरह तरह की दुकान लगाया गया था। जिसमे लोगों ने खुब खरीददारी किया और आनंद उठाया। सबसे अधिक बिक्री मिठाई,पान व फ्लो की हुई। मेला स्थल के आलावा पुराना बस स्टेंड ,गस्ति चौक, मंडी परिसर, रायपुर रोड, नया बस स्टेन्ड ,प्रताप चौक मे मिठाई का दुकान लगाया गया था। इस दौरान आसपास के गाव बैजी ,लोलेसरा, गांगपुर मोहतरा, नवगाव, कोबिया, गुनरबोड,मटका ,बसनी, कंतेली, हथमुडी समेत अनेक गांव से हजारो की संख्या में लोग शामिल हुए। रावण वध एवं भगवान राम की आरती के पश्चात लोग रामजानकी मंदिर पहुच कर देव दर्शन किये ।

राज्य स्तरीय बाल किशोर वैज्ञानिक प्रतियोगिता के लिए सरदा के छात्र विवेकानंद के मॉडल का चयन

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद दिल्ली के गणित एवं विज्ञान विभाग एवं छत्तीसगढ़ राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद रायपुर छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित राज्य एवं राष्ट्र स्तरीय बाल किशोर वैज्ञानिक प्रतियोगिता 2024-25 एवं पश्चिम भारत विज्ञान मेला 2024-25 के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरदा के कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थी विवेकानंद का चयन राज्य स्तर के लिए हुआ है। कवर्धा में आयोजित की गई जोन स्तरीय प्रतियोगिता में इन्होंने द्वितीय स्थान प्राप्त किया और अपने विद्यालय सहित विकासखण्ड बेरला, जिला बेमेतरा का नाम रौशन किया। अब वे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता जो की 15 से 18 अक्टूबर तक अंबिकापुर में आयोजित की जा रही है छात्र विवेकानंद वहां पर बेमेतरा जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। संचार एवं परिवहन उप कथानक के अंतर्गत उन्होंने एक ऐसा मॉडल बनाया है, जो युद्ध या नक्सली क्षेत्र में सैन्य वाहन को लैंड माइन से और हमले से बचाएगा। जिसके साथ इसमें और भी कई खासियत जुड़ी हुई है। इस मॉडल को बनाने में छात्र के मार्गदर्शक शिक्षक जे पी यादव ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। और उनके ही मार्गदर्शन में छात्र विवेकानंद ने मॉडल बनाया है। राज्य स्तर के लिए चयन होने पर बाल वैज्ञानिक छात्र विवेकानंद को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरदा के प्राचार्य लक्ष्मीनारायण गायकवाड़ सहित समस्त स्टाफ के सदस्य एवं शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों ने तथा संकुल सरदा के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने खूब बधाई दी और आगे बढ़ाने की शुभकामनाएं प्रदान की।

बच्चे की नाखून चबाने की आदत ऐसे होगी दूर

कई बार देखा गया है कि बच्चों को जाने-अनजाने नाखून चबाना, दांत पीसना या बेवजह पैर हिलाने की आदत पड़ जाती है। अभिभावक इसे मामूली समझ नजरअंदाज कर देते हैं, जोकि सही नहीं है। मगर, लंबे समय तक ऐसा करने से सेहत को नुकसान होता है। चलिए हम आपको बताते हैं कि बच्चों में स्टिमिंग का आदत को कैसे कंट्रोल कर सकते हैं।

बच्चों में नाखून चबाना, बालों को घुमाना, पैर-हाथ हिलाने की आदतों को इन आदतों को ऑटिज्म से जुड़ा माना जाता है। हालांकि अगर समय रहते अभिभावक कुछ उपाये करें तो उनकी ये आदतें छुड़वाई भी जा सकती है।

इसने कई प्रकार के नुकसान होते हैं।

- गंदगी से भरे नाखून जब मुंह में जाते हैं तो इससे बच्चों को इंफेक्शन, दांत कमजोर, मसूड़ों की बीमारियां, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इंफेक्शन्स , डायरिया और पेट दर्द की समस्या हो सकती है।
- पैर हिलाने की आदत से लगातार पैरों में दर्द व सनसनी, खिंचाव, भारीपन, , कमजोर मांसपेशियां और पैरों में चुभन महसूस होने लगती है। वहीं, इससे जोड़ कमजोर और ब्लड सर्कुलेशन बिगड़ने का डर भी रहता है।
- लंबे समय तक उंगलियां चटकाने से गठिया रोग की समस्या भी हो सकती है। दरअसल, ये हड्डियां एक दूसरे से जुड़ी होती है और उंगलियां चटकाने से इनके बीच मौजूद द्रव कम होता जाता है, जिससे बच्चे इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं।

नाखून चबाने की आदत

बच्चों की उंगलियों में नीम या लौंग का तेल लगा दें। इसका स्वाद कड़वा होता है, जिससे बच्चे की नाखून चबाने की आदत छोड़ देती है।

बच्चों को व्यस्त रखें। उनसे ड्रांइग करवाएं या हाथों की कोई भी एक्टिविटी करवाएं। अगर बच्चे पढ़ते या टीवी देखते समय ऐसा करते हैं तो उन्हें खानपान में व्यस्त रखें ।

पैर हिलाने पर तुरंत टोकें

जैसे ही बच्चे पैर हिलाने लगे तो उन्हें तुरंत टोक दें। आपके बार-बार ऐसा करने से उनकी आदत दूर हो जाएगी। हो सकता है बच्चा ऐसा स्ट्रेस की वजह से कर रहे हों। ऐसे में उन्हें तनावमुक्त रखने के लिए फिजिकल एक्टिवीटी ज्यादा करवाएं और उन्हें व्यस्त रखें।

योग से दूर होगा स्ट्रेस

आपका बार-बार बालों से खेलता है तो उन्हें टोक दें और समझाएं कि ये गलत है। शुरु से ही बच्चे को तनाव मुक्त और रखने के लिए योगा करवाएं।

कोरोना महामारी के इस दौर में अगर आप अपने बच्चे को सेहतमंद रखने के साथ ही उसकी रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ाना चाहते हैं तो उसे बचपन से ही पौष्टिक चीजें खाने की आदत डालें। बच्चों की अच्छी सेहत के लिए उनके खाने में पौष्टिक चीजें शामिल करने से उनका शारीरिक व मानसिक विकास भी बेहतर तरीके से होता है। ऐसे में अक्सर अभिभावक इस बात से परेशान रहते हैं कि आखिर बच्चों को किस प्रकार का आहार देना चाहिये। अगर आप भी इसी समस्या से परेशान है तो यह जानकारी आप के लिए लाभदायक साबित हो सकती है। कुछ आहार ऐसे हैं जिनसे बीमारियों से बचाव के साथ ही रोग प्रतिरोधक शक्ति भी बढ़ती है।

बच्चों को सेहतमंद रखेंगे ये पौष्टिक आहार

शकरकंद

इसका सेवन करने से रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ने के साथ बीमारियों से भी बचाव रहता है। फाइबर की मात्रा अधिक होने से इसका सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। ऐसे में आप चाहे तो इसे बच्चे को 6 महीने का होने के बाद खिला सकते हैं। यह बच्चे के लिए बेस्ट आहार माना जाता है।

दलिया

बच्चों के बेहतर विकास के दलिया एक संपूर्ण आहार माना जाता है। फाइबर, आयरन और अन्य जरूरी तत्वों से भरपूर दलिया का सेवन करने से बच्चे को सही वजन मिलता है। आप इसे नमकीन, दूध वाला या पेनकेक की तरह बना कर बच्चे को खिला सकते हैं।

गाय का दूध

एक साल से छोटे बच्चे के लिए मां का दूध ही संपूर्ण आहार होता है। मगर आपका बच्चा एक साल से बड़ा है तो उसे रोजाना 3 बार गाय का दूध पिलाएं। इससे उसे सभी उचित तत्व मिलने के साथ बीमारियों से बचाव रहेगा।

केला

विटामिन, कैल्शियम, फाइबर, पोटेशियम आदि से भरपूर केले का सेवन करने से अंदर से मजबूती मिलती है। साथ ही इसमें फाइबर अधिक होने से लंबे समय तक भूख नहीं लगती है। ऐसे में वजन भी कंट्रोल में रहता है। अगर बच्चा केला खाने से मना करें तो आप उसे इससे मफीन, पैन केक या बनाना शेक बना कर दे सकते हैं।

पौष्टिक गुणों से भरपूर आड़ू का सेवन करने से बच्चे का विकास बेहतर तरीके से होता है। इसके सेवन से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आती है। आप इससे शेक, फ्रूट चाट, स्मूदी के तौर पर बच्चे को दें सकते हैं।

नाशपाती

नाशपाती में विटामिन, फाइबर, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं। आयरन अधिक मात्रा में होने से यह शरीर में खून की कमी पूरा करने में मदद करता है। साथ ही मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आती है।

घी

घी का सेवन करना मां और बच्चा दोनों के लिए फायदेमंद होता है। इससे रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ने से बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ती है। मगर बच्चे को इसे हजम करने में मुश्किल न आए ऐसे में उसे कम मात्रा में ही खिलाएं।

मटर

इसमें विटामिन, कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस आदि अधिक मात्रा में होते हैं। आप बच्चों को मटर का सूप, खिचड़ी या सब्जी के रूप में खिला सकते हैं। इससे बच्चे का शारीरिक व मानसिक विकास होने में मदद मिलती है।

चीज़

आप अपने 8 महीने के बच्चे को चीज खिला सकते हैं। इसमें फास्फोरस, कैल्शियम अधिक होने से बच्चे की ग्रोथ बेहतर तरीके से होती है। आप इसे सीधा या सलाद में मिलाकर खिला सकती है।

सूखे मेवे

बच्चे की ग्रोथ के लिए उसकी डाइट में सूखे मेवे शामिल करना बेस्ट ऑप्शन है। आप इसे रातभर भिगो कर या पाउडर बनाकर बच्चे के दूध में मिलाकर पिला सकते हैं। इसके अलावा इसके लड्डू या बर्फी में मिलाकर भी इसे खिलाया जा सकता है। मगर हैवी होने के चलते इसे बच्चे को हफ्ते में 2 बार ही खिलाएं।

हैल्दी ड्रिंक्स

आप घर ही साबुत अनाज, दालों को मिक्सी में पीसकर मल्टीग्रेन पाउडर तैयार कर सकते हैं। इस पाउडर को दूध में मिलाकर पीने से बच्चे को सभी जरूरी तत्व आसानी से मिल जाएंगे।

आलू

6 महीने बाद बच्चों को आलू उबाल कर खिलाना फायदेमंद होता है। इससे बच्चे की ग्रोथ अच्छे से होने के साथ बीमारियों से बचाव रहता है। आप आलू को खिचड़ी, सूप, उबालकर आदि तरह बच्चे की डाइट में शामिल कर सकते हैं।

बच्चों को यातायात के नियम भी बताएं

स्कूल और घर में ज्यादा दूरी ना होने के कारण बच्चे अकेले ही वहां चले जाते हैं। ऐसे में हमें उन्हें यातायात के सुरक्षा नियमों की जानकारी देनी चाहिये ताकि बच्चे सुरक्षित रूप से स्कूल आ जा सकें। ध्यान रखें कि आपके बच्चे एक ही रूट से प्रतिदन आएं-जाएं और वह रास्ता सुरक्षा की दृष्टि से भी सही होना चाहिए। उन्हें ऐसे रास्ते से भेजें जिसमें सड़क पर कम-से-कम क्रासिंग हो ताकि उन्हें बार-बार सड़क पार ना करनी पड़ी।

किसी भी तरह का गैजेट जैसे मोबाइल, वीडियो गेम, टैबलेट एवं आई पैड इत्यादि उन्हें देने से बचें ताकि बच्चे सड़क पर फोन पर बात करते हुए, गाने सुनते हुए या गेम खेलते हुए किसी दुर्घटना का शिकार ना हों।

अपने बच्चों को सुरक्षा नियमों का पालन करने को कहें। चाहे वे पैदल जाते हो या वैन एवं बस में उन्हें पता होना चाहिए कि वैन में कैसे बैठना है। यदि आगे की सीट पर बैठ हैं तो बैल्ट लगा कर बैठें। सड़क पार कर रहे हैं सिग्नल देख कर करें। अपने बच्चों को लाल, हरी और पीली बत्ती का फर्क समझाएं। दस साल से कम उम्र के बच्चों के साथ किसी बड़े का होना जरूरी है। उन्हें कभी भी सड़क पर अकेले ना छोड़ें। जब तक कि उनमें सड़क नियमों को समझने की परिपक्वता ना आ जाए।

अपने बच्चों को अजनबियों से सावधान रहने को कहें। उन्हें समझाएं किसी भी अजनबी से कोई भी उपहार, टॉफी या खाने की चीज ना लें और ना ही उनके साथ कहीं जाएं।

बच्चों को समझाएं कि सडक के किनारे से सिग्नल को देखकर और जेब्रा क्रासिंग पर ही सड़क पार करें।

बच्चों को बताएं कि बस से उतरने के बाद हमेशा उसके सामने से ही जाएं ताकि ड्राइवर उन्हें जाते हुए देख सके।

कभी भी सड़क पर मस्ती-मजाक करते हुए दौड़ ना लगाएं। कार पार्किंग के बीच में ना भागें।

बच्चों को अपने मोबाइल और घर के नंबर, घर का पता, स्कूल का पता याद करवा दें ताकि जरूरत पड़ने पर या किसी मुसीबत में वे आपसे संपर्क कर सकें।

यदि आपके बड़े बच्चे बाइक, स्कूटर या स्केट बोर्ड से स्कूल जाते हैं तो उन्हें हैलमेट पहनने को जरूर कहें। उनकी सुरक्षा करने के लिए ध्यान दें कि वे इसका पालन कर रहे हैं या नहीं।

बच्चों को बताएं गुड और बैड टच में अंतर

जिस प्रकार आजकल मासूम बच्चों के साथ अपराध बढ़ रहे हैं उससे अभिभावकों का चिंतित होना लाजिमी है। बच्चों को घर के अंदर बंद तो नहीं रखा जा सकता। ऐसे में उन्हें किसी भी अप्रिय घटना से बचने के तरीके समझाना जरुरी है क्योंकि हाल के दिनों में स्कूलों में भी बच्चों के साथ कई हादसे हुए हैं।

बच्चों को सतर्क करना इसलिए जरुरी है क्योंकि बच्चे बहुत ज्यादा भोले और मासूम होते हैं। उनको अच्छे और बुरे की कोई समझ नहीं होती। जो भी उनको प्यार से बुलाता है वह उसको अपना समझने लगते हैं। उस व्यक्ति के साथ प्यार से बात करने लगते हैं। कई बार तो बच्चे अनजान इंसान के साथ भी चले जाते हैं। बच्चे मन के साफ होते हैं वह समझ नहीं पाते कि किसी के दिमाग में क्या है। ऐसे में मां-बाप को चाहिए कि वह अपने बच्चों को गुड और बैड टच के बारे में जरूर बताएं। ताकि वह किसी यौन शोषण का शिकार ना हो पाएं।

बताएं क्या है बैड टच और गुड टच

बच्चों को नहीं पता कि गुड टच और बैड टच क्या होता है। इसलिए आप उन्हें ना सिर्फ इसके बारे में बताएं बल्कि उन्हें समझाने की कोशिश करें, ताकि वो आसानी से समझ सके। बच्चों को बतायें कि कोई भी अनजान उनके करीब आने का प्रयास करे तो दूर हो जायें और अगर वह उन्हें जबरदस्ती पकड़े तो शोर मचाकर लोगों को बतायें। किसी अनजान की बातों में न आयें और न ही खाने पीने का सामान लें। कोई लालच दे तो भी इंकार कर दें।

तेज दिमाग के लिए बच्चों को एनर्जी ड्रिंक

अगर आप का बच्चा भी जल्दी भूल जाता है और इससे उसे पढाई में भी परेशानी आती है तो इसमें पोषण की कमी हो सकती है। कई बार संतुलित आहार या किसी तत्व की कमी से भी ऐसा होता है। इसका कारण यह भी है कि बच्चे खाने- पीने में बहुत ही आनाकानी करते हैं। ऐसे में उन्हें सही पोषण न मिलने के कारण दिगाम का विकास ठीक से नहीं हो पाता। ऐसे में बच्चों को ड्राई फ्रूट्स से एक एनर्जी ड्रिंक बनाकर दें। प्रतिदिन इस एनर्जी ड्रिंक का सेवन करने से बच्चे की यददाश्त बेहतर होने के साथ ही उसका दिमाग भी तेज होगा। एनर्जी ड्रिंक के लिए खरबूजे के बीज, हरी इलायची, बादाम, खसखस, सौंफ और काली मिर्च को मिलाकर बनाया जा सकता है।

ड्राई फ्रूट्स से तैयार इस ड्रिंक को पीने से बच्चे को सभी उचित तत्व आसानी से मिल जाएंगे। इससे उसके शरीर व दिमाग का बेहतर तरीके से विकास होने के साथ बीमारियों से बचाव रहेगा। आप इसे बच्चों को सुबह और शाम को भूख लगने पर पिला सकती है। इससे मिलेंगे ये फायदे

तेज दिमाग

ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर अखरोट का सेवन करने से दिमाग का विकास अच्छे से होगा। ऐसे में स्मरण शक्ति बढ़ने में मदद मिलेगी।

खून की कमी होगी दूर

सूखे मेवों से तैयार इस ड्रिंक को पीने से शरीर को भरपूर मात्रा में आयरन मिलेगा। ऐसे में खून की कमी पूरी होगी। साथ ही थकान व कमजोरी की परेशानी से छुटकारा मिलेगा। शरीर दिनभर एनर्जेटिक रहेगा।

आंखों के लिए फायदेमंद

विटामिन-ए का उचित स्त्रोत होने से आंखों की रोशनी बढ़ने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे जुड़ी बीमारियों के होने का खतरा भी कम रहेगा।

रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ेगी

इस हेल्दी ड्रिंक का सेवन करने से बच्चे की इम्यूनिटी स्ट्रांग होगी। ऐसे में बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम रहेगा। साथ ही बच्चे में सुस्ती व कमजोरी दूर हो ताकत आएगी। इसतरह आपका बच्चा दिनभर

एनर्जेटिक महसूस करेगा।

सही वजन दिलाए

रोजाना इस ड्रिंक के 1-2 गिलास बच्चे को जरूर पिलाएं। इससे बच्चों का दुबलापन दूर हो उन्हें सही वजन मिलने में मदद मिलेगी।

मजबूत हड्डियां

इसके सेवन से विटामिन, कैल्शियम की कमी पूरी होगी। ऐसे में बच्चे के मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी। साथ ही बेहतर तरीके से विकास होने में मदद मिलेगी।

कब्ज से राहत

इसमे फाइबर की मात्रा अधिक होने से कब्ज की परेशानी से छुटकारा मिलेगा। पेट अच्छे से साफ हो बेहतर तरीके से विकास होने में मदद मिलेगी।

बेहतर पाचन तंत्र

सूखे मेवे विटामिन, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होते हैं। ऐसे में इस ड्रिंक का सेवन करने से पाचन तंत्र मजबूत होने में मदद मिलती है। इससे अपच, पेट दर्द, एसिडिटी की परेशानी से राहत मिलती है.

बच्चे-बुजुर्ग का मुस्तैद होकर ईलाज कराने वाले डॉक्टर रुपसिंग के जन्म दिन पर 167 लोग करेंगे रक्त दान

पायनियर संवाददाता < गरियाबंद
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री सहायता का लाभ दिलाकर 200 से अधिक बच्चों का दिल की बीमारी का इलाज कराने वाले जिला के लोकप्रिय सामाजिक कार्यकर्ता रूपसिंग साहु के जन्म दिन पर 170 लोग अपना अपना रक्त दान करेंगे मतलब हर साल की भांति इस साल भी जन्म दिन मनाकार गरीबों के लिए ब्लड इक्कठा करने के उद्देश्य से मांडव ऋषि आश्रम बाबा कुटी पर निशुल्क स्वास्थ एवं विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है जहां जिले भर से 170 से अधिक लोग मार्डन ब्लड बैंक रायपुर भीमराव अंबेडकर के ब्लड वाहन में ब्लड डोनेट करेंगे रूपसिंह साहु के लोकप्रिय होने का प्रमुख कारण यह बताया जाता हैं की 5 साल के बुर्जुग से लेकर अधेड़ उम्र के व्यक्ति का दस्तावेज पूर्ण कर सरकारी प्रक्रिया पुरा करते मुख्यमंत्री सहायता योजना के तहत राशि स्वीकृत कराते चिराऊ योजना के जरिए बच्चो का छोटे से लेकर बड़े आपरेशन कराते इलाज मुहैया करवाते है पिछले 10 साल में 200 से अधिक बच्चे और 700 से अधिक महिला पुरुष और यूवाओ को सरकारी योजना का लाभ दिलाने में कामयाब रहे हैं तभी आज सबसे ज्यादा ऐसे लोगो के बीच रूपसिंह साहु लोकप्रिय है यही वजह है कि रूपसिंह साहु का जन्म दिन देवभोग से लेकर जिला स्तर के गांव में मनाया जाता है मंदिर में पूजा अर्चना कर रूपसिंह साहु की स्वास्थ और लंबी उम्र की कामना किया जाता है सबसे खास बात तो यह है की झारखंड उड़िसा मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्य के पीड़ितो का भी रूपसिंह साहु द्वारा ईलाज कराया जाता है इसी तर्ज़ पर मध्यप्रदेश के दिवेंद्र मिश्रा चिंगरौली बालाघाट मध्यप्रदेश पेट की केंसर से पीड़ित रहा जिसका मुख्यमंत्री सहायता योजना के तहत् रूपसिंह साहु इलाज कराने में सफल रहे है इसके अलावा नयापारा उड़िसा के शंकर साहु का भी स्पाईल सर्जरी कराया गया ऐसे कई पीड़ितो को सरकारी मदद दिलाकर रूपसिंह साहु ने रिकॉर्ड दर्ज़ किया है।

दिव्यांग बुजर्गो का सम्मान : रक्त दान शिविर कार्यक्रम को लेकर लगभग सभी तैयारी कर लिया रक्तदान दाता की सूची में देवभोग ब्लॉक से भी लोग शामिल होने की बात कही जा रही है इस बीच रक्त दान शिवीर के दौरान स्वस्थ परिक्षण के अलावा दिव्यांग बच्चो के साथ बुजुर्गो का सम्मान किया जाना है

नि :शुल्क शव वाहन उपलब्ध कराते हैं

रूपसिंह साहु की सबसे ज्यादा चर्चा उस वक्त सुनने को मिलता है जब गरीब पीड़ितो की इलाज के दौरान मौत हो जाती हैं और शव को घर पहुंचाने के लिए परिजनों के पास पैसा नही होता तब के स्तिथि में रूपसिंह साहु ऐसे बेसराओ को अपनी सुविधा से निशुल्क शव वाहन उपल्बध कराते शव को भेजते हैं जिसकी सराहनीय जिला से लेकर प्रदेश स्तर पर काफी सुनने को मिलता है खास कर इन पीड़ितो के बीच रूपसिंह फरिस्ता साबित होते हैं जिन्हें सरकारी प्रक्रिया को पूरा करने में थक हार बैठे होते हैं ऐसे में रूपसिंह साहु पीड़ित का डॉक्टर से ईलाज की पूरी जानकारी लेकर दस्तावेज इक्ट्ठा करते सहायता राशि स्वीकृति कराते ईलाज करवाया जाता है इस बीच राशि की स्वीकृत नही होने पर अपने खर्चे पर इलाज करवाते हैं शायद यही वजह है कि रूपसिंह साहु को जिला स्तर पर इलाज वाले बाबा के नाम से प्रचिलत है।

इनके इलाज की सराहना

पहला - देवभोग ब्लॉक ग्राम पंचायत सरगीगुड़ा के निवासी लंबूधर नागेश के पुत्र महादेव का बीते 2015/16 मे दिल पर 14 एमएम छेद रहा और आर्थिक तौर पर कमजोर होने कारण ईलाज परिजनों द्वारा मुश्किल रहा ऐसे में रूपसिंह साहु ने मुख्यमंत्री सहायता योजना की मदद से ईलाज करवा कर सफल है।

दूसरा - महादेव की तरह छुरा ब्लॉक के ग्राम दिवना की दिव्या कंवर भी पीड़ित रही जिसका दिल पर 5 एमएम छेद रहा दिव्या का भी आपरेशन चिराऊ योजना के तहत् किया गया यह इलाज़ के लिए भी रूपसिंह ने मुख्यमंत्री सहायता की राशि को स्वीकृत कराया।

तीसरा- सबसे ख़ास चर्चा फिंगेशवर ग्राम बिजली का होता क्योंकि भूपेंद्र निषाद उम्र 23 पिछले दो साल से गंभीर बीमारी व गले में ट्यूमर रोग से पीड़ित है इस बीच अपने प्रवास के दौरान रूपसिंह साहु मरीज एवं परिजनों से मुलाकात कर जल्द ही ऑपरेशन कराया।

होटलों में अवैध शराब की बिक्री को लेकर किया औचक निरीक्षण

पायनियर संवाददाता < सरायपाली
www.dailypioneer.com

नगर में नवपदस्थ एसडीएम सुश्री नम्रता चौबे द्वारा शिकायत के आधार पर लगातार होटलों व ढाबो में अवैध शराब विक्रय पर कार्यवाही की जा रही है। वही बस स्टैंड में दो होटलों में छापामार कार्यवाही की गई । एक होटल में हुक्के पिलाये जाने की सामग्री बजी जप्त कर होटल को सील कर दिया गया है । ज्ञातव्य हो कि कुछ माह पूर्व पूर्व एसडीएम हेमंत नंदनवार द्वारा कार्यवाही करते हुवे 3 होटलों पर सील किये जाने की कार्यवाही की गई थी । सरायपाली नगर व ग्रामीण क्षेत्रो में लगातार अवैध शराब निर्माण व विक्रय के साथ ही देशी व अंग्रेजी शराबों का विक्रय धडलके से चल रहा है । कुछ माह पूर्व तक पुलिस लगातार छापामार कार्यवाही करती थी पर विगत 2-3 महीनों से अवैध शराब विक्रय पर कार्यवाही लगभग शून्य है । जिसके चलते अवैध शराब की बिक्री घर घर व मोहल्लों में चोरी छिपे बेची जा रही है । शराब बिक्री में मोटी कमाई होने के कारण कई लोग इस व्यवसाय की ओर सहज ही आकर्षित हो रहे हैं । वही जगह जगह होटलों , पान दुकानों , व अन्य छोटे छोटे दुकानों में यह सहज हो उपलब्ध हो रहा है । तो वहीं होटलों व भोजनालयों की आड़ में सबसे अधिक देशी व विदेशी शराब सहज ही उपलब्ध हो जाती है । नगर के मध्य एक कथित भोजनालय में सुबह 5 बजे से रात 11 बजे तक व्यवसायी द्वारा खुली शराब बेची जाती है । प्रतिदिन यहां 300-400 खाली डिस्पोजल शराब पीने के बाद नगरपालिका की कचरा गाड़ी को उठाते देखा जा सकता है । इसी तरह इस्लाम मोहल्ले स्थित पुराना भट्टी पारा में एक युवक वर्षो से शराब बेच रहा है । कि बार जेल जाने व कार्यवाही होने के बाद भी शराब बेचा जा रहा है । होटलों व अन्य स्थानों पर अवैध शराब विक्रय की लगातार मिल रही शिकायत के आधार पर एसडीएम नम्रता चौबे के नेतृत्व में बस स्टैण्ड पास स्थित नमता होटल में औचक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान ममता होटल में शराब पिलाते एवं बेचते हुए पाया गया । होटल में गोआ स्पेशल 1नग पैके एवं 02 खुला (180 ml), शोले प्लेन देशी मदिरा (180ml) 10 नग पैक वाला मैकडोनाल 1 (750द्वद्य), पार्टी स्पेंडेड (750mm)), बीयर (पैक) 1जप्त किया गया तो वहीं हुक्का पिलाने का सामान भी मौके पर पाया गया। सभी शराब व हुक्का सामानों की जप्ती के साथ ही होटल को भी सील कर दिया गया है । औचक निरीक्षण नवपदस्थ अनुविभागीय अधिकारी नम्रता चौबे के मार्गनिर्देशन में तहसीलदार श्रीधर पंडा व राजस्व कर्मचारी उपस्थित थे ।

अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल के साथ अपग्रेड करें अपने घर, रसोई और बाहरी स्थानों को

रायपुर। जैसे-जैसे त्योहारों का मौसम शुरू होता है, अपने साधारण घर को अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 2024 के दौरान होम, किचन और आउटडोर्स के उत्पादों की विस्तृत चयन के साथ सजाने का यह सही समय है। अगारो, प्रेस्टिज, सेलो, कोहलर, नीलकमल, क्यूबो, गोदरेज, बॉच और कई अन्य लोकप्रिय ब्रांडों पर रोमांचक ऑफर अनलॉक करें। एचडीएफसी और बैंक ऑफ बड़ौदा कार्ड के साथ चयन पर 10 छूट प्राप्त करें, साथ ही बिना किसी लागत वाली ईएमआई के लाभ का आनंद लें। 10,000 रुपये की उपकरण खरीद पर 1,000 रुपये की छूट प्राप्त करें और 2,000 रुपये के रसोई उत्पाद के खरीद पर 200 रुपये की छूट पाएं। अगारो, प्रेस्टिज, सेलो, कोहलर, नीलकमल, क्यूबो, गोदरेज, बॉच और कई अन्य शीर्ष ब्रांडों पर रोमांचक डील्स का लाभ उठाएं।

दशहरा उत्सव में शामिल हुए विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

बसना विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल श्री राम जानकी मंदिर समिति की ओर से दशहरा मैदान में आयोजित दशहरा उत्सव (विजयादशमी) में शामिल हुए। श्री राम जानकी मंदिर समिति पदाधिकारियों ने विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल का स्वागत किया। भगवान श्रीरामचन्द्र जी, सीता जी, लक्ष्मण जी, हनुमान जी, जामवंत जी एवं अन्य स्वरूपों की आराधना की गई। अपार जनसमूह की उपस्थिति में दशहरा मैदान में दशानन और अन्य पुतलों का दहन किया गया। यहां आकर्षक झांकी भी निकाली गई हैं। विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने कहा कि भगवान श्रीराम ऐसे आदर्श थे, जिन्होंने राज परिवार के सदस्यों के साथ अपनी प्रजा से संबंधों का पूर्ण निर्वहन किया। सनातनी संस्कृति का यह सशक्त उदाहरण है। भगवान राम के दरबार के लिए जिन कलाकारों ने अभिनय किया है, उनकी कला प्रशंसनीय है। विधायक ने समिति के पदाधिकारियों को उत्कृष्ट आयोजन के लिए बधाई दी एवं उपस्थित नागरिकों को विजयादशमी, आने वाले दीपावली और अन्य त्यौहारों के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश अग्रवाल, नगर पंचायत बसना उपाध्यक्ष सुमित अग्रवाल, जयनारायण अग्रवाल, मण्डल अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, महामंत्री अभिमन्यु जायसवाल, विधायक कार्यालय प्रभारी प्रकाश सिन्हा, पार्षद शीत गुप्ता, विधायक प्रतिनिधिगण अरविंद मिश्रा, विकास वाधवा, मोहित पटेल, निर्मलदास, कामेश बंजारा, आकाश सिन्हा श्री राम जानकी मंदिर समिति के पदाधिकारीगण व बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

महासमुंद पुलिस की कार्यवाही अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझी

पायनियर संवाददाता < महासमुंद
www.dailypioneer.com

पुलिस अधीक्षक महासमुंद के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन व अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पिथौरा के नेतृत्व में हत्या की गुत्थी सुलझाई गई। 25.09.24 को सूचक छन्नूलाल साहू पिता मदनलाल साहू उम्र 38 वर्ष निवासी ग्राम अमलीडीह थाना पिथौरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसका छोटा भाई खिलेश्वर उर्फ मन्नू साहू पिता मदनलाल साहू उम्र 34 साल साकिन अमलीडीह 23.09.24 के प्रातः 09.00 बजे से घर से बिना बताये कहीं चला गया है आसपास रिश्तेदारों में पता तलाश किये पता नही चला रिपोर्ट पर थाना पिथौरा में गुम इंसान क्रमांक 52/24 पंजीबद्ध कर जांच में लिया गया है। जांच दौरान प्रार्थी बताये कि 27.09.24 के करीब 12.00 बजे, पीताम्बर धुव से पता चला कि उसके खेत के मेढ में नया मिट्टी डला है बदबू आ रहा है तब ग्राम के प्रमुख लोगों के साथ जाकर देखा उसके बाद थाना पिथौरा में सूचना दिया था 28 सितंबर को प्रातः पुलिस पार्टी, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट, एफएसएल टीम ग्राम अमलीडीह के पीताम्बर ध्रुव के खेत मेढ पहुंचकर मेढ को खनन कराने पर गड्डा के अंदर खिलेश्वर साहू उर्फ मन्नू का शव मिला खिलेश्वर साहू को किसी व्यक्ति द्वारा हत्या कर दफना दिया गया है रिपोर्ट पर मौके पर देहाती मर्ग इंटिमेशन कायम कर शव जांच पंचनामा कार्यवाही में लिया गया। मृतक के संबंध अथवा द्वेष रखने वाले गांव अमलीडीह के हर संभावित संदेही पर निगाह रखकर गांव के 10-12 संदेहियों से सघन पूछताछ की गई। इसी बीच जानकारी प्राप्त हुई कि संदेही पीताम्बर ध्रुव जहर सेवन कर जिला अस्पताल महासमुंद में भर्ती है जिसे पूछताछ के दौरान बार-बार बयान बदलता रहा और पुलिस को गुमराह करने का प्रयास करता रहा। मनोवैज्ञानिक तरीके से पुलिस पूछताछ में पीताम्बर ध्रुव ने अपने दो साथियों विद्याधर सिन्हा, कृष्ण कुमार पटेल के साथ मिलकर घटना कारित करना स्वीकार किया और विवेचना के दौरान संदेही 1. पीताम्बर ध्रुव उर्फ नजरू पिता बिरसिंह ध्रुव उम्र 49 साल साकिन अमलीडीह, 2. विद्याधर सिन्हा उर्फ दोलो पिता मन्नूराम सिन्हा उम्र 40 साल साकिन अमलीडीह, 3. कृष्ण कुमार पटेल उर्फ मुन्नु पिता शोभाराम पटेल उम्र 56 साल साकिन अमलीडीह से पूछताछ करने पर बताये कि कृष्ण कुमार पटेल, विद्याधर सिन्हा, धनसाय सिन्हा मूंगफली का फसल लगाये है मूंगफली की फसल को जंगली सुअर नुकसान पहुंचा रहे है कि 23 सितंबर 24 को तीनों संदेही आपस में बातचीत कर जंगली सुअर को मारने के लिये पीताम्बर ध्रुव के घर में रखे खुला तार को लाकर पीताम्बर ध्रुव के बोर के सर्किट से बिजली करेंट प्रवाहित किये थे 23 सितंबर 2024 को शाम को कृष्ण कुमार पटेल द्वारा पीताम्बर ध्रुव एवं विद्याधर सिन्हा को अपने मोटर सायकल में बैठाकर ग्राम अमलीडी जाने वाली कच्ची सड़क के पास स्थित विद्याधर सिन्हा के झोपडीनुमा मकान के पास लाकर छोड़ दिये और तुम लोग तार लगाओ कहकर घर चले गये।

पुलिस ने अश्लील गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट करने वाले दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता < लवन
www.dailypioneer.com

थाना लवन में प्रार्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह अपने साथी के साथ 12.10.2024 की रात्रि बाजार चौक लवन के पास खड़ा था, तभी उस समय मोहल्ले के कुछ कुछ लड़के गाली गुप्तार कर, लड़ाई झगड़ा कर रहे थे, जिसे प्रार्थी और इसका साथी राहुल साहू मना कर रहे थे, इसी बीच उन लड़को द्वारा तुम लोग कौन होते हो बीच बचाव करने वाले कहकर अश्लील गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर, हाथ में पहने लोहे के पंच से प्रार्थी के सिर में मारकर गंभीर चोट पहुंचा दिया। उसके बाद अपने पास रखे लोहे की धारदार गुप्ती से सिर में वार किया, जिसे हाथ से रोकने पर हाथ की उंगली में गंभीर चोट आया। तत्पश्चात आरोपियों द्वारा इसके साथी राहुल साहू को जमीन में पटक कर हाथ मुक्का, लात आदि से मारपीट किया गया है। रिपोर्ट पर थाना लवन में अपराध क्र. 425/2024 धारा 296, 115(2), 351(2), 109(1), 3(5) बीएनएस एवं 25,27 आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में थाना लवन पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए 02 आरोपियों को हिरासत में लिया गया, जिनसे पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा एक राय होकर प्रार्थी एवं उसके साथी के साथ लोहे का पंच एवं धारदार चाकू नुमा हथियार से वार कर गंभीर चोट पहुंचाना स्वीकार किया गया।

खम्हरिया में नया बिजली पोल लगाने का काम बंद

पायनियर संवाददाता < उतई
www.dailypioneer.com

ग्राम पंचायत खम्हरिया में हनोदा की तरफ से नया बिजली पोल व तार लगाने का कार्य किया जा रहा था। लेकिन मात्र एक व्यक्ति के विरोध के कारण ठेकेदार ने काम ही रोक दिया। जिसको लेकर ग्रामीणों में काफी रोष है। ग्राम पंचायत खम्हरिया के सरपंच सुखीत यादव ने बताया कि गांव में बार बार बिजली गोल होने से ग्रामीणजन बेहद परेशान है। इस समस्या के समाधान हेतु हनोदा की तरफ से बिजली तार व बिजली का पोल लगाया जा रहा था। लेकिन मात्र एक व्यक्ति के विरोध के कारण दो माह पहले तार खिंचने व पोल लगाने का काम ठेकेदार ने रोक दिया है। साथ ही गांव में तार ख़िचने के बाद लगाया जाने वाला 5 नग ट्रांसफार्मर गांव में आ चुका है। जो अब बरसात के पानी से खराब भी हो सकता है। सरपच सुखित यादव व ग्रामीणों ने दुर्ग लोकसभा के साँसद विजय बघेल, दुर्ग ग्रामीण के विधायक ललित चन्द्राकर, दुर्ग कलेक्टर व विद्युत मण्डल के ठेकेदार से गांव में बिजली की अति समस्या को देखते हुये नया तार खिचने व बिजली पोल लगाने का कार्य शीघ्र शुरू करने की मांग की है। ताकि ग्रामीणो को बिजली की समस्या से मुक्ति मिल सके। अन्यथा ग्रामीण जन कलेक्टर से मुलाकात कर ज्ञापन सौपेंगे।

बाबा दरबार धनोरा में शोभायात्रा के साथ किया माता का विसर्जन

पायनियर संवाददाता < उतई
www.dailypioneer.com

बाबा दरबार पावन धाम धनोरा में आयोजित शारदिय नवरात्रि पर्व पर महाअष्टमी हवन का कार्यक्रम दरबार के लक्ष्मण बाबा एवं पंडित विनय शर्मा के द्वारा संपन किया गया। हवन के बाद नव कन्या का पुजा पाठ करके कन्या भोज कराया गया और उपहार दे कर विदा किया गया। तत्पश्चात दरबार में महाप्रसाद भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें 5 हजार भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। बाबा दरबार में कामेश्वर साहू छाया विधायक दुर्ग ग्रामीण विधानसभा एवं वासु वैशाली, मालती निषाद ने माता रानी से आशीर्वाद लिया। अंतिम दिन शनिवार को महावीर उद्यान से मां दुर्गा की प्रतिमा विसजर्न शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में भक्त गण मौजूद रहे। शोभायात्रा महावीर उद्यान से बाजार चौक मेन गली होते शीतला पारा, कर्मा मंदिर पारा, राधा कृष्ण मंदिर पारा होते गली भ्रमण करते हुए चलते रहे। जगह जगह भक्त गण माता रानी की पुजा अर्चना करते रहे एवं माता रानी की जय-जयकार लगाते हुए साथ साथ चलते हुए आगे बढ़ते रहे आगे आगे गुलाब साहू एवं हेमंत तेली जस गायक के मंडली द्वारा माता सेवागीत गाते हुए चल रहे थे। खनती तलाब में मां दुर्गा मुरती का विसजर्न किया गया। कार्यक्रम में ष्टदरबार के नंद पंडा, मनोज पटेल, गुलाब साहू, राजू यादव, विनोद साहू, मनसुखा साहू, गज्जू रायपुरिया, बबलू साहू, जीवराखन ठेकेदार, भोलू चीन्टू साहू, दिनेश साहू, ओमकार साहू, कल्याण देवांगन, योगेश साहू, बाबू लाल साहू विनोद साहू राजू यादव मनोज पटेल कुंज लाल साहू जीवराखन ठेकेदार ओमकार साहू कल्याण देवांगन योगेश साहू बाबू लाल साहू ठेकेदार हेमंत तेली दिनेश साहू सुनील कहार चीन्टू साहू भोलू साहू मुनना गंधर्व उमेश साहू डॉ धनेशवर साहू टीकम गुमान साहू मारियल साहू रुपलाल टेलर चेतन साहू चन्द्र देवांगन दिनेश यादव सुंदर सपरे कुंभकरण पटेल वासुदेव स्प्रे उपसरपंच बबीता साहू ललीता यादव सुनीता साहू देवकी साहू लक्ष्मी साहू देवश्री साहू कौशिल्या सेन अंजू देवांगन हितेश पटेल नीरा साहू प्रभा साहू कु पुजा साहू कु सुरुचि छोटी कु वेदू साहू कु नेहा कु डिम्पल साहू, चंद्रकांत कोसरे, कुंजलाल साहू आदि भक्तगणो ने विशेष सहयोग दिया।

राजस्व निरीक्षक कलेक्टर को करेंगे रिपोर्ट पेश, 5 से 6 माह में हो जाएगा गजट का प्रकाशन

चिरमिरी-नागपुर हॉल्ट न्यू रेल लाईन-विस्तारीकरण परियोजना के सर्वे का प्रथम चरण पूर्ण

पायनियर संवाददाता < मनेन्द्रगढ़
www.dailypioneer.com

जिले के चिरमिरी का जीवनदायिनी कहे जाने वाले चिरमिरी - नागपुर हाल्ट न्यू रेल लाइन विस्तारीकरण परियोजना, स्वास्थ्य मंत्री के प्रयास से धरातल पर उतर गया। 241 करोड़ रुपए से बनने वाले इस न्यू रेल लाइन में 50 प्रतिशत केंद्र सरकार और 50 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा भुगतान करना था लेकिन पूरवर्ती राज्य सरकार अपना 50 प्रतिशत हिस्सा जारी ही नही की जिससे न्यू रेल लाइन विस्तारीकरण का कार्य 05 साल तक अधर में लटका रहा जबकि केंद्र सरकार अपने हिस्से की राशि 120.50 करोड़ रुपए 2019 में ही जारी कर दी थी। सरकार बदलते ही पूर्व विधायक श्याम बिहारी जायसवाल एक बार फिर विधायक बने और विष्णु सरकार में स्वास्थ्य मंत्री का दायित्व मिला। क्षेत्र को नया जीवन देने कृत संकल्पित स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रयास से पुनः न्यू रेल लाईन - नागपुर हाल्ट परियोजना पर काम करना शुरू हुआ और इसका परिणाम है कि 07 अक्तूबर से 10 अक्तूबर यानि 04 दिवस के भीतर ही रेल्वे और राजस्व की टीम ने ड्रोन और फील्ड सर्वे पूरा कर लिया।राजस्व निरीक्षक के अनुसार चिरमिरी - नागपुर हाल्ट न्यू रेल लाइन विस्तारीकरण परियोजना के अंतर्गत एमसीबी जिले के पराडोल, खरबना, साजा पहाड़, चित्ताझोर पोड़ी, सरभोका, चिरयी पानी, बंजी और सरोला ग्राम के क्षेत्र शामिल है। जिसमे कुछ फारेस्ट लैंड होना बताया गया। ज्ञात रहे की प्रदेश की विष्णु देव सरकार ने अधर में लटके इस प्रोजेक्ट के लिए अपने पहले ही बजट 2024 में राज्यांश की राशि शामिल कर स्वीकृति प्रदान की और अब सर्वे का प्रथम चरण भी 10 अक्तूबर को पूर्ण कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार राजस्व निरीक्षक संभवतः सोमवार या मंगलवार को सर्वे रिपोर्ट कलेक्टर एमसीबी को सौप देंगे। दूसरे चरण के सर्वे में आउटर लाइन, स्टेशन का क्षेत्रफल, मोड़ वाली जगह का कुल क्षेत्र और पत्थर लगाने का एरिया जैसे 200 मीटर, 10 मीटर, 8 मीटर शामिल होंगे जो कलेक्टर द्वारा प्रथम चरण के सौपे रिपोर्ट के बाद शुरू होगा फिलहाल राजस्व अधिकारी की माने तो 05 से 06 माह में गजट का प्रकाशन हो सकता है। उल्लेखनीय रहे कि प्रोजेक्ट के पूर्ण होने के बाद चिरमिरी तक चलने वाली पांच ट्रेन चिरमिरी, चंदिया, भोपाल, अनूपपुर और रीवा का अंबिकापुर तक विस्तार होगा जिससे व्यापार और अन्य चीजों में वृद्धि होने की उम्मीद है वही अंबिकापुर से चलने वाली ट्रेन सीधे बोरीडाड़ जक्शन होकर चली जाती थी जिससे चिरमिरी के लोगों को बिजुरी, कोतमा या अनूपपुर से जाकर ट्रेन पकड़ना पड़ता था, यही नहीं अंबिकापुर से चलने वाली ट्रेन से सफर करने के लिए मनेंद्रगढ क्षेत्रवासी भी बिजुरी जाकर ही ट्रेन पकड़ पाते थे किंतु इस परियोजना के पूर्ण होते ही अंबिकापुर से होकर चलने वाली सभी ट्रेनें चिरमिरी मनेंद्रगढ़ होकर गुजरेगी। फिलहाल उक्त परियोजना के जल्द पूर्ण होने की आस जिले वासियों समेत चिरमिरी क्षेत्रवासियों को है जिसका सबसे ज्यादा लाभ उन्हें ही मिलने वाला है।

21 को सरगुजा प्राधिकरण की बैठक में शामिल होंगे सीएम

पायनियर संवाददाता < जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आगामी 21 अक्टूबर को जशपुर में होने वाला सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण बैठक में शामिल होंगे। इसी कड़ी में तैयारी का जायजा लेने कलेक्टर डॉ रवि मित्तल और पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह कुनकुरी विकास के मयाली नेचर कैम्प पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों हैलिपैड, बैठक व्यवस्था, भोजन, पार्किंग, बैरिकेटिंग, पेयजल, शौचालय बनाने के साथ ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नेचर कैम्प की साफ सफाई रंग रोगन करने के लिए कहा है। पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने गाड़ियों की पार्किंग और प्रवेश द्वार सहित अन्य सारी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। प्रवेश द्वार अलग अलग बनाने के लिए कहा है। ताकि किसी को प्रवेश करने में कोई परेशानी न होने पाए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रदीप कुमार साहू और जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

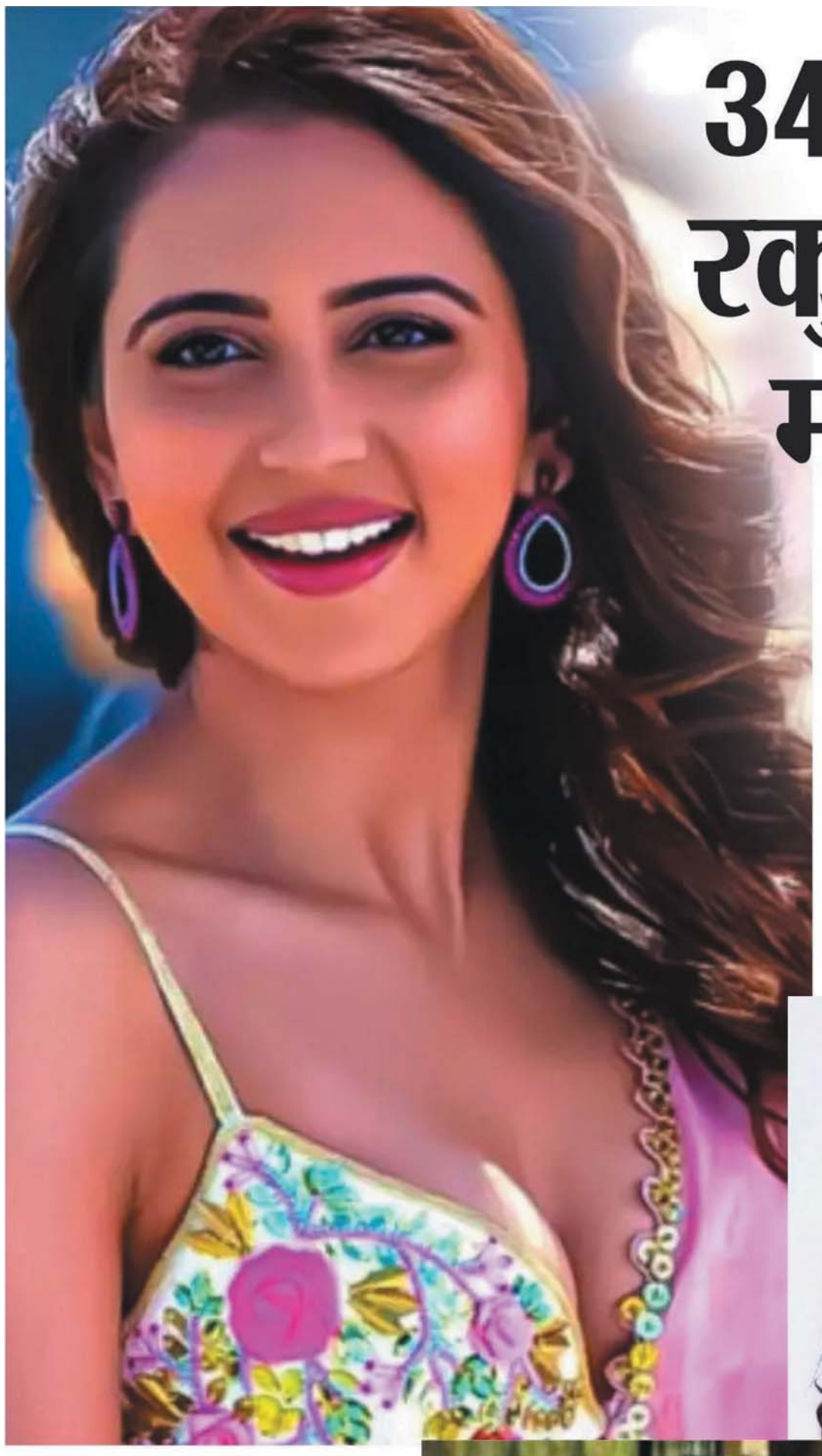

34 साल की हुई रकुलप्रीत सिंह, मना रही बर्थडे

बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा रकुल प्रीत सिंह 34 साल की हो गई है। वह अपना बर्थडे मना रही हैं। खास बात यह है कि शादी के बाद यह रकुल का पहला बर्थडे है, जिसे और भी खास बनाने के लिए उनके पति, जैकी भगनानी ने दिल खोलकर प्यार लुटाया है। जैकी ने इंस्टाग्राम पर रकुल के साथ बिताए कुछ यादगार पलों का एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में रकुल और जैकी की फोटोशूट्स, इवेंट्स, वेकेशन, शादी समारोह और शादी के बाद की खूबसूरत झलकियां शामिल हैं। जैकी ने इस पोस्ट के साथ भावुक कैप्शन लिखा, जिसमें उन्होंने अपनी पत्नी रकुल के प्रति अपने प्यार और सम्मान को व्यक्त किया। जैकी ने लिखा, जैसा कि मैं अपने विचारों को लिखता हूं, मैं उन सभी अनमोल पलों को फिर से जीता हूं, जो हमने सालों से साझा किए हैं। उस पल से जब हम मिले थे, उस पल तक जब हमने शादी की थी। यह जानकर कि मुझे हर दिन आपके साथ जीवन बिताने का मौका मिलता है, मुझे दुनिया का सबसे खुश इंसान बनाता है। उन्होंने आगे लिखा, आप एक बेहतरीन इंसान हैं और मुझे हमेशा गर्व महसूस करवाती हैं। मेरी बीवी नंबर 1 को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपने हमारे जीवन को इतना खूबसूरत बना दिया है, मैं बहुत आभारी हूं। जैकी की इस रोमांटिक पोस्ट पर रकुल ने भी प्यार भरा जवाब देते हुए लिखा, लव यू बेबी माई लाइफ। इस प्यारे संवाद को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं और रकुल को जन्मदिन की शुभकामनाएं दे रहे हैं। काम की बात करें तो रकुल फिलहाल अपनी आने वाली फिल्म दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें वह अजय देवगन और आर माधवन के साथ नजर आएंगी। बर्थडे पर रकुल को उनके फैंस और करीबियों से सोशल मीडिया पर ढेर सारी शुभकामनाएं मिल रही हैं।

मेहंदी लगा के रखना पर थिरकती नजर आईं निकिता दत्ता

बालीवुड के सुपर स्टार शाहरुख खान के प्रति एक्ट्रेस निकिता दत्ता का प्यार किसी से छुपा नहीं है। अक्सर अपने सोशल मीडिया पोस्ट्स के जरिए निकिता इसे जाहिर करती रहती हैं। बीते दिनों अभिनेत्री ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें वह दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे के प्रसिद्ध गाने मेहंदी लगा के रखना पर थिरकती नजर आईं। यह वाकया अजरबैजान के बाकू में हुआ, जहां निकिता छुट्टियां मना रही थीं। एक बाकलावा की दुकान में जाने पर दुकानदार ने शाहरुख के इस हिट गाने की धुन बजाई, और निकिता खुद को रोक नहीं पाईं और वहीं डांस करने लगीं। निकिता ने अपने इस खास पल का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया और इसे दिलचस्प कैप्शन दिया, एक सार्वभौमिक प्रेम भाषा है। इसे आईएमएसआरके कहा जाता है। यह बाकू में एक बाकलावा की दुकान है! इस आदमी के पास शाहरुख के गानों से भरी पूरी प्लेलिस्ट थी। निकिता ने शाहरुख को सार्वभौमिक प्रेम भाषा कहकर उनकी लोकप्रियता और अपनी भावनाओं का बेहतरीन इजहार किया है।इससे पहले भी निकिता कई बार शाहरुख खान के प्रति अपनी दीवानगी का इजहार कर चुकी हैं। इस साल की शुरुआत में उन्होंने शाहरुख के साथ डेट पर जाने की इच्छा जताई थी। एक इंटरव्यू में निकिता ने कहा था, निस्संदेह, शाहरुख खान। मैं हमेशा उनसे प्रभावित रहती हूं और उनके साथ काम करने के लिए मरी जा रही हूं। काम की बात करे तो निकिता दत्ता सिद्धार्थ आनंद की नेटफ्लिक्स प्रोडक्शन फिल्म ज्वेल थीफ में दिखाई देंगी।

मल्लिका शेरावत ने बताया मर्डर में इमरान हाशमी संग बोल्ड सीन करने का अनुभव

बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत ने फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' से बड़े पर्दे पर कमबैक किया है। मल्लिका शेरावत ने अपनी फिल्मों में जमकर बोल्ड सीन देकर अलग पहचान हासिल की था। साल 2004 में रिलीज हुई फिल्म 'मर्डर' में मल्लिका ने इमरान हाशमी संग खूब बोल्ड सीन दिए थे। इसके बाद कई फिल्मों में मल्लिका शेरावत की बोल्डनेस देखने को मिली। वहीं अब मल्लिका ने एक इंटरव्यू में फिल्म इंडस्ट्री में अपने शुरुआती वर्षों को किया है। साथ ही उन्होंने फिल्ममेकर महेश भट्ट के प्रति आभार भी व्यक्त किया है। मल्लिका ने फिल्म 'मर्डर' में इमरान हाशमी संग दिए बोल्ड सीन को लेकर भी बात की। एक इंटरव्यू में मल्लिक शेरावत ने कहा, इमरान एक जेंटलमैन हैं। उन्होंने मर्डर की शूटिंग के दौरान उन्हें काफी कम्फर्टेबल भी फील करवाया था। वहीं दूसरी ओर महेश भट्ट ने भी पूरी कोशिश की कि सेट पर हर कोई सुरक्षित ही फील करे। हालांकि इससे पहले इमरान और मल्लिका दोनों ही पब्लिक में एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी कर चुके हैं। उन्होंने कहा, उनके सेट पर सभी लड़कियां बहुत सुरक्षित हैं मर्डर में बोल्ड सीन करते हुए भी मुझे बहुत सुरक्षित महसूस हुआ बेशक, कोई भी थोड़ा असहज महसूस करता है क्योंकि यूनिट में बहुत सारे लोग होते हैं लेकिन भट्ट साहब और इमरान हाशमी दोनों ने मुझे बहुत सहज बनाया इमरान बिल्कुल सज्जन व्यक्ति थे।

मैंने आज तक 'बिग बॉस' नहीं देखा, लेकिन अब देखेंगे : ऋतिक रोशन

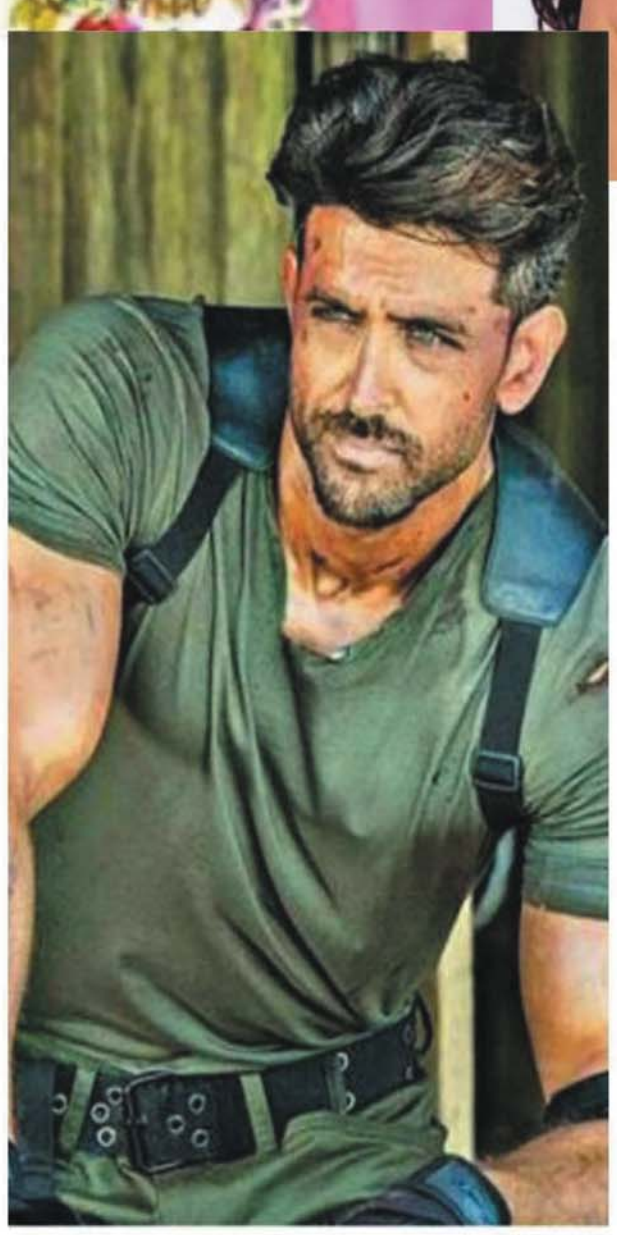

'बिग बॉस' शो को लेकर बॉलीवुड के सुपरस्टार ऋतिक रोशन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है। 'बिग बॉस' के निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर ऋतिक का यह वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वह शो के प्रति अपने उत्साह को व्यक्त करते हुए कहते हैं, 'इतना सफल शो होने के बावजूद मैंने आज तक 'बिग बॉस' नहीं देखा, लेकिन इस बार इसे जरूर देखेंगे क्योंकि इस बार इसमें मेरा एक खास दोस्त आ रहा है।' वीडियो में ऋतिक के दोस्त की झलक दिखाई गई है, हालांकि उनके चेहरे को छिपाया गया है। वह कहते हैं कि वे लोगों के दिमाग को अच्छी जिंदगी जीने के लिए प्रशिक्षित करते हैं। वह शो के होस्ट सलमान खान को हैरान कर देते हैं, जब वह सलमान से पूछते हैं, फ्रआपसे हर बार पूछा जाता है कि आप शादी क्यों नहीं करते, इसका जवाब मेरे पास है।फ्र इस चतुराई से भरी बात ने सलमान को चौंका दिया। इस संवाद से ऐसा लगता है कि वह कोई और नहीं बल्कि लाइफ कोच अरफीन खान हैं। अरफीन खान ने सीईओ, छात्रों, बॉलीवुड हस्तियों और उद्योगपतियों के साथ काम किया है। उनकी कंपनी के यूके और मुंबई में कार्यालय हैं। उनकी वेबसाइट के अनुसार, उन्होंने 150 से अधिक कंपनियों से बात की है, जिसमें 'ग्लोबल फॉर्च्यून 500 कंपनियां' शामिल हैं। उनके प्रेजेंटेशन से कर्मचारियों के बीच झगड़ों में कमी आई है और काम में सुधार देखने को मिला है। अरफीन खान का करियर 25 साल का है, और उन्होंने 47 से अधिक देशों में 600,000 से अधिक लोगों को लाइफ कोच के रूप में फायदा पहुंचाया है।

बिग बॉस में शिल्पा ने अपने अतीत को किया याद

रियलिटी शो बिग बॉस 18 में अपनी उपस्थिति को लेकर एक्ट्रेस शिल्पा शिरोडकर चर्चा में हैं। शो के दौरान, उन्होंने कहा कि उनके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है और वह हमेशा असली शिल्पा के रूप में दर्शकों के सामने रहेंगी। हाल ही के एपिसोड में, उन्होंने कंटेस्टेंट गुणरत्न के साथ अपने व्यक्तिगत संघर्षों और दर्द को साझा किया। शिल्पा ने अपने जीवन के कठिन समय को याद करते हुए बताया कि 2008 में उनके माता-पिता का निधन हुआ, जिसने उन्हें मानसिक रूप से बुरी तरह प्रभावित किया। उन्होंने खुलासा किया कि इस मुश्किल दौर में वह क्लिनिकल डिप्रेशन में चली गई थीं। भावुक होकर शिल्पा ने कहा, जब मेरे मम्मी-पापा गुजर गए थे, मैं बुरी तरह टूट गई थी।एक्ट्रेस ने अपने पति अपरेश रंजीत की प्रशंसा की, जो उस समय करियर के शिखर पर थे। उन्होंने बताया कि उनके पति ने उस कठिन समय में उनके लिए बहुत कुछ कुर्बान किया। शिल्पा ने कहा, वह सब कुछ छोड़कर भारत आ गए थे। अगर उस वक्त अपरेश कहते कि मैं कुछ नहीं छोडूंगा, तुम कुर्बानी दो, तो शायद वह आज अपने करियर में एक अलग मुकाम पर होते। गुणरत्न ने शिल्पा से कहा कि अगर वह इंडस्ट्री छोड़कर नहीं जातीं, तो आज उनके पास माधुरी दीक्षित जैसा स्टारडम होता। इस पर शिल्पा ने उत्तर दिया, ये नसीब की बात है। मुझे किसी चीज का कोई पछतावा नहीं है। शिल्पा शिरोडकर का यह खुलासा दर्शकों को उनकी जिंदगी के संघर्षों और रिश्तों की गहराई का एहसास कराता है। उनके अनुभव और सोच से यह स्पष्ट होता है कि कठिन समय में अपनों का साथ कितना महत्वपूर्ण होता है।

बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में कल्कि 2898 एडी को मिली शानदार प्रतिक्रिया

वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित और नाग अश्विन द्वारा निर्देशित, फिल्म कल्कि 2898 एडी अपने शानदार दृश्यों और आकर्षक कहानी से दर्शकों को प्रभावित करने में सफल रही, जिसने भारतीय सिनेमा को वैश्विक स्तर पर एक मजबूत पहचान दिलाई। यह फिल्म भारतीय पौराणिक कथाओं और भविष्य के विषयों के तत्वों को जोड़ती है।

हाल ही में बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिबल में कल्कि 2898 एडी की स्क्रीनिंग में निर्माता स्वप्ना और प्रियंका दत्त शामिल हुईं, जो दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया से खुश थीं। निर्माताओं ने अपने सोशल मीडिया पर तस्वीरों का एक सेट साझा करते हुए लिखा, एक अविस्मरणीय क्षण हम प्रतिष्ठित बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में ष्कल्कि2898एडी के लिए मिली अविश्वसनीय प्रतिक्रिया से वास्तव में अभिभूत हैं। ॒बुसानफिल्मफेस्ट। प्रभास, अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और कमाल हसन जैसे सितारों से सजी कल्कि 2898 एडी में प्राचीन कहानियों को भविष्य की दृष्टि से जोड़ा गया है। 1100 करोड़ रूपये से अधिक की वैश्विक कमाई के साथ, कल्कि 2898 एडी ने न केवल वर्ष 2024 की सबसे अधिक कमाई करने वाली भारतीय फिल्म का खिताब हासिल किया है, बल्कि दुनिया भर में 7वीं सबसे अधिक कमाई करने वाली भारतीय फिल्म का दर्जा भी हासिल किया है।

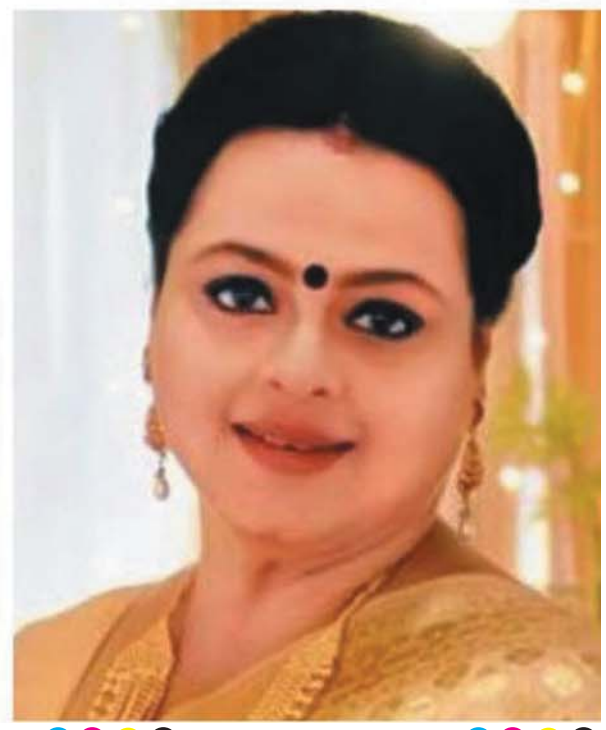

चांपा में दशहरा महोत्सव के दौरान हुई भीषण हादसे के लिए जिम्मेदार आखिर कौन?

कलेक्टर, एसपी सहित स्थानीय प्रशासन की सहभागिता और मौजूदगी में हुआ बड़ा हादसा,कार्यक्रम देखने आए दर्शक का टूटा दोनो पैर,क्या होगा इस पूरे मामले की प्रशासनिक जांच

पायनियर संवाददाता ➤ जांजगीर-चांपा
www.dailypioneer.com

चांपा शहर में शनिवार की रात भालेराय मैदान में आयोजित भव्य चांपा दशहरा महोत्सव के दौरान हुए भीषण हादसे से कई सवाल उठने लगा है जिसका जवाब किसी के पास नही है। इस हादसे में कई लोगों की जान पर आफत आ गई। गम्भीर रूप से घायल का उपचार बिलासपुर के अस्पताल में चल रहा है तो वही राम लक्ष्मण और हनुमान बने युवक भी घायल हो गए थे। जिन्हें उपचार के बाद छुट्टी दे दी गयी।

इस पूरे मामले में शासन प्रशासन की भूमिका कटघरे में है। जिस लापरवाही के साथ स्काई लिफ्टिंग में क्षमता से अधिक लोगों सवार करने और अपोजिट दिशा में ऑपरेट करने के चक्कर मे बड़ा हादसा हो गया।यहां अप्रिय स्थिति को देखते हुए पहले से किसी तरह की सुरक्षा व्यवस्था नही की गई थी।मसलन दशहरा उत्सव देखने आए ग्राम हरदी निवासी अवधेश सिंह उम्र 44 वर्ष और उनकी नन्ही बेटी दृष्टि सिंह 5 वर्ष पर स्काई लिफ्टिंग धड़ाम से गिर गया जिसके चलते अवधेश सिंह का दोनो पैर की हड्डी पूरी तरह टूट गयी उसका उपचार बिलासपुर में चल रहा है। उसकी बेटी

दृष्टि का हाथ मे चोट आई है। राम, लक्ष्मण और हनुमान बने युवक भी घायल हो गए है। बताया जा रहा है ऑपरेटर ने अपोजिट दिशा में चलाने और क्षमता से अधिक चढ़ाने से सावधान किया था लेकिन उसकी बात को अनसुना करके यह कार्यक्रम किया गया।बड़ी बात यह है जिला प्रशासन से लेकर स्थानीय प्रशासन ने बार-बार कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया और खुद कलेक्टर एसपी की मौजूदगी में इतना बड़ा हादसा हो गया। दिलचस्प बात यह है इतनी बड़ी दुर्घटना होने के बावजूद अफसर कार्यक्रम का आनंद लेते रहे। घायलों का कहना है इतनी बड़ी घटना घट गई लेकिन उन्हें देखने कोई नही आये और हालचाल तक जानना मुनासिफ नही समझा गया। यह पूरा वाक्या सुरक्षा व्यवस्था के दावों की पोल खोलकर रख दी है।

इस पूरे घटनाक्रम का जिम्मेदार कौन

चांपा में दशहरा उत्सव के दौरान हुई भीषण हादसे में जिन्दगी और मौत के बीच संघर्ष करने को मजबूर के लिए आखिर जिम्मेदार कौन है। स्काई लिफ्टिंग मशीन नगर पालिका की थी तो वहीं चांपा दशहरा उत्सव में जिला प्रशासन से लेकर स्थानीय प्रशासन की सहभागिता रही। इन सबमें सुरक्षा व्यवस्था का कोई इंतजाम नहीं था। स्काई लिफ्टिंग के ऑपरेटर के सावधान करने के बावजूद अपोजिट दिशा में लिफ्टिंग करने के कारण इनकी उपस्थिति में यह हादसा होना बड़ा सवाल है।इस पूरे घटनाक्रम के लिए आखिर जिम्मेदारी किसकी तय की जाएगी यह देखना बड़ा दिलचस्प होगा। इस पूरे मामले की प्रशासनिक जांच में इन सभी बिंदुओं को शामिल करने की मांग उठने लगी है।

भालेराय मैदान की यह दूसरी घटना

चांपा शहर का भालेराय मैदान बड़ी दुर्घटना के लिए चर्चित होने लगा है। यह दूसरी बड़ी घटना है। इसके पहले क्रिकेट स्पर्धा के आयोजन के दौरान गुब्बारा फ्ट गया था जिसमे कई लोग झुलस गए थे।तो वही एक युवक को अपनी जान गवानी पड़ी। हाईटेक आयोजन काफी खतरनाक साबित हो रहा है।अभी जमीन से 30-35 फीट ऊपर स्काई लिफ्टिंग के जरिए राम-रावण संवाद और युद्ध का प्रदर्शन कराना महंगा पड़ गया। इस खतरनाक हाईटेक आयोजन से सीख लेने की जरुरत है।

खतरनाक हाईटेक कार्यक्रम में सावधानी जरूरी

दशहरा उत्सव के दौरान नगर पालिका की जिस स्काई लिफ्टिंग मशीन का उपयोग किया गया उस मशीन की फिटनेस भी नही होने की जानकारी सामने आई है। यह भी बड़ी लापरवाही को दर्शाता है। ऐसे कमजोर मशीन का उपयोग खतरनाक हाईटेक कार्यक्रम के लिए उपयोग किया जाना वैसे भी ख़तरे से खाली नही था। उपयोग से पहले मशीन के फिटनेस की बारीकी से जांच करा लेनी चाहिए थी। इन सब मामलों से आयोजनकर्ता को सीख लेने की जरूरत है। कमजोर स्काई लिफ्टिंग को खतरनाक हाईटेक कार्यक्रम उपयोग के लिए देने के सम्बंध में हमने जब नपा सीएमओ भोला सिंह ठाकुर को उनके मोबाइल नम्बर में संपर्क किया तो घँटी बजती रही लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव कर अपना पक्ष जरूरी नही समझा इससे आप खुद ही अंदाजा लगा सकते हैं की किस तरह से अधिक अब इस बड़े हादसे में बयान देने से बचते नजर आ रहे हैं ।

इस पूरे मामले में जांच की जाएगी,जांच के बाद ही स्पष्ट तौर पर कुछ कहा जा सकता हैं फिलहाल घटना क्रम के आधार पर मामले में जांच की जा रही है।

डॉ. नरेश पटेल,
थाना प्रभारी चांपा

बालक के जेब में रखा मोबाईल अचानक हुआ फूटा ओडिसा से बैंड टीम में आया था दुर्गा विसर्जन के लिये

पायनियर संवाददाता ➤ रायगढ़
www.dailypioneer.com

रविवार की सुबह रायगढ़ शहर के केवड़ाबाडी बस स्टैण्ड में नाबालिक के जेब में रखा मोबाइल ब्लास्ट हो गया। इस घटना में 15 वर्षीय बालक बेहोश हो गया। जिसे परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उसका उपचार जारी है। मिली जानकारी के अनुसार रायगढ़ में दशहरे के बाद दुर्गा विसर्जन की झांकी के लिए बाजे वाली टीम को ओड़ीसा से बुलाया गया था। जिस गाड़ी में टीम आई थी, उस गाड़ी का ड्राइवर उमाकांत सोना ओड़ीसा राज्य के हीराकुंड का निवासी है। उमाकांत सोना ने बतया कि वह अपने 15 वर्षीय नाबालिक भांजे को भी अपने साथ रायगढ़ घूमाने लाया था। इसी बीच उमाकांत का नाबालिक भांजा अपनी जेब में एमआई कंपनी का मोबाइल रखा हुआ था। अचानक मोबाइल से धुआं निकलने लगा फिर मोबाइल ब्लास्ट हो गया। जिससे नाबालिक का पेंट जल गया और उसके हाथ की उंगली में भी चोट आई। मोबाइल ब्लास्ट के धुएं से नाबालिक बेहोश हो गया। जिसे जिला अस्पताल में इलाज के लिये भर्ती कराया गया है। उमाकांत सोना ने बताया कि वह ओड़ीसा से प्रोग्राम करने रायगढ़ आए है। उनके भांजे ने भी उन्हें घूमाने ले जाने के लिए कहा तो वे उसे घूमाने लेकर आए। भांजे का मोबाइल ऑटोमेटिक गर्म होकर उसकी जेब में फट गया। इसके धुएं से भांजा बेहोश हो गया। जिसके बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

जिला मुख्यालय शक्ति में धूमधाम के साथ हुआ दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन कार्यक्रम

पायनियर संवाददाता ➤ सक्ती
www.dailypioneer.com

शक्ति जिला मुख्यालय में नौ दिनों तक नवरात्रि का पर्व उत्साह के साथ मनाने के बाद 12 अक्टूबर को दशहरे के पावन पर्व पर दुर्गा पंडालो में स्थापित मां दुर्गे की प्रतिमाओं का विसर्जन कार्यक्रम धूमधाम के साथ किया गया।

इस अवसर पर जहां बैंड बाजे एवं आकर्षक सुसज्जित वाहनों पर सवार होकर दुर्गा प्रतिमाएं शहर के प्रमुख मार्गों पर शहर वासियों को आशीर्वाद देते हुए निकल पड़ी, तो वहीं आतिशबाजी के साथ दुर्गा प्रतिमाएं शहर के मां महामाया देवी तालाब में पहुंची जहां पुलिस प्रशासन की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया एवं शहर में 12 अक्टूबर को दशहरे के पावन पर्व पर जहां शाम होते ही चारों ओर विभिन्न दुर्ग प्रतिमाओं का विसर्जन कार्यक्रम आयोजित किया गया तो वहीं कार्यक्रम से पूर्व ही पुलिस प्रशासन ने सभी दुर्गा पंडालो एवं दुर्गा समितियो को बुलाकर उनका विसर्जन रूट निर्धारित कर दिया था, जिससे आपस में टकराहट ना हो तथा दुर्गा समितियां के सदस्य भी बड़े उत्साह के साथ विसर्जन कार्यक्रम में शामिल हुए एवं विसर्जन कार्यक्रम के दौरान महामाया देवी तालाब के चारों ओर आकर्षक लाइट लगाई गई थी एवं दशहरे पर्व पर भी शहर में अनेकों जगह रावण दहन के कार्यक्रम किए गए भले ही शक्ति में सार्वजनिक रूप से रावण दहन का कार्यक्रम नहीं हुआ किंतु मोहल्लों में लोगों ने अपने घरों के बाहर रावण के पुतले बनाकर उसका दहन किया तथा दशहरे के पर्व पर लोगों ने अपने घरों में पूजा अर्चना की तथा दशहरे की बधाई एवं शुभकामनाएं दी, शक्ति शहर की कुछ दुर्गा प्रतिमाएं आज 13 अक्टूबर को भी विसर्जित गई एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी 12 अक्टूबर को दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन कार्यक्रम धूमधाम के साथ किया गया।

जिला शिक्षा अधिकारी के पास स्कूल की मान्यता समाप्त करने कि मांग साहू ने उठाया

पायनियर संवाददाता ➤ जैजैपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ शासन के नियम कानून को ताक पर रखकर निजी स्कूलों को मान्यता दी जा रही है। वहीं प्राइवेट स्कूल मनमाने तरीके से फीस वसूल रहे हैं। जैजैपुर विकासखंड में 50 से अधिक निजी स्कूल संचालित हैं, इनमें अधिकतर स्कूल नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। क्षेत्र के कई प्राइवेट स्कूल संचालकों के पास खुद का भवन ही नहीं हैं। इनके पास अनुभवी शिक्षक भी नहीं हैं। पुस्तकालय, खेल मैदान, प्रसाधन, फर्नीचर, विद्युत व्यवस्था, पेयजल, लैब जैसी सुविधाओं के अभाव के बावजूद ये स्कूल जिम्मेदार अधिकारियों की मेहरबानी से संचालित हो रहे हैं। इतना ही नहीं ये विद्यार्थियों को स्कूल से कॉपी, बेल्ट, मोजे, टाई आदि खरीदने को बाध्य कर रहे हैं। अनेक स्कूल सचालक बगैर बीएड, डीएड किए अनुभवहीन शिक्षकों के भरोसे ही चल रहे हैं। इन स्कूलों में बच्चों के बैठने तक की सही व्यवस्था नहीं है। जबकि स्कूल संचालकों द्वारा प्रति माह वाहन किराया व स्कूल फीस मनमाने तरीके से लिया जा रहा है। परंतु जिम्मेदार अधिकारियों की इससे लापरवाही कहें या जानकर बूझकर ऐसे स्कूल को अनदेखी कर निजी प्राइवेट स्कूलों के तरफ झांकने तक नहीं जाते और धृतराष्ट्र बने बैठे हैं ये समझ से परे है।

जिला शिक्षा अधिकारी सक्ति से धनेश्हुवर साहू ने किया लिखित शिकायत

दरअसल पूरा मामला जैजैपुर विकासखंड जैजैपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत कांशीगढ़ में संचालित निजी स्कूल सन साईन पब्लिक स्कूल का है जहां नर्सरी से लेकर आठवीं तक की कक्षाएं संचालित है और शिक्षा

नियमों को ताक पर रख हो रहा निजी स्कूलों का संचालन

सन 2018 से हो रहा है संचालन सन साईन पब्लिक स्कूल काशीगढ़ का

नन्हे मुन्ने छात्रों के विद्यालय में कीटनाशक की दवाई की बोतल कही अनहोनी घटना न घटे

विद्यालय संचालक लापरवाह

विभाग के सारे नियम कानून को दरकिनार कर स्कूल का संचालन किया जा रहा है। उक्त निजी विद्यालय में लगभग 134 विद्यार्थी अध्ययन रत हैं। इस स्कूल में महज एक ही शौचालय की व्यवस्था है उसकी भी ढंग से साफ-सफाई नही होती है। जबकि लड़कियों के लिए अलग और लड़कों के लिए अलग से शौचालय की व्यवस्था होनी चाहिए। उक्त स्कूल का संचालन किराये के मकान में किया जा रहा है जिसका बी द्यय महेंद्र चन्द्रा पिता खेलराम चन्द्रा और किरायानामा महेन्द्र चन्द्रा पिता अन्दराम चन्द्रा है स्कूल के बगल में और भी दुकाने संचालित है। छोटे से किराये के मकान के नाम मात्र कमरों में नर्सरी से आठवीं तक के बच्चों को अव्यवस्था में रखकर शिक्षा के नाम पर व्यापार किया जा रहा है।बिना योग्य एवं बिना अनुभव के शिक्षक बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं एक कमरे में दो कक्षाओं के बच्चों को एक साथ बैठाकर पढ़ाय जा रहा है। इसकी शिकायत जिला शिक्षा अधिकारी सक्ती से की गई है, धनेश्वर साहू ने सन साईन पब्लिक स्कूल काशीगढ़ का मान्यता समाप्त के लिए आवेदन किया गया है क्योंकि घोर लापरवाही जो 2018 से अपने नियम कानून को तक में रखकर कर रहे हैं ऐसे विद्यालय के खिलाफ उनकी मान्यता को समाप्त किया जाए अब यह देखना है कि जिला शिक्षा अधिकारी सक्ती सन साईन विद्यालय का समाप्त करते हैं या जीवन दान देते हैं ?

शक्ति के वरिष्ठ अधिवक्ता महेश अग्रवाल को पितृ शोक, पिता बद्री प्रसाद अग्रवाल का हुआ निधन

सक्ति। जिला अधिवक्ता संघ शक्ति के पूर्व सचिव एवं कोषाध्यक्ष रहे वरिष्ठ अधिवक्ता तथा अखिल भारतीय भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन शाखा शक्ति के वरिष्ठ पदाधिकारी अधिवक्ता महेश अग्रवाल, एवं शक्ति शहर की प्रतिष्ठित फ़र्म चतुर्भुज बद्रीप्रसाद अग्रवाल के संचालक रमेश अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, पवन अग्रवाल एवं घनश्याम अग्रवाल के पूज्य पिता बद्री प्रसाद अग्रवाल (उम्र-86 वर्ष) पिता- स्व. चतुर्भुज अग्रवाल का आकस्मिक निधन 12 अक्टूबर 2024 दिन- शनिवार को हो गया, जिनका अंतिम संस्कार शनिवार को मारवाड़ी मुक्ति धाम शक्ति में हुआ, अंतिम संस्कार यात्रा उनके वर्तमान गृह निवास वार्ड क्रमांक- 05 (घनश्याम अग्रवाल का निवास) पुरेन्हा पारा शक्ति से निकली, बद्री प्रसाद अग्रवाल मृदुभाषी, मिलनसार एवं धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे, तथा उनके निधन पर जहां जिला अधिवक्ता संघ शक्ति, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन शाखा शक्ति, अग्रवाल सभा शक्ति, सहित विभिन्न सामाजिक, स्वयंसेवी, संगठनों ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है,तो वहीं वहीं बद्री प्रसाद अग्रवाल अपने पीछे भरा पूरा परिवार भी बिलखता छोड़ गए।

वित्त मंत्री ने समर्पित सेवा के लिए पुलिस शक्ति टीम का किया उत्साहवर्धन, शील्ड प्रदान कर किए सम्मानित

पायनियर संवाददाता ➤ रायगढ़
www.dailypioneer.com

नवरात्रि पर्व के दौरान महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल के निर्देशन में गठित शक्ति टीम ने अपने समर्पित और प्रभावी प्रयासों से सराहनीय भूमिका निभाई।

03 अक्टूबर को नवरात्रि के प्रारंभ के साथ ही महिला और पुरुष पुलिसकर्मियों की इस विशेष टीम ने दुर्गा पंडालों और गरबा स्थलों पर निरंतर गश्त कर असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी, जिससे महिलाएं निडर होकर नवरात्रि और विजयादशमी का पर्व मना सकीं। टीम के समर्पित सेवा और उत्कृष्ट कार्य को मान्यता देते हुए चंद्र नगर कला और संस्कृति मंच के दुर्गा आयोजन कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने शक्ति टीम के सदस्यों को शील्ड प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल और अन्य पुलिस अधिकारियों ने भी टीम के प्रयासों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। सम्मानित शक्ति टीम के सदस्य सहायक उप निरीक्षक मंजू मिश्रा (प्रभारी महिला रक्षा टीम), महिला प्रधान आरक्षक मालती कंवर, राजश्री वैष्णव, क्लोस्टिका खरे, प्रधान आरक्षक जोसेफ कुजूर, महिला आरक्षक अनिता बेक, पुष्पा सहिस, दोरोथिया किण्डो, कस्तुरी राठिया, आरक्षक विकास सिंह, कोमल तिवारी, राजू भगत, शशि चौहान।

शहर में तीन जगह हुआ रावण दहन, असत्य पर सत्य की हुई जीत

पायनियर संवाददाता ➤ रायगढ़
www.dailypioneer.com

शहर में पिछले कई सालों से तीन अलग अलग जगहों पर रावण पुतले का दहन किया जाता है। ऐसे में इस बार भी तीनों जगह रावण दहन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई थी। नटवर स्कूल मैदान में रावण दहन का कार्यक्रम शुरू किया गया। मुख्य अतिथि ओपी चौधरी के द्वारा यहां अपने संबोधन में कहा गया कि त्रेता युग में प्रभु श्री राम को 14 साल का वनवास करना पड़ा था, लेकिन कलयुग में 500 साल से अधिक समय तक टेंट के नीचे रहना पड़ा। उन्होंने असत्य पर सत्य की जीत का पर्व विजय दशमी की लोगों को बधाई दी। इसके बाद रिमोट का बटन दबाकर रावण के पुतले का दहन किया गया। इस दौरान जमकर आतिशबाजी भी की गई।

मिनी स्टेडियम में 48 फीट का रावण

नटवर स्कूल मैदान के बाद शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी मिनी स्टेडियम में रावण के पुतले का दहन कार्यक्रम करीब सवा दस बजे शुरू हुआ। जहां पहले तो ओपी चैधरी ने लोगों को संबोधित किया और उसके बाद 48 फिट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया। इस दौरान कंप्यूटराइज्ड आतिशबाजी की गई।

शहर में निकला विजय जुलूस

सार्वजनिक रामलीला आयोजन समिति के द्वारा इस बार रामलीला मैदान में 50 फ ीट का रावण बनवाया गया था। शाम करीब 7 बजे रामलीला मैदान से विजय जुलूस निकाला गया और यह जुलूस सत्तीगुड़ी चौक, सिविल लाइन, स्टेशन चौक, सुभाष चौक, हटरी चौक होते हुए वापस रामलीला मैदान पहुंची। जहां रामलीला के मंच पर राम रावण युद्ध हुआ और उसके बाद मंत्री ओपी चौधरी ने रावण के पुतले का दहन किया।

पुलिस जवान रहे मुस्तैद

रावण दहन कार्यक्रम को लेकर शहर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस ने पहले से तैयारी कर ली थी। ऐसे में शहर के चप्पे चप्पे पर 250 पुलिस के जवान अधिकारी ड्यूटी पर तैनात थे। शहर के चार थाना क्षेत्र में पुलिस की छह पेट्रोलिंग पार्टी घूम घूम कर पेट्रोलिंग कर रही थी। साथ ही साइबर सेल की टीम साइबर फ्रॉड को लेकर लोगों को जागरूक करते हुए आसामाजिक तत्वों पर नजर रख रही थी।

भाजयुमो नेता चिराग ने कहा- शहर में नगर पालिका प्रशासन द्वारा दशहरे का आयोजन न होना दुर्भाग्यपूर्ण

पायनियर संवाददाता ➤ सक्ती
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता युवा मोर्चा शक्ति जिले के ऊर्जावान उपाध्यक्ष एवं युवा समाजसेवी, श्याम प्रेमी चिराग अग्रवाल लल्ली ने शक्ति जिले वासियों को विजयदशमी दशहरे पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा है कि दशहरे का पर्व बुराइयों पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है,तथा शक्ति शहर में जहां दशहरे के आयोजन की दशकों से परंपरा रही है, एवं यहां के दशहरे को देखने के लिए दूर-दूर से लोग शक्ति पहुंचते थे, तथा इस दशहरे के आयोजन की संपूर्ण व्यवस्था स्थानीय स्तर पर नगर पालिका प्रशासन द्वारा की जाती थी, किंतु नगर पालिका शक्ति द्वारा विगत कई वर्षों से दशहरे का आयोजन न किया जाना क्षेत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है एवं नगर पालिका प्रशासन शहर की इस परंपरा को बनाए रखने की दिशा में कोई ध्यान नहीं दे रही है

भारतीय जनता युवा मोर्चा शक्ति जिले के उपाध्यक्ष चिराग अग्रवाल ने कहा कि साल 2024 के अंत में नगर पालिका के चुनाव होने हैं एवं अगले वर्ष नगर पालिका में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने पर दशहरे के आयोजन की भव्य शुरुआत की जाएगी तथा दशहरे का यह आयोजन निरंतर परंपरा के अनुरूप होता रहे, इस दिशा में भारतीय जनता पार्टी काम करेगी, चिराग अग्रवाल ने कहा की शक्ति जिले का भी गठन हो चुका है किंतु यह इस क्षेत्र वासियों के लिए अत्यंत गंभीर विषय है कि शहर में चल रही ऐसी परंपरा को बनाए रखने की दिशा में जिला प्रशासन भी कभी कोई रुचि नहीं लेता तथा शक्ति शहर में हो रहे ऐसे परंपरागत कार्यक्रमों को विलुप्त किया जा रहा है

कच्चे मकानों की रह जाएंगी बस यादें, गरीबों के घरों की मजबूत होने लगी हैं बुनियादें

खाते में किश्त आने से मजबूत नींव के साथ बनने लगा है सपनों का आशियाना

पायनियर संवाददाता ॰ रायपुर
www.dailypioneer.com

अंतिम छोर के गाँव की अपनी पहचान होती है। शहर से दूर होने के साथ यहाँ की अपनी जीवनशैली होती है। दूर-दूर घर होते हैं। घर पर गाय बकरियां होती है। हरे-भरे पेड़ पौधे होते हैं। छोटी-छोटी बाड़ियाँ होती है, जहाँ पसंद की साग सब्जियां उगाई गई और आसपास मुर्गे-मुर्गियां छोटे चूजे घूमते-फिरते होते हैं। सुबह से शाम तक चहल-पहल होती है। अपनी परम्पराएं, अपनी संस्कृति और मजबूत रिश्ते मगर कच्चे घर होते हैं.. इन्हीं पहचान के बीच किसी के टूटे हुए तो किसी के जैसे-तैसे बने मिट्टी और खपरैल वाले घर भी होते हैं। गाँव में किसी के पक्के मकान का होना उनके रसूखदार होने की पहचान हुआ करती थी.. क्योंकि गरीबी की वजह से पक्के मकान का सपना अनगिनत ग्रामीणों के लिए महज सपना ही था, खेती-किसानी या फिर पीढ़ी दर पीढ़ी कच्चे मकानों में ही जिंदगी गुजार देने वाले ग्रामीणों ने कभी सोचा भी नहीं था कि एक दिन उनका भी पक्का मकान बनेगा और अपने जीते-जी वे किसी रसूखदारों के बीच पक्के मकान में रह पाएंगे। कुछ ऐसा ही सपना कोरबा जिले के अन्तिम छोर के गाँव पतुरियाडाँड़ में रहने वाले गरीब परिवारों को खुशी और गर्व है कि किसी मजबूत रिश्तों की तरह उनके घरों की बुनियादें भी मजबूत हो रही है और कई मुश्किलों से गुजरी कच्चे मकानों में बस यादें ही रह जाएंगी।

कोरबा जिले के पोड़ी उपरोड़ा के अंतिम छोर के गाँव पतुरियाडाँड़ में रहने वाले गुलाब सिंह अपने तीन बेटों के साथ घर पर रहते हैं। लगभग 60 बसंत देख चुके गुलाब सिंह बताते हैं कि किसी तरह गाँव में खेती किसानी और मजदूरी से घर का खर्च चल जाता था। अब बेटे भी यहीं करते हैं। उनकी कई पीढ़ी गुजर गई पर पक्का मकान बन पाएगा, ऐसा कभी सोचा भी नहीं था। उन्होंने बताया कि उनके कच्चे मकान में जिंदगी कट गई। कच्चे मकान में बारिश के समय बहुत ही ज्यादा समस्याओं का सामना करना पड़ा। कभी खपरैल के बीच से टपकते बारिश के पानी में रातों की नींदे खराब हुई तो कई बार नीचे फर्श कीचड़मय हुआ। गुलाब सिंह से बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना में नाम आने के बाद उन्हें इस बात की चिंता थी कि वास्तव में पक्का मकान बनाने के लिए पैसे मिलेंगे या नहीं। कई बार तो लगता था कि खाते में पैसा नहीं आएगा और पक्के मकान का सपना कभी पूरा नहीं हो पायेगा। गुलाब सिंह ने बताया कि जब खाते में राशि आई तो मकान का सपना हकीकत में बदल गया है। खाते से राशि निकालकर अपनी मकान को मूर्त रूप दे रहा है। गुलाब सिंह ने बताया कि उन्हें खुशी है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों के खाते में पैसा डाला है और यह राशि उनके जैसे गरीब परिवारों के सपनों को सच कर रहा है। इसी गाँव की निवासी पिंकी पैकरा को भी अपने पक्के मकान का पूरा होने का इंतजार है। वह कहती है कि कच्चे मकान में रहने से बहुत परेशानी उठानी पड़ती है। पक्का मकान बारिश के दिनों में उन्हें किसी परेशानी में नहीं डालेगा और वह सुकून से रह पाएगी। ग्रामीण पंचराम और उनकी पत्नी रूपकुंवर के खाते खाते में भी आवास बनाने के लिए राशि आयी तो इन्होंने मकान पूरा करा लिया है। पंचराम ने बताया कि उनके घर का प्लास्टर का काम ही शेष है।

शक्ति और शौर्य का पर्व विजयदशमी पर मंत्री देवांगन लाल मैदान, आरपी नगर, मुड़ापार समेत अन्य स्थानों पर आयोजित कार्यक्रम में हुए शामिल

पायनियर संवाददाता ॰ रायपुर
www.dailypioneer.com

वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन कोरबा में असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय के महापर्व विजयादशमी दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया गया। लाल मैदान से लेकर आरपी नगर फेस वन, पुरानी बस्ती मुड़ापार समेत सभी प्रमुख स्थानों में आयोजित विजयादशमी के पर्व पर वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए। इस अवसर पर रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतला का दहन किया गया। ऊर्जाधानी के लाल मैदान में सबसे ऊंचे 110 फीट ऊंचे रावण का पुतला जलाया गया। इससे पहले मंत्री देवांगन ने भगवान राम सेना की पूजा अर्चना की। उन्होंने दर्री के राजेन्द्र नगर फेस-1 में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 25 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-अच्युतानन्द द्विवेदी*
समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2024-26, दूरभाष नंबर 0771-2972403